SATURDAY ▶ पहलगाम हमले के बाद रणनीतिक कदम का सवाल 4 ▶ नीट पेपर लीक मामले का मास्टमाइंड संजीव मुखिया गिरफ्तार 5 ▶ हमें बुराई को खत्म करने के लिए दिखानी होगी ताकत : भागवत 7

दिनमान | तापमान
सूर्योदय 5.08 | सूर्यास्त 6.01 | अधिकतम 36° | न्यूनतम 29°

वर्ष 17, अंक 320 पृष्ठ 8
कोलकाता, शनिवार, 26 अप्रैल 2025
बैशाख, कृष्णपक्ष, त्रयोदशी, वि.सं. 2082
मूल्य: ₹ 3

निष्पक्ष, निडर एवं सशक्त राष्ट्रीय दैनिक
युवा शक्ति
कोलकाता संस्करण
www.yuvashaktinews.com

वक्फ कानून पर केंद्र सरकार का हलफनामा

संसद से पारित कानून वैध, उन पर रोक नहीं लगा सकते

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करने का अनुरोध किया और कहा कि इस कानून पर पूर्ण रोक नहीं लगाई जा सकती क्योंकि इसकी संवैधानिकता पर पूर्वधारणा है. 1,332 पृष्ठों के प्रारंभिक जवाबी हलफनामे में केंद्र सरकार ने विवादास्पद कानून का बचाव करते हुए कहा कि चौंकाने वाली बात है कि 2013 के बाद वक्फ भूमि में 20 लाख हेक्टेयर (ठीक 20,92,072.536 हेक्टेयर) से अधिक की बढ़ोतरी हुई.केंद्र सरकार के हलफनामे में कहा गया है, 'मुगल काल से पहले, स्वतंत्रता के पहले और स्वतंत्रता के बाद में भारत में कुल 18 लाख 29 हजार 163.896 एकड़ भूमि पर वक्फ बनाए गए.'

इसमें निजी और सरकारी संपत्तियों पर अतिक्रमण करने के लिए पहले के प्रावधानों के दुरुपयोग का दावा किया गया है. बता दें कि, यह हलफनामा अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय में संयुक्त सचिव शेरशा सी शेख मोहिद्दीन की तरफ से दायर किया गया था.

हलफनामे में आगे कहा गया है कि, 'कानून में यह तय है कि संवैधानिक अदालतें किसी वैधानिक प्रावधान पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोक नहीं लगाएंगी और मामले पर अंतिम रूप से निर्णय लेंगी.

संसद की तरफ से बनाए गए कानूनों पर संवैधानिकता की धारणा लागू होती है'. केंद्र ने आगे कहा, 'जबकि यह अदालत मामलों की सुनवाई के दौरान इन चुनौतियों की जांच करेगी, लेकिन सामान्य मामलों में (यहां तक कि मुस्लिम समुदाय के सदस्यों पर भी) इस तरह के आदेश के प्रतिकूल परिणामों के बारे में जाने बिना पूरी तरह से रोक (या आंशिक रोक) लगाना, यदि याचिकाएं असफल हो जाती हैं, तो यह अनावश्यक होगा, खासकर ऐसे कानूनों की वैधता की धारणा के मामले में.' हलफनामे में कहा गया है कि अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाएं इस झूठे आधार पर आगे बढ़ीं कि संशोधन धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों को छीन लेते हैं.

इसमें कहा गया है कि अदालत विधायी क्षमता और संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर कानून की समीक्षा कर सकती है. सरकार ने कहा कि प्रमुख राजनीतिक दलों के सदस्यों वाली संसदीय समिति की तरफ से बहुत व्यापक, गहन और विश्लेषणात्मक अध्ययन के बाद संशोधन किए गए हैं.

पहलगाम हमले पर अमेरिका का ऐलान

आतंकियों को पकड़ने में करेंगे मदद

नयी दिल्ली: जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अलावा कई यूरोपीय और अरब देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने में भारत को समर्थन का आश्वासन दे चुके हैं. इस बीच अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने पहलगाम हमले को इस्लामिक हमला बताते हुए कहा है कि आतंकियों को पकड़ने में अमेरिका भारत को हर तरह से मदद करेगा. तुलसी गबार्ड ने कहा है कि इस मुश्किल वक्त में अमेरिका भारत के साथ खड़ा है.

शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में तुलसी गबार्ड ने लिखा, हम पहलगाम में 26 हिंदुओं को निशाना बनाकर किए गए भयावह इस्लामी आतंकवादी हमले को लेकर भारत के साथ एकजुटता में खड़े हैं. जिन लोगों ने अपने प्रियजन खो दिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के सभी लोगों के साथ मेरी प्रार्थनाएं और संवेदनाएं हैं. उन्होंने आगे कहा, हम आपके साथ हैं और इस जघन्य हमले को अंजाम देने वाले लोगों को पकड़ने में हम आपका पूरा सहयोग करेंगे.इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कश्मीर में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा था कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ मजबूती से खड़ा है. हमले के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर भी बात की थी. ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा था, कश्मीर से बहुत परेशान करने वाली खबर आई है. आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका मजबूती से खड़ा है हम मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और घायलों की ठीक होने की प्रार्थना करते हैं. प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों को हमारा पूरा समर्थन और गहरी सहानुभूति है. हमारी संवेदनाएं आप सभी के साथ हैं.

भारत के ऐक्शन से घबराया पाकिस्तान

मित्र देशों से मदद की गुहार, लेकिन लगा झटका

इस्लामाबाद: पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं. भारत ने अब तक पाकिस्तान के खिलाफ सिंधु जल संधि पर रोक समेत पांच बड़े ऐक्शन लिए हैं, लेकिन उस पर अभी और कड़ी कार्रवाई होनी तय है. इससे पाकिस्तान घबरा गया है और अपने मित्र देशों के पास मदद मांगने पहुंचा है. हालांकि, वहां से भी उसे झटका लगा है. पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने बताया है कि पहलगाम हमले पर उसने अपनी स्थिति साफ करने के लिए सभी मित्र देशों से संपर्क किया है, लेकिन अभी तक किसी ने भी मध्यस्थता का प्रयास नहीं किया है. यानी कि पाकिस्तान के मित्र देशों ने भी उसे अकेला छोड़ दिया है, जोकि किसी झटके से कम नहीं है.

बता दें कि कई मुस्लिम देशों ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा की है. कतर, जॉर्डन और इराक तथा दिल्ली स्थित अरब लीग के मिशन ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है तथा भारत के प्रति एकजुटता तथा पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है. इस घातक हमले के बाद अनेक देशों और उनकी सरकारों की ओर से एकजुटता के संदेश आए हैं. पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगा, क्योंकि सिंधु जल संधि को सुरक्षित रखने के लिए सभी विकल्प मौजूद है. यह 24 करोड़ लोगों की जीवन रेखा और अधिकार है - जिसे अंतर्राष्ट्रीय कानून और द्विपक्षीय संधियों द्वारा बनाया गया है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने साप्ताहिक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा, सिंधु जल संधि बहुत स्पष्ट है. यह स्पष्ट है... पाकिस्तान के लिए सभी विकल्प मौजूद हैं. यह हमारी जीवन रेखा और हमारा अधिकार है. हम अपने लोगों के लिए इस अधिकार को सुरक्षित करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे.

48 घंटे बाद भी पाक रेंजर्स ने नहीं छोड़ा बीएसएफ जवान को

जवान की पत्नी ने केंद्र व बंगाल सरकार से मांगी मदद

कोलकाता: बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ पिछले 48 घंटे से पाक रेंजर्स की हिरासत में है. केंद्र सरकार की ओर से उसे वापस लाने की कवायद की जा रही है. शुक्रवार को बीएसएफ के डीजी दलजीत चौधरी ने गृह सचिव को पाक रेंजर्स के द्वारा हिरासत में लिए गए बीएसएफ के जवान की जानकारी दी. बीएसएफ के जवान को फिरोजपुर से पाक रेंजर्स ने इंटरनेशनल बॉर्डर पर पकड़ा था. पिछले 48 घंटे से पाक रेंजर्स की हिरासत में बीएसएफ का जवान है. जवान को वापस लाने की कवायद जारी है. फ्लैग मीटिंग के लिए आज फिर बीएसएफ ने पाक रेंजर्स को बोला. फ्लैग मीटिंग जल्द होने की संभावना है.

बता दें कि बीएसएफ जवान पूर्णब कुमार शॉ बुधवार दोपहर से पाकिस्तान में हिरासत में हैं. शॉ, जिन्होंने हाल ही में पंजाब के फिरोजपुर जिले में भारत-पंजाब सीमा पर ड्यूटी ज्वाइन की थी, बुधवार को जीरो लाइन के पास खेतों में काम कर रहे सीमावर्ती ग्रामीणों (किसानों) की सहायता करते समय गलती से सीमा पार कर गए थे और उन्हें पाकिस्तान सीमा सुरक्षा बल ने पकड़ लिया था. शॉ की पत्नी रजनी ने पश्चिम बंगाल सरकार और केंद्र से अपने पति की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की अपील की. उन्होंने गुरुवार शाम को संवाददाताओं से कहा, मुझे उनके एक सहकर्मी से पता चला, जिसने मुझे बताया कि उन्हें पाकिस्तानी सैनिकों ने पकड़ लिया है और उन्हें वापस लाने के लिए फ्लैग मीटिंग चल रही है. मैं राज्य और केंद्र सरकार से अपील करूंगी कि वे सुनिश्चित करें कि मेरे पति जल्द से जल्द सुरक्षित घर लौट आएं. घटनाक्रम से परिचित सुरक्षा अधिकारियों ने कहा है कि इस तरह की घटनाएं पहले भी हो चुकी हैं और आमतौर पर फ्लैग मीटिंग और आपसी समझ के जरिए इनका समाधान किया जाता है.

नहीं रहे इसरो के दिग्गज वैज्ञानिक कस्तूरीरंगन

नई दिल्ली: भारत के महान अंतरिक्ष वैज्ञानिक और शिक्षाविद् डॉ. के. कस्तूरीरंगन का आज सुबह 84 वर्ष की उम्र में निधन हो गया. उन्होंने बंगलूरू में मौजूद अपने आवास पर सुबह 10:43 बजे अंतिम सांस ली. वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे. वर्ष 2023 में श्रीलंका यात्रा के दौरान उन्हें दिल का दौरा पड़ा था, जिसके बाद वे बहुत कम ही बाहर निकलते या देखे जाते थे. के. कस्तूरीरंगन सिर्फ एक वैज्ञानिक नहीं थे, बल्कि वे भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम और शिक्षा प्रणाली के दो स्तंभों में अहम भूमिका निभाने वाले व्यक्ति थे. न्हें

सिंधु जल संधि रोकने के लिए बन रही 3 तरह की रणनीति

केंद्र ने कहा- पाकिस्तान को एक बूंद पानी नहीं देंगे

नई दिल्ली: पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार ने सिंधु जल संधि पर अपनी नीति में बड़ा बदलाव करते हुए इसे तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का निर्णय लिया है.

इस दिशा में केंद्र सरकार ने तीन-चरणीय रणनीति तैयार की है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोकना है. जलशक्ति मंत्रालय की इस अहम बैठक का आयोजन शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निवास पर हुआ, जिसमें विदेश मंत्री एस. जयशंकर और जलशक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल भी मौजूद रहे. बैठक के बाद जलशक्ति मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत पाकिस्तान को 'एक बूंद पानी' भी नहीं देगा. पाटिल ने बताया कि इसे लेकर 3 तरह की रणनीति बना रहे हैं. पाकिस्तान को एक बूंद पानी नहीं मिलेगा. हालांकि रणनीति के तीन चरणों का विवरण सार्वजनिक नहीं किया गया है, लेकिन सरकार द्वारा यह संदेश साफ है कि अब भारत सिंधु जल संधि के मौजूदा स्वरूप को यथावत बनाए रखने के पक्ष में नहीं है.

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि राज्य शुरू से ही इस संधि का विरोध करता रहा है. उनके अनुसार, सिंधु जल संधि जम्मू-कश्मीर के हितों के खिलाफ रही है और इससे राज्य को जल संसाधनों के उपयोग में नुकसान हुआ है.

जलशक्ति सचिव देवश्री मुखर्जी ने पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय को औपचारिक पत्र लिखकर सूचित किया है कि मौजूदा हालात में सिंधु जल संधि को बनाए रखना संभव नहीं है. पत्र में उल्लेख है कि यह समझौता आपसी विश्वास और अच्छे संबंधों की नींव पर टिका था, जो वर्तमान परिस्थितियों में अनुपस्थित हैं. भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि जब तक पाकिस्तान सीमापार आतंकवाद को समर्थन देना बंद नहीं करता, तब तक इस संधि को लागू रखना असंभव है.

पहलगाम हमले से आहत बंगाल के शिक्षक साबिर हुसैन ने छोड़ा इस्लाम

कोलकाता: जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार 22 अप्रैल को हुए आतंकी हमले को देश कभी नहीं भुला पाएगा. आतंकियों ने बैसरन की खूबसूरत पहाड़ियों का लुत्फ उठा रहे बेकसूर लोगों पर बेरहमी से गोलियां चला दीं. इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई जिनमें से अधिकतर सैलानी थे. वहीं कई लोग घायल भी हुए हैं. जानकारी के मुताबिक आतंकियों ने लोगों को मारने से पहले यह भी सुनिश्चित किया कि वे किस धर्म के हैं. लोगों में इस बात को लेकर गुस्सा फूट पड़ा है. देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच पश्चिम बंगाल के एक स्कूल टीचर ने बड़ा कदम उठाया है. साबिर हुसैन नाम के इस शख्स ने इस्लाम धर्म को त्यागने का फैसला किया है.

पहलगाम आतंकी हमले से आहत बादुरिया के साबिर हुसैन ने इस्लाम छोड़ने के लिए कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया है. न्यूज 18 से बात करते हुए साबिर हुसैन ने कहा है कि हिंसा फैलाने के लिए बार-बार धर्म का इस्तेमाल किया जाता है जो सही नहीं है. उन्होंने अपने फैसले के बारे में बताते हुए कहा, मैं किसी धर्म का अनादर नहीं कर रहा हूं. यह मेरा निजी फैसला है. मैंने देखा है कि किस तरह हिंसा फैलाने के लिए एक हथियार के रूप में धर्म का इस्तेमाल किया जाता है. कश्मीर में ऐसा कई बार हुआ है. मैं अब इसे बर्दाश्त नहीं कर सकता.उन्होंने आगे कहा, मैं सिर्फ एक इंसान के रूप में जाना जाना चाहता हूं, किसी धार्मिक पहचान की वजह से नहीं.

इसलिए मैं कोर्ट में आवेदन करने आया हूं. साबिर ने आगे कहा, पहलगाम जैसी हिंसक घटनाओं में महजब का गलत इस्तेमाल किया जाता है.

युवा शक्ति अखबार मिलने में यदि कोई कठिनाई हो रही हो तो अविलंब इस नंबर पर संपर्क करें : 9831572125, 6290628072

महिला की निशानदेही पर संदिग्ध खच्चर वाला अरेस्ट

35 बंदूक और प्लान-बी की भी कह रहा था बात

धर्म भी पूछा था, कुरान पढ़ने की दी थी सलाह

जम्मू: जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में सुरक्षाबलों ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो का संज्ञान लेते हुए तत्काल कार्रवाई की. वीडियो में एक महिला पर्यटक ने दावा किया था कि एक व्यक्ति ने उससे उसके धर्म के बारे में सवाल किया था. साथ ही 35 बंदूक भेजने और प्लान बी जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए उसे सुना था. जांच के बाद गांदरबल पुलिस ने संदिग्ध की पहचान की और उसे पकड़ लिया है. उसकी पहचान अयाज अहमद जंगल के रूप में हुई. वह गांदरबल के गोहिपोरा रायजान का रहने वाला है. वह सोनमर्ग के थजवास ग्लेशियर में खच्चर सेवा देता है. संदिग्ध को देखने वाली महिला ने बताया कि हम लोग 13 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर गए थे. हम लोगों ने जम्मू-कश्मीर का 10 दिन का ट्रिप बनाया था. इस ट्रिप में हम लोग पहले माता वैष्णो धाम गए. 15 तारीख को वैष्णो देवी से फ्री हुए और 16 अप्रैल को श्रीनगर पहुंचे. 17 और 18 तारीख को हम लोग श्रीनगर में घूमे और 19 तारीख को हम लोग सोनमर्ग और 20 तारीख को पहलगाम गए थे.

पहलगाम में हम लोगों की खच्चर वालों से बात हुई तो वह हमें बायसरन घाटी ले गए जिसे मिनी स्विट्जरलैंड कहा जाता है.

महिला ने बताया कि हम लोग बायसरन से 500 मीटर पहले एक जगह तक गए. वहां पर वह संदिग्ध था, जिसका स्केच जारी हुआ है. उसे हम पहचान रहे हैं. उसके साथ एक लड़का भी था. पहले हम लोगों को लगा कि वह खच्चर वाले हैं. उसने मुझसे पूछा कि आपका क्या नाम है? महिला ने जवाब दिया कि मेरा नाम एकता है और राजस्थान से हूं. उसने फिर मुझसे कहा कि आप अजमेर गई हो? मैंने कहा कि मैं अजमेर नहीं गई हूं. फिर उसने कहा कि आप अपने नाम के आगे क्या लगाती हैं? महिला ने कहा कि मैं एकता ही लिखती हूं. इसके बाद उसने पूछा कि कितने लोग आए हैं और कौन-कौन साथ आया है? महिला ने बताया कि बातचीत के दौरान संदिग्ध ने उनसे उनका धर्म भी पूछा. साथ ही कहा रहा था कि कुरान पढ़ो, कुरान हिंदी में भी है. मैं उसका टीचर भी रहा हूं. महिला ने बताया कि जब मैंने उससे कहा तो आप खच्चर क्यों चलाते हो तो वह चुप हो गया. इस बातचीत के दौरान उसका फोन आ जाता है. फोन पर वह किसी से कहता है कि 20 लोगों का ग्रुप आ रहा है. बातचीत के दौरान ही महिला ने सुना वह फोन पर बोल रहा था कि ब्रेक फेल नहीं हो पाया... प्लान बी. 35 बंदूक मैंने घाटी भिजवा दी हैं. बॉक्स भी पूरा भेज दिया है. फिर महिला ने अपने पति से कहा कि उसका फोटो ले लो चुपके से.

बेगूसराय के तीन होनहार यूपीएससी में पास कर जिले का गौरव बढ़ाया

गढ़पुरा की साक्षी कुमारी ,बछवाड़ा के अभिषेक कुमार, तेघड़ा के दिव्यांशु शांडिल्य

बेगूसराय(युवा शक्ति ब्यूरो) : यूपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा 2024 का फाइनल रिजल्ट जारी कर दिया. जिसमें बेगूसराय गढ़पुरा प्रखंड के मालीपुर गांव की रहने वाली योगेंद्र पाठक की बेटी साक्षी कुमारी ने यूपीएससी सिविल सेवा के फाइनल रिजल्ट में 86 वां रैंक हासिल की. वहीं बछवाड़ा प्रखंड के चमथा पंचायत-01 छोट खुट गांव निवासी अंजनी सिंह के पुत्र अभिषेक कुमार ने देश के सबसे कठिन यूपीएससी की फाइनल परीक्षा में 87 वां रैक प्राप्त किया, वहीं तीसरा छात्र बरौनी गांव निवासी आईपीएस लक्ष्मण प्रसाद सिंह के चार बच्चों में सबसे छोटा पुत्र दिव्यांशु शांडिल्य ने यूपीएससी की परीक्षा में 1008 रैंक लाकर तीनों ने मिलकर बेगूसराय जिला का नाम न सिर्फ बिहार में बल्कि पूरे देश में रौशन किया है. यूपीएससी सिविल सेवा 2024 की परीक्षा में सफलता हासिल करने वाली बेगूसराय गढ़पुरा प्रखंड के मालपुर गांव की कौन है साक्षी कुमारी जानें यूपीएससी सिविल सेवा की परीक्षा में 86 वां रैंक लाकर साक्षी कुमारी ने अपने गांव, जिला, राज्य और देश का नाम रोशन किया है. साक्षी कुमारी एक साधारण परिवार की बेटी है. जिसके पिता योगेंद्र पाठक ने पूजा पाठ कराकर अपने पुत्री को देश के सबसे कठिन परीक्षा में सफलता दिलवाने में अहम भूमिका अदा की है. बेटी साक्षी की प्रारंभिक शिक्षा और माध्यमिक शिक्षा की पढ़ाई भी गांव के सरकारी स्कूल से हुई है. उन्होंने मध्य विद्यालय मोरतर गांव के सरकारी स्कूल से 8 वीं की परीक्षा पास की तथा गांव के पास के ही डा. लोहिया हाई स्कूल मोरतर स्कूल से वर्ष 2016 में मैट्रिक की परीक्षा प्रथम श्रेणी से पास की. 2018 में सोने सत्तन इंटर महाविद्यालय राजोपुर से द्वितीय श्रेणी से इंटर की परीक्षा पास की. उसके बाद विमेंस कॉलेज समस्तीपुर से 2021 में पोस्ट ग्रेजुएट की परीक्षा पास की. समस्तीपुर

कॉलेज से पीजी की परीक्षा दी है. जिसका रिजल्ट नहीं निकला है. साक्षी कुमारी ने बताया कि मैने प्रथम प्रयास में 68 वीं बीपीएससी की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद सहायक आपदा प्रबंधन अधिकारी बनी थी. उसके बाद शैक्षणिक अवकाश लेकर लगातार हमने अपनी तैयारी में लगी रही और 69वीं बीपीएससी की परीक्षा में सफलता हासिल की. अभी वो पटना में डिप्टी कलेक्टर का प्रशिक्षण ले रही है, साथ ही उन्होंने भारतीय आर्थिक सेवा में भी सफलता हासिल की थी. साक्षी कुमारी ने यूपीएससी की परीक्षा यह प्रथम प्रयास में ही 68 वां रैंक लाकर अपने जिले का नाम रौशन किया है. साक्षी का परिवार एक छोटा सा पुजारी पंडित है. जिससे परिवार का भरण पोषण होता था. इसी की वजह से साक्षी कुमारी कहीं घर से बाहर रहकर तैयारी नहीं कर सकी. बेटी साक्षी ने कठिन मेहनत और पूरी लगन से घर पर रहकर ऑनलाइन के माध्यम से पढ़ाई कर बीपीएससी से लेकर यूपीएससी की परीक्षा में सफलता हासिल की. दूसरा बेगूसराय के यूपीएससी की परीक्षा में सफल होने वाले छात्र बछवाड़ा प्रखंड के चमथा पंचायत -01 छोटखुट गांव निवासी अंजनी सिंह के पुत्र अभिषेक कुमार है. इन्होंने अपने दूसरे प्रयास में यूपीएससी सिविल सेवा की परीक्षा में 87वां रैंक लाकर अपने दियारा क्षेत्र का नाम जिला में रौशन किया. अंजनी सिंह का पुत्र अभिषेक कुमार ने देश के सबसे कठिन परीक्षा में सफलता हासिल किया है. इनके पिता अंजनी सिंह और मां सोना देवी अपने पुत्र के साथ गुजरात में रहकर कारोबार करने के साथ अपने बच्चों की पढ़ाई लिखाई करवाया.वहीं तीसरा छात्र यूपीएससी की परीक्षा में 1008 रैंक लाने वाले तेघड़ा प्रखंड के बरौनी गांव निवासी आईपीएस लक्ष्मण प्रसाद सिंह के छोटे पुत्र हैं दिव्यांशु शांडिल्य है. इन्होंने कठिन मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई कर यूपीएससी की परीक्षा में सफलता हासिल की. दिव्यांशु की मां कॉलेज ऑफ कॉमर्स में प्रो. लक्ष्मी सिंह, वहीं बहन डॉक्टर रिमझिम और बहनोई भी डॉक्टर उज्जवल है. एक बहनोई इनके विजय कुमार इनकम टैक्स में जॉइंट कमिश्नर है, तो दूसरे बहनोई इंद्रजीत भी आईपीएस अधिकारी है. इनके अपने चचेरे भाई प्रवीण शेखर है, जो कि अभी बेगूसराय जिला परिषद के सदस्य है. ये सभी लोगों ने मिलकर उनके सफलता हासिल करने पर बधाई दी है.

बेगूसराय जिला के नये प्रभारी मंत्री बने संजय सरावगी

बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : बेगूसराय जिला के नये प्रभारी मंत्री बीजेपी के वरिष्ठ नेता सह बिहार सरकार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी को बनाया गया है. संजय सरावगी वर्तमान में लगातार 2005 से अभी तक दरभंगा सदर विधानसभा क्षेत्र से जीतते आ रहे है. वर्तमान में दरभंगा सदर क्षेत्र से बीजेपी के विधायक भी है. संजय सरावगी दरभंगा और मिथिला क्षेत्र में बीजेपी के चर्चित एवं पुराने चेहरा है. दरभंगा सदर विधानसभा क्षेत्र से लगातार यह पांचवीं बार के चुनाव जीत रहे है. मालूम हो कि संजय सरावगी दरभंगा सदर विधानसभा क्षेत्र से पहली बार बीजेपी के टिकट पर 2005 में चुनाव जीतकर विधायक बने थे. इनका जन्म 18 अगस्त 1969 ई. को हुआ है. इनके पिता का नाम परमेश्वर सरावगी है.इनकी शिक्षा एमकॉम और एमबीए है. उन्होंने छात्र जीवन से ही राजनीति की शुरुआत की और भाजपा के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) का हिस्सा रहे है. 1995 में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी. उन्होंने भाजपा के टिकट पर लगातार दरभंगा सदर से 2005 के मार्च में, 2005 के नवंबर में, 2010, 2015 और 2020 में चुनाव जीतकर विधायक बने है.

अवैध शराब के ठेके को बंद करवाने महिलाओं पर हुआ हमला

जलपाईगुड़ी : जलपाईगुड़ी सदर ब्लॉक के विवेकानंद पल्ली इलाके में शराब की दुकान चल रही है. इस इलाके में स्कूल और कॉलेज है. स्थानीय महिलाओं ने जब ठेके को बंद करवाने के लिए पहुंची तो असामाजिक तत्वों के एक समूह ने महिलाओं हमला कर दिया, विवेकानंद पल्ली इलाके में घटी इस सनसनीखेज घटना से तनाव का माहौल बना हुआ हैस्थानीय ग्राम पंचायत सदस्यों सहित क्षेत्र के निवासियों ने इस मामले के संबंध में जलपाईगुड़ी कोतवाली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है. उन्होंने आरोप लगाया कि इस इलाके के एक घर में लंबे समय से शराब बेची जा रही थी. बार-बार बोलने के बावजूद शराब पर प्रतिबंध नहीं हटाया गया .

न्यूज कॉर्नर

केदार गुप्ता को प्रभारी मंत्री सह कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति का अध्यक्ष बनाया गया

आरा(युवा शक्ति/ब्यूरो) : भारतीय जनता पार्टी भोजपुर ने बिहार सरकार के मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता को जिले के प्रभारी मंत्री सह कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति भोजपुर का अध्यक्ष बनाए जाने हर्ष व्यक्त किया है जिलाध्यक्ष सह जिला उपाध्यक्ष कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति भोजपुर दुर्गा राज ने कहा कि श्री गुप्ता के प्रभारी मंत्री सह अध्यक्ष कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति भोजपुर बनने से कार्यकर्ताओं में खुशी का माहौल है उन्होंने ने कहा कि जिले और प्रखंडों में गठित कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति प्रभावी ढंग से आम जनता की समस्याओं को निराकरण हेतु कार्य करेंगी और आम जनता और सरकार के बीच भी सेतु बनने का कार्य करेंगे लोग सरकारी और कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित होंगे. पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने भी हर्ष व्यक्त किया है.

बीआर सिंह में विश्व मलेरिया दिवस मना

कोलकाता : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, सियालदह डिवीजन द्वारा आज बीआर सिंह अस्पताल के ओपीडी परिसर में विश्व मलेरिया दिवस 2025 बड़े उत्साह और भव्यता के साथ मनाया गया. इस कार्यक्रम में बीआर सिंह अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. सुभाशीष दास और सियालदह की मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कल्पना मंडल की उपस्थिति रहीं.स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सियालदह की अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. मंदिरा बनर्जी ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और इस वर्ष की थीम मलेरिया हमारे साथ समाप्त होता है: पुनर्निवेश, पुनर्कल्पना, पुनर्जीवन पर विस्तार से चर्चा की. उन्होंने मलेरिया से निपटने में शीघ्र निदान, समय पर उपचार और निवारक उपायों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला.इस सत्र में डॉ. जयीता बंद्योपाध्याय, वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी (प्रशासन), डॉ. सायंतन साहा, वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी (बाल रोग) और डॉ. नवेन्दु जना, मंडल चिकित्सा अधिकारी (न्यूरोलॉजी) ने जानकारीपूर्ण चर्चा की, जिन्होंने सामूहिक रूप से रोग के निवारक और उपचारात्मक पहलुओं पर चर्चा की. उन्होंने संक्रमण चक्र को तोड़ने, कट्टरपंथी उपचार रणनीतियों को अपनाने और विवैक्स और फाल्सीपेरम मलेरिया, विशेष रूप से सेरेब्रल मलेरिया से उत्पन्न होने वाली जटिलताओं के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता पर बल दिया. कार्यक्रम में भाग लेने वाले रेलवे लाभार्थियों के बीच स्थानीय भाषाओं में जागरूकता पत्रक वितरित किए गए, जिससे जागरूकता और निवारक प्रथाओं को बढ़ावा मिला.कार्यक्रम का समापन डॉ. कल्पना मंडल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/सियालदह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने सभी से मलेरिया मुक्त राष्ट्र प्राप्त करने में मदद करने के लिए अपने आस-पास के छोटे,लगातार प्रयासों के माध्यम से योगदान करने का आग्रह किया.

कूचबिहार बार एसोसिएशन ने शुरू किया पेन डाउन आंदोलन, अदालती कामकाज हुआ ठप

कूचबिहार : कूचबिहार जिला सत्र न्यायालय में सरकारी लोक अभियोजक (पब्लिक प्रॉसिक्यूटर) द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पेन डाउन आंदोलन के विषय में जानकारी दी गई. सरकारी लोक अभियोजक (पब्लिक प्रॉसिक्यूटर) के सदस्यों ने बताया कि सरकारी लोक अभियोजक पिछले कुछ महीनों से काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें वह पैसा नहीं मिल रहा है जिसके वे हकदार हैं. इस मामले की जानकारी बार-बार जिलाशासक को दी गई है. लेकिन कुछ भी काम नहीं आया. इसलिए उन्हें मजबूर होकर आज पूरे मामले की जानकारी बार एसोसिएशन को देनी पड़ी. इसके बाद कूचबिहार बार एसोसिएशन ने आज हड़ताल कर काम स्थगित रखने का निर्णय लिया.

बरौनी रिफाइनरी का दौरा कर निदेशक रिफाइनरीज ने किया प्रगति की समीक्षा

बेगूसराय (युवा शक्ति ब्यूरो) : निदेशक (रिफाइनरीज) अरविंद कुमार ने दिनांक 24-25 अप्रैल 2025 को बरौनी रिफाइनरी का दौरा किया और बीआर-09 परियोजना की प्रगति की समीक्षा की.अरविंद कुमार का स्वागत कार्यकारी निदेशक एवं रिफाइनरी प्रमुख सत्य प्रकाश, कार्यकारी निदेशक (परियोजना एवं कोर ग्रुप)संजय रायजादा, कार्यकारी निदेशक (परियोजना) रिफाइनरी मुख्यालय श्री जयदीप चौधरी सहित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया. दौरे का प्रमुख आकर्षण एवीयू-खखख यूनिट के लिये इन-हाउस विकसित डिजिटल ट्विन एवं रियल-टाइम ऑप्टिमाइजर का शुभारंभ था. यह इंडियन ऑयल की रिफाइनरियों में रियल-टाइम ऑप्टिमाइजर का पहला कार्यान्वयन है. इसे एडवांस्ड प्रोसेस कंट्रोल (एपीसी) के साथ एकीकृत किया गया है, जिसमें मॉडल-आधारित गुणवत्ता परिणामों को नियंत्रित मानदंड के रूप में उपयोग किया जा रहा है . यह पहल रिफाइनरी

की संचालन क्षमता, सुरक्षा और सकल रिफाइनिंग मार्जिन (जीआरएम) में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिये बनाई गई है.बीआर-09 परियोजना की समीक्षा के दौरान, जिसमें महत्वपूर्ण पैकेजों के पी.एम.सी. शामिल थे, श्री कुमार ने इसे राष्ट्रीय महत्व की परियोजना बताते हुये गुणवत्ता पूर्ण और समयबद्ध निष्पादन पर बल दिया. उन्होंने विशेष रूप से युवा अधिकारियों को जिज्ञासु और सक्रिय बने रहने के लिये प्रेरित किया. उन्होंने पीएसएम एवं रिलेबिलिटी एंड टर्नअराउंड जैसे नवस्थापित विभागों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुये अनुभवी अधिकारियों से आह्वान किया कि वह इन प्रणालियों को मजबूत बनाने में सक्रिय योगदान दें, जिससे संयंत्रों की विश्वसनीयता में वृद्धि हो और जोखिमों की बेहतर पहचान के माध्यम से शून्य दुर्घटनाओं का लक्ष्य हासिल किया जा सके. बैठक में परिचालन उत्कृष्टता, सुरक्षा मानकों और रणनीतिक पहलों पर चर्चा की गई.

तृणमूल पार्षद हत्या मामले में मुख्य आरोपियों में से एक कृष्णा रजक गिरफ्तार

मालदा : तृणमूल पार्षद बबला सरकार की हत्या के मुख्य आरोपियों में से एक मुख्य कृष्णा रजक को पुलिस ने अंततः पकड़ लिया है . सूत्रों के अनुसार बिहार और मालदा जिला पुलिस ने उसे बिहार से गिरफ्तार किया है. कृष्णा रजक को बबला सरकार की हत्या के लगभग चार महीने बाद गिरफ्तार किया गया था. दो जनवरी को बबला सरकार की हत्या के बाद जिला पुलिस ने कृष्णा रजक और बबलू रजक की तलाश के लिए सोशल मीडिया पर पोस्टर के जरिए दो लाख रुपये इनाम घोषित किया था. अंततः कृष्णा रजक पुलिस के शिकंजे में है, लेकिन बबलू यादव अभी भी फरार है. इस बीच, सवाल यह उठने लगा है कि क्या कृष्णा रजक की गिरफ्तारी से हत्या की असली वजह और मकसद सामने आ पाएगा. बताया जा रहा है कि कृष्णा राज को आज मालदा जिला न्यायालय में पेश किया जाएगा.

तेंदुआ देखे जाने के दावे से फैला आतंक

जलपाईगुड़ी : इस बार जलपाईगुड़ी शहर में तेंदुए का आतंक देखने को मिल है. गुरुवार आधी रात के आसपास, क्षेत्र जलपाईगुड़ी शहर के वेस्ट कांग्रेस पाड़ा के निवासी शुभंकर बानिक ने दावा किया कि उन्होंने एक तेंदुए को दीवार फांदकर अपने घर के सामने से भागते हुए देखा.उसी रात उन्होंने पुलिस स्टेशन और वन विभाग को फोन करके मामले की सूचना दी. उस व्यक्ति का दावा है कि उसने पहले भी कई बार जंगल के रास्तों पर तेंदुए देखे हैं. परिणामस्वरूप, उन्हें यकीन है कि गुरुवार की रात को उन्होंने जो जानवर देखा वह तेंदुआ था.उनके इस दावे से इलाके में दहशत फैल गई है, क्योंकि कुछ दिन पहले जलपाईगुड़ी सदर ब्लॉक के भांडीगुड़ी स्थित एक चाय बागान पर तेंदुए ने हमला कर दिया था. इस घटना में एक श्रमिक गंभीर रूप से घायल हो गया.

पांच दिवसीय श्री कृष्ण लीला का हुआ समापन

युवा शक्ति/ब्यूरो

आरा : शहर के रामलीला मैदान में चल रहे पांच दिवसीय डिजिटल श्री कृष्ण लीला का शुक्रवार को समापन हो गया. इसके पूर्व मां वैष्णवी कला मंच मुरादाबाद के कलाकारों ने दमदार प्रस्तुति दी. श्री कृष्ण लीला समिति के तत्वावधान में आयोजित श्री कृष्ण लीला के पांचवें दिन का शुभारंभ गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना के साथ आरती व पूजन कर किया गया. इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन पद्मश्री भीम सिंह 'भवेश', महापौर इंदु देवी, डॉ.एस के रुंगटा, डा. सीपी जैन, प्रेम पंकज उर्फ ललन, महासचिव आदित्य विजय जैन आदि ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर पद्मश्री डॉ. भीम सिंह 'भवेश' व अन्य अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया. स्वागत आलोक अंजन, संचालन पर्यावरण प्रेमी आनंद कुमार और धन्यवाद ज्ञापन सचिव राजीव रंजन ने किया. इसके बाद वैष्णवी कला मंच मुरादाबाद के कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. आज पांचवें दिन श्रीकृष्ण लीला के दौरान केवट उद्धार, आरण्य देवी, कंस दरबार, कृष्ण वियोग, कृष्णा उद्धार, कंस

वध की जीवंत प्रस्तुति देकर श्रद्धालु भक्तों की तालियां बटोरी. आरण्य देवी की प्रस्तुति के दौरान भक्त झूम उठे. इसके बाद कलाकारों ने ओम जय जगदीश हरे...., मेरे सांवरे की कोठी....., श्याम पगली......, घुमा दे मोर छड़ी....., हाथ जोड़ विनती करूं....., मंगला के भोगी...., लो संभालो भोले... जिसके साथ भोलेनाथ...., मोर भंगिया के....., भोला घूम मचावें....., महादेव धड़क रहे सीने में...., हल्दी काली.....भक्ति गीतों पर दमदार प्रस्तुति देकर श्रद्धालु-भक्तों को खूब झुमाया. इस दौरान श्रद्धालु-भक्तों ने जमकर नृत्य किया. छोटे-छोटे बच्चे अपने अभिभावक के संग श्री कृष्ण लीला को देखने पहुंचे और जमकर तालियां बजाई. अध्यक्ष प्रेम पंकज उर्फ ललन ने बताया कि पांच दिवसीय डिजिटल श्री कृष्ण लीला में प्रतिदिन भारी संख्या में श्रद्धालु-भक्तो की भीड़ उमड़ रही. लोगों ने पूरे मनोभाव के साथ डिजिटल श्रीकृष्ण लीला का आनंद उठाया. इस दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े सैकड़ों लोगों को सम्मानित किया गया. उन्होंने कमेटी के संरक्षक मंडल, सलाहकार मंडल, पदाधिकारी व सदस्यों का अभार प्रकट किया, जिनके सार्थक सहयोग से यह कार्यक्रम सफल हो पाया. उन्होंने कहा कि अगले साल और भव्य तरीके से डिजिटल कृष्ण लीला का आयोजन किया जाएगा.

कविता से सज उठा मगध विश्वविद्यालय का राधाकृष्णन सभागार

दिनकर जयंती पर भावांजलि के रूप में कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन

युवाशक्ति न्यूज

पटना/गया: राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की जयंती के पावन अवसर पर मगध विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा राधाकृष्णन सभागार में एक भव्य कवितांजलि कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया.

इस अवसर पर कवियों की ओजस्वी वाणी और भावपूर्ण कविताओं ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया.

कार्यक्रम की शुरुआत देश की सुरक्षा और एकता के प्रतीक के रूप में मौन श्रद्धांजलि से हुई,

जिसमें कश्मीर के पहलगाम में हालिया आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों और निर्दोष पर्यटकों के प्रति संवेदना प्रकट की गई.

मुख्य अतिथि के रूप में कुलपति प्रो एसपी शाही ने दीप प्रज्वलन कर

सम्मेलन का उद्घाटन किया.इस अवसर पर कुलसचिव प्रो विपिन कुमार सहित विश्वविद्यालय के कई वरिष्ठ पदाधिकारीगण उपस्थित रहे.

कवियों की टोली में मुंबई से पवन तिवारी,प्रबुद्ध सौरभ, उन्नाव से स्वयं श्रीवास्तव,पुणे से विनीत शंकर,पटना से उत्कर्ष आनंद,गोपालगंज से सान्या राय तथा दिल्ली से मुरारी मंडल माधव ने अपनी ओजपूर्ण,श्रृंगारिक एवं राष्ट्रप्रेम से ओतप्रोत रचनाओं से सभा को मंत्रमुग्ध कर दिया.

इस आयोजन में आईक्यूएसी एवं दिव्य दिनकर संस्थान की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही,जिसके समन्वयक सतीश शर्मा जी रहे.साथ ही महाविद्यालय निरीक्षक प्रो.दीपक कुमार, कुलानुशासक प्रो. उपेन्द्र कुमार, शिक्षकों,कर्मचारियों, शोधार्थियों तथा विद्यार्थियों की भारी उपस्थिति ने सम्मेलन को सफल और अविस्मरणीय बना दिया.

श्रोताओं ने कवियों की प्रस्तुतियों को बड़े ही ध्यान और सराहना के साथ सुना और रचनाओं की विविध छवियों में दिनकर जी की अमर काव्य-परंपरा की झलक महसूस की.अंत में सभी वक्ताओं और श्रोताओं की ओर से एक स्वर में यह मांग उठी कि राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' जी को भारत रत्न प्रदान कर राष्ट्र उनकी अनुपम साहित्यिक साधना को यथोचित सम्मान दे.

रेलवे न्यूज

पूर्व रेलवे ने 2024-25 में शानदार वित्तीय उपलब्धि हासिल की

कोलकाता : पूर्व रेलवे ने हाल ही में संपन्न वित्तीय वर्ष 2024-25 में उल्लेखनीय वित्तीय प्रदर्शन दर्ज किया है, जो बुनियादी ढांचे के विकास, कुशल संसाधन उपयोग और मजबूत वित्तीय अनुशासन के प्रति इसकी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है.इस वर्ष की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में उल्लेखनीय वृद्धि थी, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग 20% की वृद्धि को दर्शाता है. वित्त वर्ष 2024-25 के लिए पूंजीगत व्यय4,452 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 में यह 3,725 करोड़ रुपये था. यह पर्याप्त निवेश पूर्व रेलवे के व्यापक बुनियादी ढांचे के उन्नयन और अपने नेटवर्क में विकास परियोजनाओं के सफल निष्पादन के प्रति समर्पण को दर्शाता है.पूर्व रेलवे ने भी आय में प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की. कुल आरंभिक आय में 17% की वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2024-25 में 14,273 करोड़ रुपये तक पहुँच गई, जो पिछले वर्ष 12,207 करोड़ रुपये थी. यह मज़बूत प्रदर्शन बढ़ी हुई माल ढुलाई और यात्री सेवा क्षमताओं, बेहतर ग्राहक पहुँच और परिचालन दक्षता का संकेत है. इसके अलावा, विविध आय, जो सहायक राजस्व स्रोतों का एक प्रमुख संकेतक - में रिकॉर्ड तोड़ 34% की वृद्धि देखी गई. इस श्रेणी में आय वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़कर629 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 470 करोड़ रुपये थी, जो गैर-मुख्य परिसंपत्तियों के सफल मुद्रीकरण और नवोन्मेषी राजस्व-सृजन उपायों को दर्शाती है.विशेष रूप से उल्लेखनीय उपलब्धि 2024-25 के दौरान पिछले दशक में सबसे कम परिचालन अनुपात की उपलब्धि थी,जो पूर्व रेलवे की सशक्त वित्तीय प्रबंधन क्षमता और वित्तीय अनुशासन के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है. यह उपलब्धि रेलवे की लागत दक्षता के साथ विकास को संतुलित करने की क्षमता को उजागर करती है. पूर्व रेलवे वित्तीय प्रबंधन के उच्च मानकों को बनाए रखते हुए बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने, सेवा वितरण में सुधार करने और यात्री और माल ढुलाई के अनुभवों को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है.

एम-यूटीएस की शुरुआत से अनारक्षित टिकटिंग को मिलेगी मजबूती

कोलकाता : रेल मंत्रालय द्वारा किए गए प्रावधान के अनुसार, हावड़ा डिवीजन,पूर्व रेलवे ने आधुनिकीकरण और यात्री सुविधा को बढ़ाने की दिशा में एक कदम के रूप में हावड़ा स्टेशन पर मोबाइल अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम (एम-यूटीएस) सेवाएं शुरू की हैं.एम-यूटीएस एक उन्नत हैंडहेल्ड यूटीएस (अनारक्षित टिकटिंग सिस्टम) डिवाइस है जिसे अनारक्षित टिकटिंग संचालन में अधिकतम पोर्टेबिलिटी और लचीलापन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. यह नई प्रणाली रेलवे कर्मचारियों को लगभग किसी भी स्थान से अनारक्षित टिकट जारी करने का अधिकार देती है, जिससे निश्चित काउंटरों पर भीड़भाड़ खत्म हो जाती है और यात्रियों को एक सहज, त्वरित और परेशानी मुक्त टिकटिंग अनुभव मिलता है.25 अप्रैल को हावड़ा स्टेशन के मेट्रो एंट्री गेट पर एम-यूटीएस सेवाएं शुरू की जा रही हैं, जो शहरी परिवहन को मेनलाइन रेल सेवाओं के साथ एकीकृत करेंगी और यात्रियों के लिए अंतिम-मील कनेक्टिविटी को बढ़ाएगी. यात्रियों को इस नई शुरू की गई सुविधा का लाभ उठाने और अपनी उंगलियों पर आधुनिक, कुशल और उपयोगकर्ता के अनुकूल अनारक्षित टिकटिंग अनुभव का आनंद लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है. हावड़ा डिवीजन, पूर्व रेलवे यात्री सुविधाओं में सुधार और सभी के लिए सुगम, अधिक सुलभ यात्रा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है.

चोरी के सिलसिले में एक और गिरफ्तार

सिलीगुड़ी : सिलीगुड़ी नगर निगम के 34 वार्ड भक्तिनगर इलाके में दुस्साहसिक चोरी के सिलसिले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है. नकदी सहित चोरी का सामान बरामद गया है. 15 अप्रैल को चोरों के एक गिरोह ने नगर पालिका के भक्तिनगर इलाके में खुली खिड़की से डंडा घुसा पहले घर दरवाजा खोल लिया और परिवार के सदस्यों पर नशीला पदार्थों का स्प्रे कर बेहोश कर दिया. इसके बाद चोर 80 हजार नकदी और लाखों रुपये के जेवरात लेकर फरार हो गए.

न्यूज कॉर्नर

जगन्नाथ मंदिर उद्घाटन को लेकर दीघा में चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी रहेंगी मौजूद

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के समुद्रतटीय पर्यटन स्थल दीघा में आगामी 28 अप्रैल से शुरू हो रहे तीन दिवसीय जगन्नाथ मंदिर उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं. यह मंदिर ओडिशा के प्रतिष्ठित पुरी श्री जगन्नाथ मंदिर की तर्ज पर निर्मित किया गया है. मुख्यमंत्री ममता बनर्जी 30 अप्रैल को अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर मंदिर के उद्घाटन समारोह में शामिल होंगी. वे 28 अप्रैल को कोलकाता से दीघा पहुंचेंगी. 29 अप्रैल को मंदिर परिसर में विशेष महायज्ञ का आयोजन होगा. पूर्व मेदिनीपुर के पुलिस अधीक्षक सौम्यदीप भट्टाचार्य के अनुसार, पूरे तीन दिनों के लिए लगभग दो हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की जा रही है. इसके अलावा सादे कपड़ों में विशेष सुरक्षा बल और पुलिसकर्मी मंदिर परिसर समेत दीघा के अन्य प्रमुख स्थानों पर तैनात किए जाएंगे. ड्रोन से निगरानी और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था भी की गई है. खासकर 30 अप्रैल को जब मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल होंगी, तब सुरक्षा के सभी उपाय और भी अधिक सक्रिय रहेंगे. इसके अलावा, प्रवेश और निकासी मार्गों पर वाहनों की गहन जांच की जा रही है. हर आने-जाने वाले वाहन की तलाशी ली जा रही है ताकि कोई भी संदिग्ध गतिविधि रोकी जा सके. मंदिर परिसर में विशेष रूप से प्रशिक्षित सशस्त्र कमांडो भी मौजूद रहेंगे. इस बीच मंदिर के नामकरण को लेकर राजनीतिक विवाद भी सामने आया है. विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से यह स्पष्ट करने की मांग की है कि मंदिर का नाम 'श्री जगन्नाथ मंदिर' की बजाय 'जगन्नाथ धाम सांस्कृतिक केंद्र' क्यों रखा गया. उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि सभी सरकारी दस्तावेजों में मंदिर का नाम बदलकर 'श्री जगन्नाथ मंदिर' किया जाए और इस संबंध में तुरंत निर्देश जारी किए जाएं.

बंगाल भर्ती घोटाला : ड्यूटी जॉइन किए बिना वेतन पा रहे थे अयोग्य उम्मीदवार, शिक्षा विभाग में मचा हड़कंप

कोलकाताः पश्चिम बंगाल में शिक्षक और गैर-शिक्षक पदों पर हुई कथित भ्रष्टाचारपूर्ण भर्ती को लेकर एक और बड़ा खुलासा हुआ है. अब यह सामने आया है कि राज्य सरकार के स्कूलों में नियुक्त हुए कुछ 'अयोग्य' उम्मीदवारों ने ड्यूटी जॉइन किए बिना ही वर्षों तक वेतन प्राप्त किया. यह मामला स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) द्वारा पहले ही 'अयोग्य' के रूप में चिह्नित किए गए उम्मीदवारों से जुड़ा है. शिक्षा विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, इन उम्मीदवारों को 'ग़ैर-जॉइनिंग' की श्रेणी में रखा गया था. यानी उन्हें नियुक्ति तो दी गई, लेकिन उन्होंने सेवा ग्रहण नहीं की. इसके बावजूद, उन्होंने वर्षों तक वेतन उठाया -जिससे विभाग में गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं. राज्य शिक्षा विभाग के सूत्रों ने बताया कि यह संभव है कि कई उम्मीदवारों ने वास्तव में कार्यभार ग्रहण कर लिया था, लेकिन उनका रिकॉर्ड समय पर अपडेट नहीं किया गया. एक अधिकारी ने कहा, डब्ल्यूबीएसएससी और शिक्षा विभाग इस मामले की जांच कर रहे हैं. हालांकि, इन उम्मीदवारों की वास्तविक संख्या अब तक सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन विभाग के भीतर इसे लेकर भारी चिंता और असंतोष है. राज्य की विपक्षी पार्टियों ने इस खुलासे को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल-नियुक्तियों के हर स्तर पर भ्रष्टाचार फैला हुआ है, और यह नया मामला उसी भ्रष्ट व्यवस्था का हिस्सा है. उच्चतम न्यायालय द्वारा इस महीने की शुरुआत में दिए गए आदेश के बाद, डब्ल्यूबीएसएससी की 2016 की नियुक्ति सूची से 25 हजार 753 उम्मीदवारों की नियुक्ति रद्द कर दी गई थी. इसके बाद से 'वास्तविक' और 'दागी' दोनों श्रेणियों के उम्मीदवारों द्वारा डब्ल्यूबीएसएससी कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन तेज़ हो गया है.

बंगाल के तीन जिलों में लू की चेतावनी

कोलकाताः बंगाल में वैशाख महीने में ही भीषण गर्मी ने लोगों का हाल बेहाल कर दिया है. सुबह-सुबह सड़कों पर निकलते ही आम लोगों को पसीने से तरबतर होना पड़ रहा है. इस बीच मौसम विभाग ने राज्य के तीन जिलों में लू चलने की चेतावनी जारी की है. जानकारी के अनुसार, यह असहज करने वाली स्थिति शनिवार तक बनी रह सकती है. हालांकि रविवार से मौसम में बदलाव के आसार जताए गए हैं. मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण बंगाल में फिलहाल अत्यधिक गर्म और उमस भरा मौसम बना हुआ है. शनिवार तक राज्य के अधिकतर हिस्सों में यह स्थिति बनी रहेगी. पश्चिम बर्धमान, बांकुड़ा और बीरभूम जिलों में लू चलने की पूरी संभावना है. इसके अलावा मालदा जिले में भी तापमान 40 डिग्री से ऊपर जाने का अनुमान है. कोलकाता समेत दक्षिण बंगाल के अन्य हिस्सों में भी भीषण गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर रही है. हालांकि राहत की बात यह है कि शनिवार शाम से पश्चिम बंगाल के कुछ पश्चिमी जिलों में आंधी-बारिश की शुरुआत हो सकती है. मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार से बंगाल के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है. उत्तर बंगाल की बात करें तो यहां भी मालदा जिले में लू की स्थिति बन रही है. उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी और उमस महसूस की जा रही है. वहीं, दार्जिलिंग और इसके आसपास के पहाड़ी जिलों में गरज के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है. रविवार से उत्तर बंगाल में भी मौसम बदलने के संकेत मिल रहे हैं. सप्ताहांत में बंगाल के कई हिस्सों में तेज आंधी और बिजली के साथ बारिश हो सकती है. मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, उत्तर बांग्लादेश से उत्तर ओडिशा तक बने निम्न दाब क्षेत्र और चक्रवातीय परिसंचरण के प्रभाव से गंगा तटीय-पश्चिम बंगाल में मौसमी बदलाव आने वाला है. इसका असर रविवार से बुधवार तक दिख सकता है.

शिक्षकों ने एसएससी भवन के सामने आंदोलन किया स्थगित, शहीद मीनार पर धरना जारी

कोलकाताः पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) मुख्यालय का पिछले पांच दिन से घेराव कर रहे प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने पात्र उम्मीदवारों की सूची प्रकाशित किए जाने के बाद शुक्रवार को अपना आंदोलन अस्थायी रूप से स्थगित करने और अपने विद्यालयों में लौटने का फैसला किया. 'योग्य शिक्षक मंच' के एक नेता ने कहा कि यह कदम डब्ल्यूबीएसएससी द्वारा लगभग 16,000 पात्र शिक्षकों की सूची जारी करने के बाद उठाया गया है. मंच के नेता धृतिश मंडल ने कहा, हम एसएससी मुख्यालय के समक्ष धरना आज से वापस ले रहे हैं. हमारा विरोध मध्य कोलकाता में शहीद मीनार पर जारी रहेगा. उन्होंने कहा कि मंच 2016 एसएससी परीक्षा के बाद भर्ती किए गए लगभग 26,000 शिक्षकों की नौकरियों को अमान्य करने वाले तीन अप्रैल के आदेश के संबंध में उच्चतम न्यायालय में दायर की जाने वाली पुनरीक्षण याचिका पर ध्यान केंद्रित कर रहा है. उन्होंने कहा, यहां पूरे दिन खुले में बैठने से हमारे लिए कानूनी विशेषज्ञों से परामर्श करके याचिका तैयार करना मुश्किल हो जाएगा. हालांकि, शहीद मीनार पर धरना तब तक जारी रहेगा जब तक पात्र शिक्षकों को बहाल नहीं कर दिया जाता. एक अन्य शिक्षक शुभंकर घोष ने कहा कि डब्ल्यूबीएसएससी द्वारा जारी सूची में 10 और शिक्षकों के नाम शामिल करने जैसी मांगों को लेकर विरोध जारी रहेगा. एसएससी के अध्यक्ष सिद्धार्थ मजूमदार ने 10 नामों के छूट जाने को तकनीकी त्रुटि बताया था और नयी सूची जारी करने का वादा किया था. एक प्रदर्शनकारी शिक्षक ने कहा, हालांकि सूची जारी कर दी गई है, भले ही वह अधूरी है और जिन शिक्षकों के नाम सूची में हैं, उनका अभी स्कूल लौट जाना समझदारी है. उच्चतम न्यायालय भी स्थिति पर नजर रख रहा है. हम अपनी शेष मांगों को लेकर गर्मी की छुट्टियों के दौरान अपना आंदोलन फिर से शुरू करेंगे. इनमें 60 वर्ष की आयु तक बहाली और पात्र उम्मीदवारों की पूरी सूची प्रकाशित करने की मांग शामिल हैं. शिक्षकों ने 21 अप्रैल को धरना शुरू किया था, जिसमें सेवानिवृत्ति की आयु तक स्कूलों में बहाली और 2016 एसएससी भर्ती में 'दागी' पाए गए उम्मीदवारों को तत्काल हटाने की मांग की गई थी.

कोलकाता में रह रहे 30 पाकिस्तानी नागरिक खुफिया एजेंसियों के रडार पर

कोलकाताः पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हो गई हैं. इसी क्रम में कोलकाता में लॉन्ग टर्म वीज़ा (एलटीवी) पर रह रहे 30 पाकिस्तानी नागरिकों की गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है. इनमें से अधिकांश महिलाएं हैं, जो कोलकाता के स्थानीय वासियों से विवाह कर चुकी हैं. खुफिया विभाग के सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में 30 पाकिस्तानी नागरिक कोलकाता में एलटीवी के तहत रह रहे हैं. यह वीजा उन पाकिस्तानी नागरिकों को दिया जाता है, जो भारत में विवाह के उपरांत यहां बसते हैं. शुरुआत में पांच वर्ष का वीजा दिया जाता है, जिसके बाद उसे एक या दो वर्षों की अवधि में नवीनीकृत कराना होता है. हर बार वीजा नवीनीकरण से पहले खुफिया जांच अनिवार्य होती है. पहलगाम आतंकी हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने कोलकाता के इन पाकिस्तानी नागरिकों की रोजमर्रा की गतिविधियों और संपर्कों पर पैनी नजर रखनी शुरू कर दी है. खासकर यह पता लगाया जा रहा है कि ये लोग किन लोगों से संपर्क में हैं और क्या उनके भारतीय नागरिकों के साथ रिश्ते सिर्फ पारिवारिक हैं या इसमें कुछ और उद्देश्य छिपा है. खुफिया विभाग को जानकारी मिली है कि इन पाकिस्तानी महिलाओं का अपने मायके पक्ष से नियमित संवाद होता है. हालांकि यह संवाद सामान्य पारिवारिक माना जा सकता है, लेकिन एजेंसियों ने अब यह भी जांच शुरू की हैं कि क्या इन संबंधों के माध्यम से भारत में रह रहे अन्य लोग भी पाकिस्तान के संपर्क में तो नहीं आ रहे. अगर ऐसा है तो इसका उद्देश्य क्या है, यही जानने के लिए निगरानी तेज कर दी गई है. उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार की सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने बुधवार को सार्क वीजा योजना के तहत दिए गए वीजा रद्द कर दिए थे. इसके अगले दिन गुरुवार को केंद्र सरकार ने पाकिस्तानियों को दिए गए सभी वीजा रद्द कर दिए और उनसे जल्द से जल्द पाकिस्तान लौटने के लिए कहा है. हालांकि, अभी तक कोलकाता में ऐसे किसी पाकिस्तानी नागरिक की पुष्टि नहीं हो सकी है. फिर भी खुफिया एजेंसियां यह सुनिश्चित करने में लगी हैं कि कोई पाकिस्तानी नागरिक सार्क वीजा पर कोलकाता में मौजूद न हो. खुफिया विभाग का कहना है कि यदि जरूरत पड़ी तो एलटीवी पर रह रही पाकिस्तानी महिलाओं और उनके परिजनों से भी पूछताछ की जाएगी.

अलीपुर प्रेस क्लब ने दी पहलगाम आतंकी घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि

कोलकाताः अलीपुर नव प्रशासनिक भवन में अलीपुर प्रेस क्लब ने शुक्रवार को पहलगाम आतंकी घटना के मृतकों को श्रद्धांजलि दी. आईजीए प्रमुख शाहजहांन सिराज की अध्यक्षता में उपरोक्त घटना की तीव्र निंदा की गई. अलीपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष जगदीश यादव ने मृतकों के आत्मा के शांति की कामना करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी. अध्यक्ष ने आगे कहा कि अब समय आ गया है कि आतंकवाद में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल लोगों पर कार्रवाई की जाए तथा मानवता को तार-तार करने वालों को उनके अंजाम तक पहुंचाया जाए. वहीं अलीपुर प्रेस क्लब के उपाध्यक्ष शंकर हल्दर, उपाध्यक्ष (जनरल) नकुल कुमार मंडल, सचिव (खेल/स्वास्थ्य) जाकिर अली, कोषाध्यक्ष जयदीप यादव सहित सलाहकार दिवाकर दत्ता, मो. जहीर सह वरीय मीडिया कर्मियों ने अपनी बात कही.

गलत सूचना फैलाने वाले फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल को लेकर बंगाल पुलिस ने किया आगाह

कोलकाताः पश्चिम बंगाल पुलिस ने लोगों को आगाह करते हुए कहा कि वे मुर्शिदाबाद जिले के निवासी होने का दावा करने वाले और गलत सूचना फैलाने वाले फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल को लेकर सतर्क रहें. पुलिस का दावा है कि इन फर्जी प्रोफाइल से राष्ट्र-विरोधी टिप्पणियां और सांप्रदायिक नफरत फैलाने वाले भड़काऊ पोस्ट किए गए हैं. पश्चिम बंगाल पुलिस ने फेसबुक पर पोस्ट किया, हमने पाया है कि फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया मंचों पर कुछ फर्जी प्रोफाइल में मुर्शिदाबाद के निवासी होने का दावा किया जा रहा है और वहां के विभिन्न स्थानों का उल्लेख कर राष्ट्र-विरोधी टिप्पणियां की जा रही हैं तथा सांप्रदायिक रूप से भड़काऊ संदेश फैलाए जा रहे हैं. पोस्ट में कहा गया है, ऐसे सभी प्रोफाइल के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जा रही है.

कोलकाता में विहिप का प्रदर्शन, पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ उठी कड़ी कार्रवाई की मांग

कोलकाताः विश्व हिंदू परिषद (विहिप) कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को कोलकाता की सड़कों पर दो रैलियां निकाल कर पहलगाम में आतंकी हमले का विरोध किया, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई. प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी करते हुए हमले के दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की. विहिप कार्यकर्ता सैकत चंदा ने कहा, हम नरेन्द्र मोदी सरकार से अपील करते हैं कि आतंकियों और उनके सरगनाओं के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जाए. उन्हें खोजकर कड़ी से कड़ी सज़ा दी जानी चाहिए ताकि ऐसा कृत्य दोबारा न हो. रैलियों में से एक का आरंभ सियालदह से हुआ, जबकि दूसरी कॉलेज स्ट्रीट से निकलकर धर्मतल्ला में जाकर एकत्रित हुई. इन विरोध प्रदर्शनों के कारण शहर के मध्य भाग में दोपहर के समय यातायात प्रभावित रहा और आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया. प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर भी चिंता जताई और वहां के पीड़ितों के समर्थन में आवाज़ उठाई. उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि इस विषय में भी तत्काल और निर्णायक कदम उठाए जाएं.

बागुईआटी ट्रॉलीकांड में नया खुलासा: हत्या के बाद शव ठिकाने लगाने बारासात से कैब में बैठकर बागुईआटी पहुंचा था प्रेमी

कोलकाताः बागुईआटी ट्रॉलीकांड में अब तक की सबसे बड़ी जानकारी सामने आई है. पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपित प्रेमी कौशिक ने हत्या के बाद सबूत छिपाने के लिए एक साजिश रची थी. उसने रिया का शव ट्रॉली बैग में भरकर सीधे बारासात से ऐप कैब बुक कर बागुईआटी तक सफर किया और फिर पैदल चलकर देशबंधुनगर के एक सुनसान इलाके में शव को फेंक दिया. इस मामले की तह तक जाने में पुलिस को सबसे बड़ी मदद उस ऐप कैब ड्राइवर से मिली, जिसे कौशिक ने इस्तेमाल किया था. जब पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले और ऐप कैब कंपनी से जानकारी मांगी, तब उस ड्राइवर को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई. ड्राइवर ने स्वीकार किया कि उसने आरोपित को एक भारी ट्रॉली बैग के साथ बागुईआटी तक छोड़ा था. यहीं से पुलिस को हत्या के बाद की असली कहानी समझ आई. पुलिस जांच में सामने आया है कि रिया की हत्या के बाद कौशिक ने पास-पड़ोस में शक न हो, इसलिए शव को कहीं दूर ले जाकर फेंकने का प्लान बनाया. यही वजह थी कि उसने कैब बुक की और शव को एक आम ट्रॉली बैग में रखकर बागुईआटी पहुंचा. वहां से वह देशबंधुनगर के एक संकरी गली में पहुंचा और शव को फेंक दिया. 23 अप्रैल को जब इलाके के लोगों ने कचरे के ढेर में पड़ा ट्रॉली बैग देखा और उससे बदबू आने लगी, तब पुलिस को सूचना दी गई. पुलिस ने जब बैग खोला, तो एक युवती का शव मिला. उसके मुंह पर ब्राउन टेप चिपका हुआ था. तीन दिनों की जांच के बाद पुलिस ने मृतका की पहचान रिया धर के रूप में की, जो मुर्शिदाबाद की रहने वाली थी और हाल में ही अपने पति और बच्चे को छोड़कर प्रेमी के साथ बारासात में रह रही थी. अब आरोपित कौशिक पुलिस की हिरासत में है. पुलिस उससे लगातार पूछताछ कर रही है कि हत्या की वजह केवल आपसी झगड़ा था या इसके पीछे और कोई बड़ी वजह छिपी है. साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि इस साजिश में कोई और व्यक्ति शामिल था या नहीं.

12 विश्वविद्यालयों में शिक्षक संघों ने लगाया आरोप

कामकाज में हो रही हस्तक्षेप की कोशिश

कोलकाताः पश्चिम बंगाल के 12 विश्वविद्यालयों में शिक्षक संघों ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्य संचालित उच्च शिक्षण संस्थानों के कामकाज में हस्तक्षेप किया जा रहा है और विश्वविद्यालयों पर 'मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) थोपने' के प्रयास किये जा रहे हैं. आरोप लगाने वाले शिक्षक संगठनों में यादवपुर विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (जेयूटीए), कलकत्ता विश्वविद्यालय शिक्षक संघ, रवींद्र भारती विश्वविद्यालय शिक्षक संघ, बंगाल विश्वविद्यालय शिक्षक संघ, प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय के शिक्षक और एमएकेएयूटी के शिक्षक शामिल हैं.

जेयूटीए के महासचिव पार्थ प्रतिम रॉय ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमारा मानना है कि अगर यह नीति (एचआरएमएस) लागू की गई तो उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता के जो भी निशान बचे हैं, वे भी खत्म हो जाएंगे. इसके अलावा, यह नीति विश्वविद्यालयों के सभी अधिकारों, खासकर वित्तीय अधिकारों को व्यवस्थित तरीके से छीनकर उन्हें उच्च शिक्षा विभाग के दफ्तरों में बदल देगी. उन्होंने कहा, यह सर्वविदित तथ्य है कि मौजूदा विश्वविद्यालय अधिनियमों के अनुसार किसी विश्वविद्यालय के कुलपति/ रजिस्ट्रार/ वित्त अधिकारी ही उस विश्वविद्यालय के आहरण एवं संवितरण अधिकारी (डीडीओ) का पद संभालते हैं. एचआरएमएस से विश्वविद्यालयों के इन बुनियादी ढांचे में भी बदलाव आने का खतरा है. रॉय ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग संबंधित विश्वविद्यालयों के डीडीओ (आहरण एवं वितरण अधिकारी) के रूप में कार्य करने के लिए एक अधिकारी को नियुक्त करने की योजना बना रहा है, जो मौजूदा विश्वविद्यालय अधिनियमों और विधियों के विरुद्ध है. उन्होंने कहा, इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि विश्वविद्यालय अपने कर्मचारियों को वेतन देने, पदोन्नति या सेवानिवृत्ति लाभ देने, पीएफ और ग्रेच्युटी राशि वितरित करने का अधिकार भी खो देंगे. साथ ही, अगर सरकार किसी भी कारण से, चाहे वह राजनीतिक हो या व्यक्तिगत, किसी भी कर्मचारी का वेतन रोकती है, तो विश्वविद्यालय प्राधिकार का इसमें कोई अधिकार नहीं होगा.

आपकी वेदना, हमारी संवेदना
युवा शक्ति समाचार पत्र उठावना का विज्ञापन मात्र 1500 रुपये में प्रकाशित करता है
(साइज 12x8)
सम्पर्क :
मो. : 9831572125, 9831494084
www.yuvashakti.news.com
email: yuvashakti@hotmail.com

जूट की महिमा: स्वर्णिम अतीत से उज्ज्वल भविष्य की ओर

कोलकाता: भारत के औद्योगिक इतिहास में जूट का स्थान अत्यंत गौरवपूर्ण है. पश्चिम बंगाल, जिसे विश्व पटल पर जूट उद्योग का 'मैनचेस्टर' कहा जाता है, ने इस सुनहरे रेशे के माध्यम से न केवल आर्थिक समृद्धि अर्जित की, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक ताने-बाने को भी मजबूती प्रदान की. जूट, जिसे हिंदी में पाट या पटसन के नाम से जाना जाता है, प्रकृति की अनुपम देन है. यह न केवल पर्यावरण के अनुकूल है, बल्कि इसके विविध उपयोगों ने इसे वैश्विक बाजार में एक विशिष्ट स्थान प्रदान किया है. यह आलेख जूट की महिमा, इसके ऐतिहासिक महत्व, वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालता है, जो इस उद्योग को पुनर्जनन की राह पर ले जा सकती हैं. जूट का इतिहास पश्चिम बंगाल के साथ अटूट रूप से जुड़ा हुआ है. ब्रिटिश औपनिवेशिक काल में जूट उद्योग न केवल पश्चिम बंगाल की अर्थव्यवस्था का आधार था, बल्कि ब्रिटिश भारत के राजस्व का प्रमुख स्रोत भी था. उन्नीसवीं सदी में हुगली नदी के किनारे स्थापित जूट मिलें औद्योगिक क्रांति का प्रतीक बन गईं. उस समय पश्चिम बंगाल में 124 जूट मिलें संचालित थीं, जिनकी चिमनियों से निकलता धुआं मजदूरों के उज्ज्वल भविष्य का संदेश देता था. इन मिलों में उत्पादित जूट के गट्ठर और बोरे विश्व के कोने-कोने में निर्यात किए जाते थे, जिसने भारत को वैश्विक व्यापार में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया. जूट की खेती और इसके उत्पादन ने लाखों लोगों को रोजगार प्रदान किया. किसानों से लेकर मिल मजदूरों तक, जूट ने समाज के हर वर्ग को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया. यह उद्योग न केवल आर्थिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण था, बल्कि सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा देता था. जूट मिलों के आसपास बसे मजदूर बस्तियों में एक अनोखा सांस्कृतिक मेलजोल देखने को मिलता था, जहां विभिन्न समुदायों के लोग एक साथ मिलकर कार्य करते थे. स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद जूट उद्योग को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा. विभाजन के परिणामस्वरूप जूट की खेती का बड़ा हिस्सा पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में चला गया, जबकि अधिकांश जूट मिलें पश्चिम बंगाल में रह गईं. इसने कच्चे माल की आपूर्ति को प्रभावित किया. इसके अतिरिक्त, कृत्रिम रेशों जैसे पॉलीप्रोपाइलीन और प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग ने जूट के पारंपरिक उत्पादों की मांग को कम किया. नतीजतन, जूट मिलों की संख्या में भारी कमी आई. जहां आजादी से पहले 124 मिलें थीं, वहीं आज यह संख्या घटकर 60 से 65 बड़ी मिलों और 20 से 25 छोटी मिलों तक सिमट गई है. बड़ी जूट मिलें, जो प्रतिदिन 80 से 200 टन उत्पादन करती हैं, और छोटी मिलें, जो 10 से 20 टन उत्पादन करती हैं, अब कई समस्याओं से जूझ रही हैं. पुरानी मशीनरी, श्रमिक असंतोष, अनियमित सरकारी ऑर्डर, और वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा ने इस उद्योग की स्थिति को बदहाल कर दिया. फिर भी, जूट की वह महिमा, जो इसे प्रकृति का अनमोल उपहार बनाती है, आज भी बरकरार है. आज के युग में, जब विश्व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, जूट की प्रासंगिकता और बढ़ गई है. जूट एक पूर्णतः जैव-निम्नीकरणीय (बायोडिग्रेडेबल) और पर्यावरण-अनुकूल रेशा है. प्लास्टिक के बढ़ते उपयोग ने पर्यावरण को अपूरणीय क्षति पहुंचाई है, और ऐसे में जूट एक टिकाऊ विकल्प के रूप में उभर रहा है. जूट के बैग, पैकेजिंग सामग्री, और अन्य उत्पाद प्लास्टिक के उपयोग को कम करने में महत्वपूर्ण योगदान

मदन गोपाल तोषनीवाल

दे सकते हैं. इसके अतिरिक्त, जूट की खेती पर्यावरण के लिए लाभकारी है, क्योंकि यह मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाती है और कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करती है. जूट उद्योग का भविष्य उज्ज्वल है, बशर्ते इसे नवाचार और आधुनिकीकरण के साथ जोड़ा जाए. पारंपरिक उत्पाद जैसे गट्ठर और बोरे आज भी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन वैश्विक बाजार में जूट के नए और आकर्षक उत्पादों की मांग बढ़ रही है. जूट से निर्मित सजावटी सामग्री, गृह सज्जा की वस्तुएं, कार्यालयों में उपयोग होने वाले पर्दे, कार्पेट, खिलौने, गुड़ियां, और यहां तक कि जूट की ज्वेलरी ने विश्व बाजार में अपनी जगह बनानी शुरू कर दी है. यूरोपीय देशों में, जहां पर्यावरण के प्रति जागरूकता अधिक है, जूट के इन नवीन उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है.

जूट उद्योग को पुनर्जनन के लिए निम्नलिखित कदम उठाए जा सकते हैं:

1. **उत्पाद विविधीकरण:** जूट के नए उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है. फैशन उद्योग में जूट के कपड़े, बैग, और ज्वेलरी की मांग बढ़ रही है. डिज़ाइनरों के साथ सहयोग करके जूट को आधुनिक और स्टाइलिश रूप दिया जा सकता है.
2. **प्रौद्योगिकी का उपयोग:** पुरानी मशीनरी को आधुनिक मशीनों से बदलने की आवश्यकता है. इससे उत्पादन क्षमता बढ़ेगी और लागत कम होगी.
3. **सरकारी सहयोग:** केंद्र और राज्य सरकारों का सहयोग इस उद्योग के लिए महत्वपूर्ण है. जूट बेलर्स एसोसिएशन के विधि समिति सदस्य जय कुमार बगरा के अनुसार, पश्चिम बंगाल सरकार जूट मिल मालिकों से प्रतिवर्ष 40 लाख गट्ठर खरीदकर केंद्र सरकार को आपूर्ति करती है, जिसकी खपत हरियाणा, पंजाब, और अन्य राज्यों में होती है. यदि इस तरह के ऑर्डर नियमित हों, तो उत्पादन स्थिर रहेगा.
4. **वैश्विक बाजार में विस्तार:** जूट के उत्पादों को वैश्विक बाजार में और अधिक प्रचारित करने की आवश्यकता है. ई-कॉमर्स और डिजिटल मार्केटिंग के माध्यम से जूट उत्पादों की पहुंच बढ़ाई जा सकती है.
5. **कौशल विकास:** मजदूरों और कारीगरों को नए उत्पादों के निर्माण के लिए प्रशिक्षित करना होगा. इससे न केवल उनकी आय बढ़ेगी, बल्कि उद्योग की गुणवत्ता भी सुधरेगी.

जूट उद्योग का भविष्य केवल आर्थिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि सामाजिक प्रभाव के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है. यह उद्योग लाखों किसानों, मजदूरों, और कारीगरों के लिए आजीविका का स्रोत है. सरकारी नीतियों के माध्यम से जूट की खेती को प्रोत्साहन, मिलों के आधुनिकीकरण के लिए सब्सिडी, और निर्यात के लिए प्रोत्साहन योजनाएं इस उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकती हैं.

पश्चिम बंगाल सरकार ने जूट उद्योग को पुनर्जनन के लिए कई कदम उठाए हैं. उदाहरण के लिए, जूट के गट्ठरों की खरीद और आपूर्ति के माध्यम से सरकार ने इस उद्योग को सहारा प्रदान किया है. हालांकि, अनियमित ऑर्डर और बिक्री की अनिश्चितता ने मिल मालिकों के सामने चुनौतियां खड़ी की हैं. यदि सरकार और निजी क्षेत्र मिलकर काम करें, तो जूट उद्योग न केवल अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को पुनः प्राप्त कर सकता है, बल्कि वैश्विक बाजार में एक नया कीर्तिमान भी स्थापित कर सकता है. जूट, जिसे 'सुनहरा रेशा' कहा जाता है, भारत की सांस्कृतिक और आर्थिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है. इसका ऐतिहासिक गौरव, पर्यावरणीय श्रेष्ठता, और नवाचार की संभावनाएं इसे आज के युग में और अधिक प्रासंगिक बनाती हैं. पश्चिम बंगाल का जूट उद्योग, जो कभी विश्व का मैनचेस्टर था, आज चुनौतियों से जूझ रहा है, लेकिन इसका भविष्य उज्ज्वल है. नवीन उत्पादों, प्रौद्योगिकी के उपयोग, सरकारी सहयोग, और वैश्विक बाजार में विस्तार के माध्यम से जूट उद्योग न केवल पुनर्जनन की राह पर अग्रसर हो सकता है, बल्कि भारत को पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों के क्षेत्र में विश्व नेता बना सकता है. जूट की यह महिमा न केवल इसके आर्थिक महत्व को दर्शाती है, बल्कि यह भी सिखाती है कि प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित कर हम एक टिकाऊ और समृद्ध भविष्य का निर्माण कर सकते हैं. आइए, हम सब मिलकर इस सुनहरे रेशे को नई ऊंचाइयों तक ले जाएं, ताकि यह उद्योग पुनः विश्व पटल पर अपनी खोई हुई गरिमा को प्राप्त कर सके.

(लेखक जूट बेलर्स एसोसिएशन, कोलकाता के चेयरमैन हैं)

संपादकीय

कामयाब होने के लिए स्वयं पर भरोसा होना चाहिए

कोलकाता | शनिवार | 26 अप्रैल 2025

कश्मीरियत हेतु चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है. लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है. इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है. जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है. शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे. घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं. दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे. अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिक्र है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे. उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों. वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है. निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दु:खी किया है. जैसे–जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तल्ख प्रतिक्रिया नजर आ रही है. कश्मीरी लोग आशंकित हैं कहीं इस आक्रोश से उपजे रोष का शिकार कश्मीर मूल के लोगों को न होना पड़े. निश्चित रूप से किसी भी सभ्य समाज में ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए कि आतंकवादियों के कुकृत्यों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़े. यही वजह है कि जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन जैसे प्रमुख राजनेताओं ने कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी है. ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों से उम्मीद की जा रही है कि वे विभाजनकारी तत्वों पर नकेल डालेंगे. निस्संदेह, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहली बार घाटी में आतंकवाद के खिलाफ मुखर प्रतिक्रिया सामने आई है. कश्मीर में सक्रिय रहने वाले राजनीतिक दलों, व्यापार निकायों और सामाजिक–धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आम लोगों ने भी पहलगाम हमले के दौरान हुई पर्यटकों की हत्या की निंदा की है. उन्होंने सीमा पार से आतंकवाद की पाठशाला चलाने वाले लोगों को सख्त संदेश दिया कि हमारे मामलों में तुम्हें फिक्र करने की जरूरत नहीं है. कश्मीर के लोगों ने साफ संदेश भेजा है कि – 'हमारे नाम पर नहीं.' कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें उन आतंकवादियों से किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं है, जो मानवता के खिलाफ अपने अपराधों से कश्मीर के साथ–साथ इस्लाम को भी बदनाम कर रहे हैं. निस्संदेह, पहलगाम के क्रूर हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा चरम पर है. ऐसे में राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों को इस आक्रोश को बढ़ाने के बजाय इसे शांत करने का प्रयास करना चाहिए. देश के संघीय स्वरूप व सद्भावना की हर कीमत पर रक्षा की ही जानी चाहिए. पहलगाम की घटना के बाद तल्खी दिखा रहे लोगों को याद रखना चाहिए कि यह कश्मीरी टट्टूवाला सैयद आदिल हुसैन शाह ही था, जिसने बंदूकधारी आतंकवादियों से पर्यटकों को बचाने की कोशिश करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी थी. एक बहादुर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावर आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था. कश्मीरियों के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने के लिये उनके नि:स्वार्थ साहस और वीरता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए. बल्कि उनकी प्रशंसा की जानी चाहिए. एक कायरतापूर्ण आतंकी हमले के लिये पूरे राज्य के लोगों को दोषी ठहराना सांप्रदायिक सद्भाव को पलीता लगाने जैसा है, जो हमारे धर्मनिरपेक्ष सामाजिक ताने–बाने को नुकसान भी पहुंचा सकता है. हमें विगत में आतंकी हमले के लिए संप्रदाय विशेष को दोषी ठहराने के बाद हुई प्रतिक्रियाओं को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. कोशिश हो घटनाक्रम के बाद उपजे शोर में समझदार आवाजें दब न जाएं.

26 अप्रैल 1858 : क्रांतिकारी बाबू कुँअर सिंह, 80 वर्ष की आयु में संभाली थी क्रांति की कमान

–रमेश शर्मा

भारतीय स्वाधीनता संग्राम में ऐसे असंख्य बलिदानी हुये जिन्होंने न अपने परिवार की चिंता की न आयु बाधा बनी. वे भारत की स्वाधीनता के लिये न्यौछावर हो गये. ऐसे ही बलिदानी थे बाबू कुँअर सिंह, जिन्होंने हाथ में बंदूक लेकर 80 वर्ष की आयु में क्रांति का मोर्चा संभाला. उनका जन्म 1777 को बिहार के शाहाबाद जिला अंतर्गत जगदीशपुर गांव में हुआ था. शाहाबाद का पुराना नाम भोजपुर था. बाबू कुँअर सिंह भोजपुर बसाने वाले इतिहास प्रसिद्ध राजा भोज के वंशज माने जाते थे लेकिन समय के साथ यह वंश परंपरा जगदीशपुर के जागीरदार तक पहुंची. अंग्रेजी राज में इस परिवार ने समन्वय का मार्ग निकाला. अंग्रेजों से संबंध तो ठीक रखे लेकिन अपनी जागीर के अंतर्गत सामान्य जनों पर कोई अतिरिक्त कर न थोपे. कृषि एवं खनिज उत्पाद का एक निश्चित लाभांश संबंधित प्रजा जनों को मिले इसका सिद्धांत बनाकर ही वे अपनी जागीर का संचालन करते थे इसलिए वे अपनी प्रजा में बहुत लोकप्रिय और सम्मानित भी थे. समय के साथ 1857 की क्रान्ति आरंभ हुई. इस क्रांति का उद्घोष बंगाल की बैरकपुर छावनी से क्रांतिकारी सिपाही मंगल पाडेय ने कर दी थी. अंग्रेजों ने कुछ सैनिकों का कोर्ट मार्शल किया और कुछ को अपमानित करके बर्खास्त कर दिया. छावनी में बर्खास्त किये गये सैनिकों में एक बड़ी संख्या भोजपुरी सैनिकों की थी. वे बर्खास्त और अपमानित होकर भोजपुर लौटे. इसकी प्रतिक्रिया स्थानीय नागरिकों में हुई. जगदीशपुर में सभा हुई और अंग्रेजों से भारत को मुक्त कराने का संकल्प लिया गया. सभी सैनिक और नागरिक एकत्र होकर बाबू कुँअर सिंह के पास आये और उनसे नेतृत्व संभालने का अनुरोध किया. तब बाबू कुँअर सिंह की आयु 80 वर्ष थी फिर भी उन्होंने मातृभूमि की मुक्ति के संघर्ष का मार्ग चुना. पूरे भारत में यह क्रांति मई माह में आरंभ हुई लेकिन जगदीशपुर में इसका उद्घोष अप्रैल 1857 में ही हो गया था. बाबू कुंवर सिंह के नेतृत्व में इन सैनिकों ने पहले कारागार से सभी बंदियों को मुक्त किया और अंग्रेजों के खजाने को अपने अधिकार में ले लिया. यह तिथि 27 अप्रैल 1857 थी. इसके बाद क्रांतिकारी सैनिक दानापुर सैन्य छावनी पहुंचे और दानापुर छावनी के भारतीय सैनिकों को अपने साथ लिया और भोजपुर,

शाहाबाद, आरा आदि आसपास के सभी नगरों को अपने अधिकार में ले लिया. इस विजित क्षेत्र पर प्रशासन संचालन की व्यवस्था करके बाबू कुँअर सिंह के नेतृत्व में सैनिकों ने बीबीगंज पर धावा बोला और उसपर अधिकार कर लिया. अंग्रेज समर्थक टुकड़ी ने या तो घुटने टेक दिये अथवा भाग गई. यह 2 अगस्त 1857 की तिथि थी. पर क्राँतिकारियों की यह स्वतंत्र सत्ता अधिक न चल सकी. सितम्बर माह में अंग्रेजी फौज ने पहले आरा पर हमला बोला फिर बीबीगंज पर. अंग्रेजों के पास आधुनिक हथियारों से युक्त सैन्य टुकड़ी और तोखाना था. आरा और बीबीगंज में अंग्रेजों के भारी पड़ते ही क्रांतिकारी जगदीशपुर आ गये. अंग्रेजी फौज ने जगदीशपुर घेरा और गोलाबारी से किले की दीवारें ध्वस्त कर दीं. एक भी व्यक्ति को जीवित न छोड़ा. महल और किला दोनों खंडहर हो गये. वीर कुंवर सिंह किसी प्रकार सुरक्षित निकल गये. वे पहले मध्य प्रदेश के रीवा आये. रीवा राज परिवार में उनकी रिश्तेदारी थी. रीवा में कुछ दिन रुककर बांदा गये फिर कालपी. यहाँ उनकी भेंट तात्या टोपे और नाना साहब पेशवा से हुई. बाबू कुँअर सिंह आगे चल रहे थे और अंग्रेज अधिकारी कॉलिन के नेतृत्व में एक सैन्य टुकड़ी निरंतर उनका पीछा कर रही थी. नाना साहब पेशवा ने बाबू कुंवर सिंह की सुरक्षा में रामगढ़ के सैनिकों की एक टुकड़ी तैनात कर दी थी. इस टुकड़ी की सतर्कता से पीछा कर रहे अंग्रेज सैनिकों का दांव न लग रहा था. कुँअर सिंह बांदा, आजमगढ़, बनारस, बलिया, गाजीपुर एवं गोरखपुर होकर बिहार लौटना चाहते थे. जब यह समूह गंगा पार करने के लिये नाव में बैठा तब पीछा कर रहे अंग्रेज सैनिकों ने मौका देखकर गोलीबारी शुरू कर दी. सुरक्षा टुकड़ी ने जवाबी गोलीबारी तो की पर वे नाव में थे. बचाव असफल हो गया. अनेक क्राँतिकारी घायल हो गये. एक गोली वीर कुँअर सिंह को भी लगी. यह गोली उनकी बांह में लगी थी. किसी तरह बचकर जंगल की ओर गये. बहुत रक्त बह गया था. बचने की संभावना बहुत कम रह गई थी. वे अपने जन्मस्थान पर ही शरीर छोड़ना चाहते थे इसलिये जगदीशपुर की ओर चल दिये. वे 23 अप्रैल 1858 को जगदीशपुर पहुंचे. अधिक रक्त बहने और घाव बढ़ने से जीवन नाम मात्र का रह गया था. जगदीशपुर में उपचार हुआ किन्तु व्यर्थ गया और 26 अप्रैल 1858 को क्रान्ति के इस महान नायक ने शरीर त्याग दिया. इतिहास की पुस्तकों में इस 80 वर्षीय वीर महानायक का विवरण बहुत कम है पर भोजपुर के लोक जीवन में इनके संघर्ष की चर्चा कहानियों के रूप में आज भी जीवन्त है. *(लेखक, वरिष्ठ पत्रकार हैं)*

पहलगाम हमले के बाद रणनीतिक कदम का सवाल

– विवेक काटजू

हलगाम में कायराना आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों की जान जाने के बाद पूरा देश दुख व गुस्से में है. ऐसे में जनता की सरकार से उम्मीद स्वाभाविक है कि वह हमलावरों, उनके सीमा पार प्रायोजकों को माकूल जवाब देगी. जबकि जवाब की रणनीति बनाते समय प्रधानमंत्री मोदी को भी अहसास होगा कि नागरिकों की हत्या का यह कुकृत्य 'अस्वीकार्य' की श्रेणी में है.

गत 22 अप्रैल को पहलगाम के बैसरन में निर्दोष पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकवादी हमले से पूरा देश बहुत गुस्से और व्यथा में है. इस हमले में भारत के विभिन्न हिस्सों से आए 28 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई. देश के समूचे राजनीतिक वर्ग ने इसकी निंदा की है, हालांकि कुछ विपक्षी दल यह मांग भी कर रहे हैं कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के जिम्मेवार लोगों से जवाबतलबी हो. अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने भी इस जघन्य कांड की भर्त्सना की है और महत्वपूर्ण देशों के नेताओं ने कहा है कि वे आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े हैं. हालांकि, इस तरह का समर्थन पर्दे के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संयम बरतने की अपील के बावजूद है, तथ्य यह है कि यह हमला मोदी सरकार के समक्ष सुरक्षा एवं जनसंपर्कों में बहुत गंभीर चुनौती पेश करता है. पुलवामा या गलवान के विपरीत, जहां रक्षा कर्मी शहीद हुए, बैसरन में आतंकवादियों ने निर्ममतापूर्वक नागरिकों को चुन-चुनकर निशाना बनाया. इसलिए यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी कि देश की निगाहें मोदी पर होंगी. यह उम्मीद की जाएगी कि वह बैसरन के अपराधियों, उन्हें सहायता देने वालों तथा प्रायोजित करने वालों को पूर्ण तथा माकूल जवाब देंगे, खासकर 2019 के बाद से जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने के दावों के बाद. इस कांड को अंजाम देने का दावा 'रेजिस्टेंस फ्रंट' नामक संगठन द्वारा ली गई है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से संबंधित है. जिन लोगों को भारत के खिलाफ पाकिस्तानी आतंकवाद के तौर-तरीकों के अध्ययन करने का लंबा अनुभव है, उन्हें सहज रूप से पता होगा कि इस तरह का हमला पाकिस्तानी जनरलों के खास आदेशों के बिना कभी संभव नहीं है. इसलिए, सर्वप्रथम आकलन उस वजह का बनता है जिसके कारण पाकिस्तानी जनरलों ने हमले का आदेश दिया होगा. अफगान तालिबान के साथ भारत के संबंधों में प्रगति से वे नाखुश हैं, इस पर उन्होंने काफी नज़र बनाए रखी है. वे भारत को तहरीक-ए-तालिबान-ए-पाकिस्तान और बलूच विद्रोही समूहों की मदद करने में जिम्मेदार मानते हैं. इस सबके अलावा 11 मार्च को 'जाफर एक्सप्रेस' पर बलूच लिबरेशन आर्मी के हमले के बाद भारत के प्रति उनका गुस्सा और तीव्र हुआ. पाकिस्तानी सेना ने उस हमले के लिए भारत को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया. हालांकि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान और उसके विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया अधिक संयमित और सतर्क थी. जाफर एक्सप्रेस पर हमले के बाद पाकिस्तान में जो कुछ हुआ उसके तमाम पहलुओं का अध्ययन करने के बाद इस लेखक ने गत 21 मार्च को 'फर्स्टपोस्ट' में एक लेख लिखा. इसका समापन पैराग्राफ बैसरन हमले में प्रासंगिक है और इस प्रकार है : 'बीएलए हमले के तुरंत बाद, पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इसके साथ 'खेल के नियम बदल गए हैं'. चौधरी (लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी, महानिदेशक, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस) से एक प्रेस वार्ता में इन शब्दों की व्याख्या करने के लिए कहा गया था. इस पर उन्होंने जो शब्द कहे उन पर भारतीय विश्लेषकों और नीति-निर्माताओं को बारीकी से ध्यान देना चाहिए. उन्होंने कहा : 'बीएलए और (आतंकी समूहों) से उसी तरह निपटा जाएगा जिसके वे 'हकदार' हैं और यही बात उनके सूत्रधारों और उकसाने वालों पर भी लागू है, चाहे वे पाकिस्तान के अंदर हों या बाहर'. पाकिस्तानी सेना अपना हिसाब चुकता करने में 'बदल' (जिसका पश्तो में अर्थ है बदला) परंपरा का पालन करती है. भारत के खिलाफ यही करती आई है, वह बात अलग है इस चक्कर में उन्होंने देश को कंगाल बना डाला. टकराव के अलावा उसे कोई राह न सूझती. यह उनकी फितरत का हिस्सा है व हरेक सेना प्रमुख को यही दिखाना होता है कि 'माकूल जवाब' देने में वह सबसे आगे है, खासकर उस संस्था पर हमले के मामले में, जिसका वह नेतृत्व करता है, जिसको लेकर राय या गलतफहमी पाले रखता है कि यह भारत का काम है. ऐसे में, संभव है कि पाकिस्तानी सेना निकट भविष्य में भारत में किसी आतंकवादी घटना को प्रायोजित करने का प्रयास करे. इसमें संदेह नहीं कि भारतीय नीति निर्माता इस बड़ी संभावना से अवगत रहे होंगे. भारतीय प्रतिष्ठान को यह खुला संदेश देना चाहिए कि किसी भी पाकिस्तानी दुस्साहस का उचित जवाब दिया जाएगा और यह भी कि स्थिति के आगे बिगड़ने की पूरी जिम्मेदारी उसकी होगी. यह अवसर बालाकोट हमले से अपनाए गए 'पूर्व-प्रतिक्रिया सिद्धांत' को दोहराने का एक उपयुक्त ढंग खोजने का भी है. अग्रणी एवं मित्र देशों को यह भी सूचित किया जाना चाहिए कि वे पाकिस्तान को जम्मू-कश्मीर तथा अन्य स्थानों पर प्रायोजित आतंकवाद से गर्मी बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दें. और, निश्चित रूप से उन्हें पाकिस्तान को स्पष्ट कर देना चाहिए कि वे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे मतभेदों के हल में हस्तक्षेप न करें, जैसा कि पाकिस्तानी सेना हमेशा से करवाना चाहती रही है'. यह स्पष्ट नहीं कि भारतीय सुरक्षा प्रतिष्ठान ने चौधरी की उक्त मीडिया ब्रीफिंग को कितनी गंभीरता से लिया, लेकिन भारत में 16 अप्रैल को विदेशी पाकिस्तानियों को दिए गए पाकिस्तानी सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर के बयान पर काफी ध्यान दिया गया है. जब उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत का जिक्र किया था, जो पकिस्तानी सोच की आखिरी सीमा है और जिसकी रक्षा करने की शपथ सेना ने ले रखी है, मुनीर ने स्पष्ट वह कह डाला, जो सेना और अधिकांश पाकिस्तानी अंदर ही अंदर मानते हैं, लेकिन कहते नहीं यानी 'हिंदू और मुसलमान दो अलहदा मुल्क हैं, जिनमें कोई मेल नहीं हो सकता'. उन्होंने बलूची आतंकवादियों पर गुस्सा जाहिर किया, लेकिन जोर देकर कहा कि वे पाकिस्तान की एकता भंग नहीं कर पाएंगे. मुनीर का यह कहना कि जम्मू-कश्मीर पाकिस्तान की 'गले की नस' है, भी पुरानी बात है. मुनीर के इस भाषण में भारत के प्रति दुश्मनी स्पष्ट झलकती है, लेकिन मौजूदा आतंकी हमले का कारण जानने के लिए चौधरी के बयान पर वापस आना जरूरी है. बैसरन हमले के जवाब में रणनीति बनाते समय मोदी को पूरा अहसास होगा कि देश के कोने-कोने से आए निर्दोष नागरिकों की हत्या का यह कांड भारतीय जनता के लिए 'अस्वीकार्य' की श्रेणी में है. इसके उलट, उड़ी और पुलवामा में हुए हमले भारतीय सैनिकों के खिलाफ थे. जाहिर है, कोई भी प्रतिक्रिया अचानक से या तत्काल नहीं हो सकती, लेकिन वह होनी चाहिए, जो भारतीय जनमानस को प्रभावी रूप से संतुष्ट करे. जाहिर है, बैसरन के बाद कोई बना बनाया नुस्खा पेश करना आसान नहीं होगा. अपरिहार्य है कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव कम करने को महाशक्तियां बीच-बचाव करने आएं. पाक जनरलों का आग्रह होगा कि द्विपक्षीय समस्याओं यानी जम्मू-कश्मीर समस्या के मूल कारणों में जाने के लिए उनकी भागीदारी जरूरी है. वे इसपर अमल के लिए यूएनएससी या डोनाल्ड ट्रम्प का आह्वान कर सकते हैं, लेकिन भारत को दो टूक स्पष्ट करना चाहिए कि भारत-पाकिस्तान के मुद्दों को द्विपक्षीय रूप से ही सुलझाया जाए. भारत ने कूटनीतिक तरीके से पहला झटका दिया है कि 1960 की सिंधु जल संधि, जो दो युद्धों से बची हुई है, को तत्काल निलंबित कर दिया जाएगा, और दोनों देशों में राजनयिक मिशनों की पहले से ही कम संख्या को आधा कर दिया जाएगा. देश जानता है कि यह केवल पहला कदम है, पाकिस्तान के साथ-साथ दुनिया के लिए चेतावनी है कि भारत इस मामले को लेकर गंभीर है.

(लेखक भारत सरकार के पूर्व विदेश सचिव हैं)

आपका जन्मदिन मंगलमय हो

26 अप्रैल

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ. आपका जन्मतिथि 26 अप्रैल है. अंक ज्योतिष के अनुसार आपकी जन्मतिथि का स्वामी ग्रह शनि है. इस माह का अधिपति ग्रह मंगल है. आप मंगल व शनि ग्रह के पूर्ण प्रभाव में आजीवन रहेंगे. आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली होगा. आप उत्साही, एकान्तप्रिय एवं परिश्रमी व्यक्ति होंगे. लेकिन आप कुछ संकोची एवं आलसी भी होंगे. आपकी इच्छा शक्ति प्रबल होगी. आपके जीवन में अनेकों बार उतार-चढ़ाव के क्षण आयेंगे. आप अपने कार्यों में नवीनता लाने की कोशिश करेंगे. आप स्पष्टवादी होंगे. स्पष्टवादी प्रकृति के कारण नुकसान भी संभव है. अत्यधिक भावुकता के कारण मन दुविधामय रहेगा. लेकिन जिम्मेदारियों को निभाने में सक्षम होंगे. आप भौतिकवादी प्रवृत्ति के होंगे. व्यर्थ का दिखावा आप पसन्द नहीं करेंगे, आप भावना प्रधान व्यक्ति हैं. समाज सेवा की भावना आप में प्रबल रहेगी. धर्म-अध्यात्म के प्रति आपका झुकाव अधिक रहेगा. सुख-समृद्धि हेतु सम्बन्धित ग्रह के निमित्त उपाय एवं उपचार करने पर प्रतिकूलता में कमी आयेगी. साथ ही अपने इष्ट देवी-देवता की पूजा-अर्चना नियमित रूप से करें. अपने दैनिक जीवन में हरा व नीले रंग की वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें. काले रंग की वस्तुओं का दान करें. गाय को नियमित रूप से मीठी रोटी खिलावें. आरोग्य व सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें.

आपके लिए अनुकूल :-

मन्त्र	:	ॐ शं शनैश्चराय नम:	मास	:	जनवरी, अप्रैल एवं दिसम्बर
व्रत	:	शनिवार	वर्ष	:	8, 17, 26, 35, 44, 53, 62, 71
दिन	:	सोमवार, गुरुवार एवं शनिवार	रंग	:	हरा, नीला, काला एवं भूरा
दिनांक	:	8, 17, 26	जन्मरत्न	:	नीलम
अंक	:	2, 4, 6, 7	उपरत्न	:	नीली

यंत्र

12	7	14
13	11	9
8	15	10

वर्ष का महत्वपूर्ण समय–20 जन. से 20 फर., 20 सित. से 20 अक्टू.

हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित व अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद

विमल जैन एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, पंचक्रोशी मार्ग, भोजूबीर, वाराणसी-221002 मो0 : 09335414722

आपका आज का दिन 2025

मेष : प्रतिकूलता से अशांति, स्वास्थ्य में व्यतिक्रम, प्रियजनों से मतभेद, आलस्य से हानि, व्यवहार में जरा सी लापरवाही नुकसानदायक, मानसिक तनाव, यात्रा में परेशानी.

वृषभ : स्वास्थ्य सुधार पर, जिम्मेदारियों को निभाने में अधिक व्यय, श्रेष्ठजनों से सम्पर्क, धन संचय में प्रवृत्ति, राजकीय पक्ष से सहयोग, आर्थिक प्रगति, धर्म में आस्था.

मिथुन: विविध पक्षों में अनुकूलता, जीवन में उपलब्धि, मनो-विनोद के साधन सुलभ, अपने स्तर को बनाये रखने के लिए व्यय, शत्रु परास्त, धर्म-अध्यात्म में रुचि.

कर्क : व्यापार में विस्तार, अधिकारियों से सहयोग, आय के स्रोत, मित्रों से गलतफहमी दूर होने को, परिश्रम के अनुरूप सफलता, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, लाभ भी.

सिंह : विशेष परिश्रम के बावजूद आंशिक सफलता, वैवाहिक जीवन में मतभेद, सहयोगियों से विवाद की आशंका, नवीन समस्याएँ उत्पन्न, सोचे हुए कार्य अधूरे.

कन्या: स्वास्थ्य सुधार पर, कुछेक समस्याओं का समाधान, नव उत्तरदायित्व का निर्वाह, वाद-विवाद का समापन, पारिवारिक वातावरण मनोनुकूल, धार्मिक स्थलों की यात्रा.

तुला: परिस्थितियाँ भाग्य के पक्ष में, कुछेक समस्याएँ सुलझने की ओर, सुसंदेश की प्राप्ति, सामाजिक कृत्यों में रुचि, मनोरंजन की ओर प्रवृत्ति, नूतन पदाधिकार की प्राप्ति.

वृश्चिक : समय शुभ, कार्य-व्यवसाय में अनुकूलता, व्यक्तित्व का विकास, भौतिक सुख के साधन सुलभ, स्थान-परिवर्तन की दिशा में कार्यक्रम, मेल-मिलाप में रुचि.

धनु : योजना अधूरी, संकल्प-विकल्प से सफलता में शंका, स्पष्टवादिता घातक, अधीनस्थ सहयोगियों से तनाव, विचारों में उग्रता, वाद-विवाद से कष्ट, हानि संभव.

मकर: वाक्पटुता से कार्यों में सफलता, जिम्मेदारियों को निभाने हेतु व्यय, मनो-विनोद के सुअवसर प्राप्त, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, परोपकार में प्रवृत्ति, यात्रा का प्रसंग.

कुम्भ: व्यक्तिगत समस्या का समाधान, शिक्षा एवं प्रतियोगिता में सफलता, प्रतिष्ठा में वृद्धि, सामाजिक गतिविधियों की ओर अभिरुचि, शत्रु हानि पहुँचाने में विफल.

मीन: ग्रहयोग बेहतर, मित्रों से अपेक्षित सहयोग, व्यापारिक क्षेत्र में प्रगति का सिलसिला, आमोद-प्रमोद के साधन सुलभ, समस्याएँ सुलझने की ओर, यात्रा का प्रसंग.

- ज्योतिषाचार्य विमल जैन, वाराणसी, मो. नं. 09335414722

मानव धर्म-शास्त्र

लेखक : लक्ष्मी नारायण मीणा

मानव धर्मशास्त्र के प्रणेता
अवधूत देवी दास जी महाराज

अष्टम स्कन्ध

जन्मत सुत रां उच्चारी । पीड़ा प्रसव विगत महतारी ।।
चहुँदिसि भयउ प्रकृति उछाहु । मंगल सुगन अनुकूल सबाहु ।।

व्याख्या - जन्म लेते ही पुत्र ने रां नाम का उच्चारण किया, जिससे माता की प्रसव पीड़ा तुरन्त दूर हो गई । चारों तरफ प्रकृति में उत्साह छा गया तथा समस्त मंगलकारी सगुन होने लग गए ।

समाचार सुनि ऋषि सब आए । देखि मुख छवि आशीष बरसाए ।।
बालक इहँ होइब ब्रम्ह ग्यानी । सकल ऋषि मुनि कहा बखानी ।।

व्याख्या - समाचार सुनकर सब ऋषि आए और बालक की छवि देखकर आर्शीवाद देने लगे । सब ऋषि - मुनियों ने कहा कि यह बालक ब्रम्हज्ञानी होगा ।

संहारों से भारत का शीष झुका लोगे यह मत समझो

– सुनील कुमार महला

पहलगाम हमले के बाद हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए यह बात कही है कि 'भारत आतंक के आकाओं की कमर तोड़कर रहेगा.' उन्होंने अपने संबोधन में कहा है कि 'दुश्मनों ने घाटी में आए निहत्थे पर्यटकों को ही नहीं, भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है तथा भारत हमलावरों और साजिशकर्ताओं की पहचान करेगा, उनकी तलाश कर उन्हें सजा देना सुनिश्चित करेगा.' उन्होंने कड़े शब्दों में यह बात कही है कि 'आतंकवादियों और नृशंस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी तथा हमलावरों और साजिश रचने वालों को धरती के आखिरी कोने तक भी नहीं छोड़ेंगे.' उन्होंने कहा कि 'कोटि-कोटि देशवासी व्यथित है, कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश में एक जैसा आक्रोश है.' वास्तव में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐसा कहकर जहां एक ओर इस देश की आम जनता के आक्रोश को स्वर दिया है, वहीं दूसरी ओर उन्होंने सीधे तौर पर उन ताकतों को भी सीधी चेतावनी दी है, जो भारत को आतंकवाद व आतंकियों के नाम पर अस्थिर करना चाहती है. कहना ग़लत नहीं होगा कि पहलगाम में हुए नृशंस आतंकवादी हमले के दो दिन बाद प्रधानमंत्री मोदी ने न केवल पाकिस्तान को बल्कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को भी यह संदेश दिया है कि भारत की आतंकवाद के प्रति नीति 'जीरो टालरेंस'(शून्य सहनशीलता) की है और भारत किसी भी हाल और परिस्थितियों में आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेगा. यहां पाठकों को बताता चलूं कि 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा हमले के बाद भी प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात कही थी कि 'सुरक्षा बलों को कार्रवाई की पूरी छूट दे दी गई है और आतंकियों को इस हमले की भारी कीमत चुकानी होगी.' उस समय उन्होंने कहा था कि 'पाकिस्तान इस भ्रम में न रहे कि वह भारत को अस्थिर कर सकता है.' वास्तव में उस समय प्रधानमंत्री ने जो कहा, वो करके दिखाया था. यहां यह बात गौरतलब है कि 26 फरवरी 2019 की सुबह तीन बजे के करीब पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकी शिविरों पर भारतीय लड़ाकू विमानों ने हमला कर उन्हें तबाह कर दिया था. बहरहाल ,पाठकों को मालूम होगा कि पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति (सीसीएस) ने पाकिस्तान पर कई प्रतिबंध लगा दिए हैं.मसलन,सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) को निलंबित कर दिया गया,सिंधु जल संधि(1960) का निलंबन किया गया तथा पाकिस्तान पर विभिन्न व्यापारिक प्रतिबंध और कूटनीतिक निष्कासन भी किया गया. भारत ने वाघाअटारी सीमा सील होने के बाद दिल्लीलाहौर बस और समझौता एक्सप्रेस की टिकट बुकिंग भी रद्द कर दी. इतना ही नहीं पाक उच्चायोग के तीन सैन्य सहायक व दिल्ली दूतावास में तैनात दो आइएसआइ लिंक अधिकारियों को अवैध गतिविधियों के सबूत के आधार पर 48 घंटे में देश छोड़ने को कहा तथा भारत ने अपने सैन्य सहायक व पाँच सहायक कर्मियों को इस्लामाबाद से वापस बुलाया गया. इसके साथ ही भारतीय और पाकिस्तानी उच्चायोगों की अधिकतम स्टाफसंख्या 3030 पर सीमित कर दी गई. इतना ही नहीं,वित्त मंत्रालय ने पाकिस्तान को दी जाने वाली सभी व्यापारिक रियायतें वापस ले ली तथा 200/% सीमा शुल्क पुनः लागू कर दिया गया और पाकिस्तान को निर्यातित होने वाले कपास, चीनी और सीमेंट पर प्रतिबंध लगा दिया गया.इसके साथ ही सुरक्षा आयातनिर्यात परिषद ने एलओसी ट्रेड फैसिलिटी (श्रीनगरमंगल) पर भी अस्थायी रोक लगा दी. वास्तव में कश्मीर घाटीमुज़फ़्फ़राबाद ट्रक रूट बंद रहने से सालाना 1,500/करोड़ रुपये के अनौपचारिक व्यापार पर असर पड़ेगा. उपलब्ध जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने सेना, वायुसेना और नौसेना प्रमुखों के साथ सामरिक समीक्षा कर सीमा पार लॉन्चपैड्स पर प्रीएम्प्टिव स्ट्राइक के विकल्पों को अंतिम रूप दिया है तथा सीमांत क्षेत्रों में आर्टिलरी यूनिट्स को 'नो वार्निंग, फुल रिस्पॉन्स' निर्देश मिला है.विदेश मंत्रालय ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के पाँच स्थायी सदस्यों और जी20 सहयोगियों को आधिकारिक डिमार्शे जारी कर भारत की कार्रवाई का समर्थन माँगा है. जानकारी के अनुसार गृह मंत्रालय ने जम्मूकश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले ग्रामीणों के लिए निकटतम राहतशिविर तैयार रखने के निर्देश भी जारी किए हैं. बहरहाल, कहना ग़लत नहीं होगा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है,जो आतंकवाद और आतंकियों को प्रश्रय देता आया है और उस पर आज 'आतंकवाद और आतंकियों' का बदसूरत दाग लग चुका है. कितनी बड़ी बात है कि आतंकियों ने धार्मिक पहचान पूछकर देश में नफ़रत और विभाजन की आग फैलाने की कोशिश की और घटना को अंजाम दिया. एक आतंकी का पर्यटक से यह कहना, 'जाओ, अपनी सरकार को बताओ', साफ दर्शाता है कि यह हमला देश के नेतृत्व को चुनौती देने की कोशिश थी. आज पाकिस्तान आतंकवाद का गढ़ ही नहीं है बल्कि पाकिस्तान भारत में नशीली दवाओं और हथियारों की भी तस्करी कर रहा है. वह सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्रोनों द्वारा नशा पहुंचा कर भारत की युवा पीढ़ी को तबाह करने की लगातार कोशिशें कर रहा है और इसके बहुत से प्रमाण हैं. पाठकों को बताता चलूं कि यदि हम यहां मात्र अप्रैल माह की ही बात करें तो इस प्रकार की(नशा तस्करी) अनेक घटनाएं सामने आईं हैं. एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में छपे संपादकीय के अनुसार 17 अप्रैल को गुरदासपुर जिला पुलिस ने सीमावर्ती गांव 'ठाकुरपुर' से पाकिस्तान से ड्रोन द्वारा हैरोइन मंगवाने वाले 3 तस्करों को गिरफ्तार करके उनके पास से 255 ग्राम हैरोइन और 2 पिस्तौल बरामद की गई. इसी तरह से 20 अप्रैल को बी.एस.एफ. ने अमृतसर, तरनतारन और फिरोजपुर जिलों के गांवों में कार्रवाई के दौरान खेतों से 3 पाकिस्तानी ड्रोन और 545 ग्राम हैरोइन बरामद की. इतना ही नहीं,22 अप्रैल को बी.एस.एफ. ने सीमावर्ती गांव 'बल्लड़वाल' के इलाके में ड्रोन से फेंकी 40 करोड़ रुपए की हैरोइन सहित 2 ग्रेनेड, आई.ई.डी. विस्फोटक, रिमोट, 2 विदेशी पिस्तौल व 5 जिंदा कारतूस बरामद किए गए. इतना ही नहीं, 23 अप्रैल को बी.एस.एफ. अमृतसर सैक्टर की टीम ने 4 अलग-अलग सीमावर्ती गांवों में 8 करोड़ रुपए का नशा व ड्रोन जब्त किए. गांव 'हरदोरत्न' में 6 कारतूस, पिस्तौलों के पुर्जे, मैगजीन व 593 ग्राम हैरोइन, गांव 'मुहावा' में एक पिस्तौल की मैगजीन व 574 ग्राम हैरोइन के अलावा 'राजा ताल' और 'गल्लूवाल' गांवों में 2 मिनी ड्रोन और 514 ग्राम हैरोइन पकड़ी. यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि 23 अप्रैल को तरनतारन में ड्रग इंस्पैक्टर और पुलिस द्वारा एक मकान में संयुक्त छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में पाकिस्तान की बनी हुई 10 प्रकार की दवाएं भी जब्त की गईं हैं.वास्तव में पाकिस्तान भारत में हथियारों,ड्रग(नशीले पदार्थों) की तस्करी कर जहां भारत की युवा पीढ़ी को बर्बाद करने का सपना संजो रहा है, वहीं दूसरी ओर वह कश्मीर घाटी में आतंकवाद और आतंकी घटनाओं के माध्यम से भारत को कमजोर, अस्थिर, अशांत करने का भी सपना संजो रहा है लेकिन भारत पाकिस्तान के इस सपने को कभी भी पूरा नहीं होने देगा और पाकिस्तान की इन नापाक हरकतों को नेस्तनाबूद करने की क्षमताएं रखता है. समय-समय पर भारत ने पाकिस्तानी आतंकवाद पर कड़ा प्रहार भी किया है लेकिन चीन और अमेरिका जैसे देश चोरी-छिपे पाकिस्तान को सहायता देते आए हैं. हाल फिलहाल पहलगाम हमले के बाद भारत द्वारा पाकिस्तान पर विभिन्न प्रतिबंध लगाने से उसकी बौखलाहट साफ़ दिखाई पड़ रही है. कहना ग़लत नहीं होगा कि सिंधु जल संधि का निलंबन पाकिस्तान के लिए एक बहुत बड़ा झटका है, क्योंकि सिंधु, झेलम और चिनाब नदियों का पानी, जो संधि के तहत पाकिस्तान को मिलता है, उसके पंजाब और सिंध प्रांतों की अर्थव्यवस्था की असली रीढ़ है. हालांकि भारत द्वारा पाकिस्तान का तत्काल प्रभाव से पानी रोकना इतना आसान काम नहीं है, जैसा कि इसके लिए बड़े बुनियादी ढांचे की जरूरत होती है लेकिन भारत ने सिंधु जल समझौता के जल की आपूर्ति को रोकने की बात कहकर पाकिस्तान पर मनौवैज्ञानिक और रणनीतिक दबाव तो बना ही दिया है. पाठकों को बताता चलूं कि भारत ने पहलगाम हमले को लेकर यूएन में अपनी बात रखते हुए वैश्विक समुदाय से इस हमले की कड़ी निंदा की अपील की थी और भारत के समर्थन में अमेरिका, रूस व संयुक्त अरब अमीरात(यूएई),सऊदी अरब जैसे देश आगे आए हैं. अंत में यही कहूंगा कि- 'अमेरिकी शस्त्रों से अपनी आजादी को दुनिया में कायम रख लोगे, यह मत समझो.दस बीस अरब डालर लेकर आने वाली बरबादी से तुम बच लोगे यह मत समझो.धमकी, जिहाद के नारों से, हथियारों से कश्मीर कभी हथिया लोगे यह मत समझो.हमलों से, अत्याचारों से, संहारों से भारत का शीष झुका लोगे यह मत समझो.'

(फ्रीलांस राइटर, कालमिस्ट व युवा साहित्यकार, उत्तराखंड)

न्यूज कॉर्नर

बिहार-नेपाल सीमा के रक्सौल से अमेरिकी नागरिक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण: बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के नेपाल सीमा से सटे रक्सौल से एक अमेरिकी नागरिक को आव्रजन (इमिग्रेशन) विभाग ने जांच के दौरान पकड़ा है. उक्त अमेरिकी नागरिक रक्सौल बॉर्डर के रास्ते भारत से नेपाल जा रहा था. गिरफ्तार अमेरिकी युवक की पहचान एटन बेन पिता याकूब बेन अब्राहम, 39,456, वर्जीनिया, अमेरिका के रूप में हुई है. आव्रजन विभाग के अनुसार उक्त अमेरिकी नागरिक नेपाल से भारत में आने के दौरान अक्टूबर 2024 में रक्सौल इमिग्रेशन में इंट्री के लिए आया था. मगर, रक्सौल इमिग्रेशन ने टूरिस्ट वीजा की निर्धारित 180 दिन की समय सीमा समाप्त देखकर रिफियूजल स्टाम्प लगा कर वापस नेपाल भेज दिया था. यह अमेरिकी नागरिक अवैध रूप से भारत में 288 दिन रहने के बाद 25 अप्रैल, 2025 को एक बार फिर भारत से नेपाल जाने का प्रयास करता पकड़ा गया है. जिसे आव्रजन विभाग ने हरैया थाना पुलिस सौंप दिया है. हरैया थानाध्यक्ष किशन पासवान के अनुसार पुलिस व सुरक्षा एजेंसी इसकी संदिग्ध गतिविधि की जांच में जुटी है.

मकई के खेत में मिला युवती का शव

अररिया: अररिया नगर थाना क्षेत्र के बांसवाड़ी गांव में मकई के खेत में एक युवती का शव मिलने से सनसनी फैल गई. मृतका की पहचान बांसवाड़ी गांव के वार्ड संख्या नौ निवासी 18 वर्षीया रेहाना पिता मो. अबुबकर के रूप में की गई है. शव आज शाम करीब साढ़े चार बजे मकई के खेत में मिला. रेहाना सुबह से ही घर से गायब थी. परिजनों के द्वारा काफी खोजबीन किया गया. जिसके बाद शाम को मकई के खेत में युवती के शव को स्थानीय लोगों ने देखकर परिजनों और पुलिस को सूचना दी. जिसके बाद मौके पर नगर थानाध्यक्ष मनीष कुमार रजक पुलिस अधिकारियों और बलों के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अररिया सदर अस्पताल भिजवाया. पोस्टमार्टम के बाद नगर थाना पुलिस ने शव को परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया गया है. मृतका के परिजनों ने गला मरोड़कर युवती की हत्या कर देने का आरोप लगाया है. वहीं इस मामले में अररिया एसपी अंजनी कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस की टीम और एफएसएल की टीम पहुंचकर मामले की जांच कर रही है. जल्द ही हत्यारे को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.

आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा खेलने वाले छह गिरफ्तार

प्रयागराज: कोतवाली एवं एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम ने शुक्रवार को आईपीएल क्रिकेट मैच में सट्टा लगाने वाले छह लोगों को गिरफ्तार किया. पुलिस टीम ने कब्जे से कुल 3,69,002 रुपए नगद एवं 1,88,312 रुपए बैंक अकाउण्ट में फ्रीज कराया गया. इसके साथ ही 7 मोबाइल फोन, सट्टा की एन्ट्री सम्बन्धित एनज नोटबुक बरामद किया है. पुलिस उपायुक्त नगर अभिषेक भारती ने बताया कि कोतवाली क्षेत्र के चाहचन्द जीरो रोड निवासी हर्षित जायसवाल पुत्र घनश्याम गुप्ता, इसी थाना क्षेत्र के खोवा मन्डी निवासी सुनील कुमार केसरवानी पुत्र राम चन्द्र केसरवानी, नैनी कोतवाली क्षेत्र के पूरा फते मोहम्मद निवासी मो. इस्तियाक पुत्र मो. हलीम , कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहत्सिमगंज निवासी टोनी यादव पुत्र स्वर्गीय सुन्दर लाल यादव, अतरसुइया थाना क्षेत्र के मीरपुर निवासी सचिन कपूर पुत्र स्वर्गीय कन्हैया लाल कपूर, दारागंज थाना क्षेत्र के अलोपी बाग पंजाबी कालोनी निवासी अरुण कुमार पुत्र स्वर्गीय सुन्दरलाल को थाना कोतवाली क्षेत्र के हटकेश्वर मन्दिर के निकट स्वरूपरानी पार्क के पास भगवती पेपर ट्रेडिंग कम्पनी के ऊपर घर के कमरे से गिरफ्तार किए गए हैं. पुलिस टीम ने गिरोह के कब्जे से कुल 3,69,002 रुपए नगद और 1,88,312 रुपए बैंक अकाउण्ट में फ्रीज कराया गया है . इसके साथ ही सटोरियों के कब्जे से 7 मोबाइल फोन, सट्टा की एन्ट्री सम्बन्धित एक नोटबुक बरामद की गयी. पुलिस आयुक्त प्रयागराज के निर्देश पर चलाएं जा रहे अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उक्त गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया. सभी के खिलाफ विधिक कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया.

काशी में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों को नोटिस, जल्द छोड़ना पड़ सकता है शहर

वाराणसी: पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद वाराणसी जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है. शहर के संवेदनशील और भीड़भाड़ वाले इलाकों-रेलवे स्टेशन, बस अड्डे, घाटों और प्रमुख बाजारों-पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है. खुफिया एजेंसियां भी सक्रिय हो गई हैं और लगातार निगरानी कर रही हैं. इसी के तहत, वाराणसी में रह रहे 10 पाकिस्तानी नागरिकों को नोटिस जारी किया गया है. प्रशासन की ओर से कहा गया है कि जैसे ही शासन स्तर से अंतिम दिशा-निर्देश मिलेंगे, उन्हें शहर छोड़ना होगा. पुलिस कमिश्नरेट के अनुसार इन 10 पाकिस्तानी नागरिकों में महिलाएं भी शामिल हैं. इनमें से एक वृद्ध महिला हिन्दू हैं और महमूरगंज क्षेत्र में अपने बेटे के साथ रहती हैं. उनके दो बेटे पाकिस्तान में ही हैं. नोटिस मिलने के बाद से यह महिला काफी उदास बताई जा रही हैं. इसी तरह कराची निवासी एक 85 वर्षीय वृद्ध शिवपुर में अपने भांजे से मिलने आए हैं. वे 45 दिन के विज़िटर वीज़ा पर भारत आए हैं, जिसमें से 40 दिन पूरे हो चुके हैं. बताया गया कि उनका परिवार भारत-पाक विभाजन के समय यहीं बस गया था और वह अपनी बहन से मिलने अक्सर वाराणसी आते रहते हैं. गौरतलब हो कि पहलगाम की आतंकी घटना के बाद केन्द्र सरकार के सख्त आदेश के क्रम में काशी में आए हुए पाकिस्तानी नागरिकों के परिजन व रिश्तेदार कोतवाली स्थित एलआईयू के कार्यालय में पहुंचे. सभी ने अपनी बात रखी. अफसरों ने कहा कि शासनादेश आने के बाद उन्हें शहर छोड़ना पड़ेगा.

नीट पेपर लीक मामले का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया गिरफ्तार, 11 महीने से दे रहा था चकमा

पटना: नीट पेपर लीक मामले में बिहार पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. बिहार पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने नीट पेपर लीक के मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को गिरफ्तार कर लिया है. फिलहाल, गिरफ्तार संजीव मुखिया से पूछताछ की जा रही है. उसपर 3 लाख का इनाम घोषित किया गया था. संजीव मुखिया नीट के अलावा कई और प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक मामले में आरोपी रह चुका है. 5 मई 2024 को नीट परीक्षा का पेपर लीक हुआ था, उसके बाद से संजीव मुखिया फरार चल रहा था. करीब 11 महीने से पुलिस इसकी गिरफ्तारी में जुटी थी. कई जगह छापेमारी भी हुई, लेकिन इसका कोई पता नहीं चला. लगातार पुलिस को ये चकमा दे रहा था. बता दें, जांच एजेंसियों को शक है कि नीट पेपर लीक मामले में संजीव मुखिया का अहम रोल है. 11 मई 2024 को इस मामले में झारखंड के देवघर से 6 लोगों की गिरफ्तारी हुई थी. उनमें चिंटू भी शामिल था. चिंटू संजीव मुखिया का रिश्तेदार बताया जाता है. जानकारी के अनुसार, नीट के प्रश्नपत्र और उसके जवाब की पीडीएफ फाइल 5 मई की सुबह चिंटू के वाट्सऐप पर ही आया था. लर्न एंड प्ले स्कूल में रखे गए वाईफाई प्रिंटर से उसका प्रिंट लिया गया और अभ्यर्थियों को रटाया गया था. नीट पेपर लीक का मास्टरमाइंड संजीव मुखिया बिहार के नालंदा जिले के नगरनौसा गांव का रहने वाला है. उसे लोग लूटन मुखिया के नाम से भी बुलाते हैं. पहली बार उसका नाम साल 2010 में ब्लूटूथ डिवाइस का इस्तेमाल करके छात्रों को नकल कराने में सामने आया था. 2016 के बिहार सिपाही भर्ती परीक्षा लीक मामले में भी संजीव मुखिया का नाम सामने आ चुका है. इसके अलावा भी वह कई पेपर लीक मामले में आरोपी रहा है. 7 अप्रैल 2025 को बिहार सरकार ने नीट पेपर लीक मामले में फरार संजीव मुखिया पर 3 लाख का इनाम घोषित किया था. संजीव मुखिया की तलाश में आर्थिक अपराध इकाई ने बिहार के अलग-अलग जिलों में छापेमारी की थी. बिहार से अलग दूसरे राज्यों में भी इकाई ने इसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की थी. लेकिन, उसका कहीं पता नहीं चल पा रहा था. ग्रामीणों ने बताया कि संजीव मुखिया ने पैसे के बल पर अपनी राजनीतिक पहचान बनाई और अपनी पत्नी ममता कुमारी को लोक जनशक्ति पार्टी से जेडीयू के खिलाफ हरनौत विधानसभा से चुनाव भी लड़ाया. हालांकि इस चुनाव में उनकी पत्नी को करारी हार भी मिली.

पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की मिली धमकी, अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

पटना: पटना सिविल कोर्ट को शुक्रवार को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद कोर्ट की सुरक्षा बढ़ा दी गई है. पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है. कोर्ट में आने-जाने वाले हर व्यक्ति की जांच की जा रही है. हालांकि, अभी तक की जांच में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली है. कोर्ट परिसर में एहतियाती कदम उठाए गए हैं. कोर्ट परिसर में किसी को भी प्रवेश की अनुमति नहीं है. इससे पहले जनवरी 2024 में पटना हाईकोर्ट को भी इसी तरह बम से उड़ाने की धमकी मिली थी. पटना की एएसपी दीक्षा कुमारी ने कहा कि पटना सिविल कोर्ट को सुबह में एक धमकी भरा मेल मिला था. मेल में लिखा था कि कोर्ट में बम रखा गया है. कोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था मौके पर है, कोर्ट से लोगों को बाहर निकाला गया है. जांच की जा रही है. डॉग स्क्वॉड, बम निरोधक दस्ता और एटीएस भी मौके पर है. जांच चल रही है. संभवत: यह फर्जी मेल था. बम की धमकी मिलने के बाद पुलिस की टीमें और बम निरोधक दस्ते को घटना की जानकारी दे दी गई है. पीरबहोर थाने की पुलिस मौके पर है और अन्य पुलिस अधिकारी भी कोर्ट पहुंचे हैं. मामले की जांच शुरू हो गई है. सुरक्षा उपायों के तहत डॉग स्क्वायड को भी तैनात किया गया है. पटना सिविल कोर्ट को बम से उड़ाने की यह धमकी असम के गुवाहाटी हाईकोर्ट को इसी तरह की धमकी भरे मेल मिलने के तीन दिन बाद आई है. उस बम की धमकी ईमेल के जरिए भेजी गई थी, जिसमें दावा किया गया था कि पूरे परिसर को उड़ाने के लिए विस्फोटक रखे गए हैं. यह मेल खुद को 'मद्रास टाइगर्स' कहने वाले एक संगठन ने भेजा था. हालांकि, इसके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है. यह धमकी एक फर्जीवाड़ा निकली.

बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 सहित 34 एजेंडों पर मुहर

पटना: मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार संपन्न मंत्रिमंडल की बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बड़ा फैसला लिया है. मौखिक सहमति के आधार पर पूर्व में किए गए बदलैन को भी अब आधार माना जायेगा. इसके लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 की स्वीकृति के साथ कुल 34 एजेंडों पर मुहर लगाई है. बिहार कैबिनेट ने आज 25 अप्रैल की बैठक में बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त (संशोधन) नियमावली 2025 की स्वीकृति दी है. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के एजेंडा में बताया गया है कि बिहार में रैयती एवं अन्य प्रकार की भूमि का नया अधिकार अभिलेख (खतियान) एवं भू मानचित्र (नक्शा) निर्मित किया जा रहा है. भूमि के सर्वेक्षण एवं बंदोबस्ती के क्रम में यह महसूस किया गया है कि सर्वेक्षण में 100 फीसदी शुद्धता, पारदर्शिता एवं गतिशीलता सुनिश्चित करना जरूरी है. इसके लिए बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त संशोधन नियमावली 2012 के अंतर्गत खानापूरी दल को अन्य तथ्यों के साथ-साथ मौखिक सहमति के आधार पर पूर्व से क्रियान्वित बदलैन को भी आधार मानने संबंधी प्रावधान किया जाना उचित है. ऐसे में बिहार विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त संशोधन नियमावली 2025 की स्वीकृति दी जाती है. नीतीश कैबिनेट की बैठक मे पर्यटन विभाग के अंतर्गत में मां सीता का मंदिर से जुड़ा महत्वपूर्ण फैसला लिया गया. सीतामढ़ी जिले में अवस्थित मां सीता की जन्मस्थली, पुनौराधाम के श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या के अनुरूप समग्र विकास हेतु डिजाईन कन्सलटेंट के रूप में मेसर्स डिजाईन एसोसिएट्स इन्कॉरपोरेटेड, नोएडा का मनोनयन के आधार पर चयन किये जाने की स्वीकृति कैबिनेट ने प्रदान की है. आज की बैठक में कई विभागों में सरकार ने नए पद सृजित किए हैं. नगर विकास विभाग में एकीकृत शहरी अभियंत्रण संगठन के 71 कार्यालयों के सुचारू रूप से संचालन के लिए 663 विभिन्न कोटि के गैर तकनीकी पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है. इस पर प्रतिवर्ष 35 करोड़ 27 लाख 48 344 रू खर्च होंगे. राज्य के उपभोक्ताओं को बिजली बिल पर सब्सिडी देने के लिए 15,995 करोड़ रुपये के अनुदान पर मुहर लगाई गई. वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए यह मंजूरी दी गई. महाधिवक्ता कार्यालय में 34 स्थाई पद तथा संविदा आधारित 6 पद कुल 40 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है. राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में अपर जिला भू अर्जन पदाधिकारी के 104 पद एवं राजस्व अधिकारी सह कानूनगो (भू अर्जन) के 81 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गई है. बिहार खेल विश्वविद्यालय राजगीर में विभिन्न कोटि के 244 नए पदों का सृजन किया गया है. मुख्यमंत्री की यात्रा के दौरान जो वादे किए गए थे, उनके अनुसार बिहार के 8 जगहों (मधुबनी, गोरौल, शाम्हों, इमामगंज, अधौरा, कटोरिया, असरगंज और चकाई) में नए डिग्री कॉलेज खोले जाएंगे. इन कॉलेजों के लिए कुल 526 पदों को मंजूरी दी गई है. इनमें से 422 पद शिक्षक वर्ग के होंगे (हर कॉलेज में एक प्रिंसिपल यानी प्रधानाचार्य भी शामिल), और 104 पद गैर-शिक्षक (शिक्षकेत्तर) स्टाफ के होंगे. पश्चिम चंपारण के सिकटा अंचल के तत्कालीन अंचल अधिकारी रमन राय जो वर्तमान में किशनगंज में सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी थे, उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है. मधुबनी, वीरपुर, मुंगेर, वाल्मिकीनगर, भागलपुर और सहरसा में हवाई अड्डा बन सकता या नहीं इसके अध्ययन कराया जाएगा. इस काम के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण नई दिल्ली को चुना गया है. इसलिए कुल 2,43,17,676 की राशि दी गई है.

यूपी बोर्ड : हाईस्कूल में जालौन से यश प्रताप सिंह एवं इण्टर में प्रयागराज की महक जायसवाल ने किया टॉप

हाईस्कूल में बालक 86.66 व बालिका 93.87, इण्टर में बालक 76.60 व बालिका 86.37 प्रतिशत

- हाईस्कूल में 90.11 एवं इण्टर में 81.15 प्रतिशत छात्र रहे उत्तीर्ण

प्रयागराज: उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की संचालित हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षा 2025 का परिणाम घोषित कर दिया गया है. शुक्रवार को माध्यमिक शिक्षा निदेशक-सभापति डॉ महेन्द्र देव एवं यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बोर्ड मुख्यालय पर घोषित किया. इस साल हाईस्कूल में कुल 90.11 प्रतिशत तथा इण्टर में 81.15 प्रतिशत छात्र उत्तीर्ण हुए हैं. दसवीं में जालौन के यश प्रताप सिंह एवं एवं इण्टर में प्रयागराज की महक जायसवाल ने टॉप किया है. निदेशक ने बताया कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा 24 फरवरी से 12 मार्च तक कुल 8140 परीक्षा केन्द्रों पर हुई थी. इस वर्ष 54,37,233 परीक्षार्थियों ने हाईस्कूल और इंटरमीडिएट पंजीकरण कराया था. जिसमें 10वीं में 25,45,815 एवं 12वीं में 25,98,560 छात्र-छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हुए. यूपी बोर्ड ने कापियों का मूल्यांकन 261 केन्द्रों पर 19 मार्च से 02 अप्रैल के बीच कापियों का मूल्यांकन हो गया था. यूपी बोर्ड सचिव ने बताया कि हाईस्कूल में 13,27,024 बालक तथा 12,18,791 बालिकाओं ने परीक्षा दी थी. जिसमें से 11,49,984 बालक तथा 11,44,138 बालिकाएं उत्तीर्ण हुए हैं. बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 86.66 एवं बालिकाओं का 93.87 प्रतिशत है. हाईस्कूल उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कुल 92,594 परीक्षकों ने किया था. उन्होंने बताया कि इसी प्रकार इण्टरमीडिएट परीक्षा में कुल 25,98,560 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए. जिसमें 13,87,263 बालक एवं 12,11,297 बालिकाएं हैं. बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 76.60 तथा बालिकाओं का 86.37 प्रतिशत है. इण्टरमीडिएट उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कुल दो चरणों में 18,964 परीक्षकों ने किया था.

जेल में रहकर परीक्षा देने वालों का भी परिणाम उत्साहजनक

हाईस्कूल में 96.81 प्रतिशत एवं इंटर में 86.67 प्रतिशत उत्तीर्ण

प्रयागराज: जेल में रहकर भी अपने को संतुलित कर अध्ययन करना बड़ी बात होती है, लेकिन हमारे प्रदेश में होनहारों की कमी नहीं है. जेल में विद्यार्थियों ने भी यूपी बोर्ड की परीक्षा दी और उनका रिजल्ट काफी उत्साहजनक रहा. हाईस्कूल का परीक्षा परिणाम 96.81 एवं इंटरमीडिएट 86.67 प्रतिशत रहा. यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि हाईस्कूल की परीक्षा में कुल 23 जेलों में परीक्षा करायी गयी थी. जिसमें 94 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया एवं परीक्षा दी. उसमें 91 विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए, जिनका उत्तीर्ण प्रतिशत 96.81 रहा. वहीं इण्टरमीडिएट की आयोजित परीक्षा में कुल 24 जेलों में परीक्षा करायी गयी. जिसमें 105 ने पंजीकरण कराया और परीक्षा दी, जिसमें से 91 उत्तीर्ण हुए. जिनका उत्तीर्ण प्रतिशत 86.67 प्रतिशत रहा. जेल में निरुद्ध कैदियों में सबसे ज्यादा पंजीकृत विद्यार्थी आगरा के रहे. हाईस्कूल में जहां 17 छात्र रहे वहीं इण्टर की परीक्षा में 21 छात्र रहे.

मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई : मुख्यमंत्री

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को एक्स के माध्यम से कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की 10 वीं एवं 12 वीं कक्षा की परीक्षाओं में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को हार्दिक बधाई है. आप सभी ने अपने अथक परिश्रम, अनुशासन और दृढ निश्चय से यह सफलता प्राप्त की है. यह उपलब्धि आपके अभिभावक एवं गुरुजनों को गौरवान्वित करने वाली है. आप सभी को उज्ज्वल भविष्य हेतु अनंत शुभकामनाएं है.

ट्रक और मिक्चर मशीन की टक्कर, चालक की मौत

मीरजापुर: पड़री थाना क्षेत्र में हाईवे पर गुरुवार की रात मरम्मत कार्य में लगी मिक्चर मशीन से मसाला गिराने का काम हो रहा था. इसी दौरान बनारस से मीरजापुर की ओर आ रही एक 14 चक्का ट्रक की मिक्चर मशीन से टकरा गया. टक्कर के बाद ट्रक में आग लग गई और वह धूं-धूं कर जलने लगा. इस भीषण हादसे में ललितपुर जिले के मड़बरा थाना निवासी ट्रक चालक सुरेंद्र (38) पुत्र अशोक विश्वकर्मी मौके पर ही जलकर मौत हो गई. वहीं ट्रक में खलासी छोटा भाई पवन विश्वकर्मा (30) गंभीर रूप से झुलस गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह आग पर काबू पाया. मृतक के शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, जबकि गंभीर रूप से झुलसे पवन को उपचार के लिए मंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया. प्रभारी निरीक्षक पड़री ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि ट्रक बनारस से टिन की चादर लादकर मीरजापुर की तरफ आ रहा था. मरम्मत कार्य के चलते ट्रक और मिक्चर मशीन के बीच भीषण टक्कर हो गई.

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का शुद्ध लाभ मार्च में 23 प्रतिशत बढ़कर 1,493 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024-25 की जनवरी-मार्च तिमाही में 23 प्रतिशत बढ़कर 1,493 करोड़ रुपये हो गया. पुणे स्थित बैंक का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 1,218 करोड़ रुपये रहा था. बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 7,711 करोड़ रुपये हो गई, जो 2023-24 की समान तिमाही में 6,488 करोड़ रुपये थी. बैंक की ब्याज आय आलोच्य तिमाही में बढ़कर 6,731 करोड़ रुपये हो गई, जो 2023-24 की समान तिमाही में 5,467 करोड़ रुपये थी. बैंक के निदेशक मंडल ने पिछले वित्त वर्ष के लिए 1.5 रुपये प्रति शेयर यानी 15 प्रतिशत का लाभांश देने की सिफारिश की है. बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (जीएनपीए) 31 मार्च तक घटकर सकल अग्रिमों का 1.74 प्रतिशत रह गईं, जो मार्च 2024 के अंत तक 1.88 प्रतिशत थीं. बैंक का शुद्ध एनपीए भी कुल कर्जों के 0.25 प्रतिशत से घटकर 0.18 प्रतिशत रह गया.

श्रीराम फाइनेंस ने एफडी पर ब्याज दरें संशोधित कीं

नयी दिल्ली: श्रीराम ग्रुप की प्रमुख कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड (एसएफएल) ने विभिन्न परिपक्वता अवधि वाली सावधि जमाओं (एफडी) पर ब्याज दरों में संशोधन कर दिया है. नई दरें दो मई, 2025 से प्रभावी होंगी. कंपनी ने एक बयान में कहा कि जमा/नवीनीकरण के समय 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को प्रति वर्ष अतिरिक्त 0.50 प्रतिशत ब्याज मिलेगा जबकि महिला निवेशकों को सालाना 0.10 प्रतिशत अतिरिक्त ब्याज मिलेगा. एसएफएल ने कहा कि वह सभी नवीनीकरणों पर प्रति वर्ष 0.25 प्रतिशत का अतिरिक्त ब्याज देगी. श्रीराम फाइनेंस ने 12 महीने की परिपक्वता अवधि वाली जमा पर सालाना 7.65 प्रतिशत, 24 महीने की परिपक्वता वाली जमा पर 7.90 प्रतिशत और 36 महीने की जमा पर 8.40 प्रतिशत का सालाना ब्याज देने की घोषणा की है. कंपनी ने कहा कि 15 महीने की परिपक्वता वाली सिर्फ डिजिटल माध्यम वाली जमा योजना पर सालाना 7.90 प्रतिशत ब्याज मिलेगा. सावधि जमा को रेटिंग एजेंसी इक्रा ने 'एए-प्लस (स्थिर)' और इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने 'आईएनडी एए-प्लस/स्थिर' रेटिंग दी है. जमा राशि 1,000 रुपये के गुणकों में स्वीकार की जाएगी, जो न्यूनतम 5,000 रुपये की राशि के अधीन होगी.

कारोबार

एक्सिस बैंक में बिकवाली, भारत-पाक तनाव से शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन गिरा

मुंबई: एक्सिस बैंक में बिकवाली और भारत-पाक सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच शुक्रवार को स्थानीय शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांकों सेंसेक्स और निफ्टी में खासी गिरावट दर्ज की गई. बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती बढ़त को गंवाते हुए 588.90 अंक यानी 0.74 प्रतिशत टूटकर 79,212.53 अंक पर बंद हुआ. कारोबार के दौरान एक समय यह 1,195.62 अंक टूटकर 78,605.81 अंक पर आ गया था. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के सूचकांक निफ्टी में दूसरे दिन भी गिरावट जारी रही और यह 207.35 अंक यानी 0.86 प्रतिशत गिरकर 24,039.35 अंक पर बंद हुआ. जियोजित इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारत-पाक सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच निवेशकों ने सतर्क धारणा बना ली है. ऊंचे मूल्यांकन और तिमाही नतीजों की सुस्त शुरुआत के चलते मिडकैप एवं स्मॉलकैप शेयरों में बिकवाली देखी गई. सेंसेक्स के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, इटरनल (जोमैटो), बजाज फिनसर्व, पावर ग्रिड, मारुति, बजाज फाइनेंस, टाटा मोटर्स, टाटा स्टील और एनटीपीसी में सबसे अधिक गिरावट हुई. दूसरी तरफ, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए. एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अजय गर्ग ने कहा कि शुक्रवार को निफ्टी के उच्च स्तर पर खुलने के बावजूद पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव के कारण सूचकांक में गिरावट देखी गई. गर्ग ने कहा, भू-राजनीतिक तनाव के साथ ही निवेशकों के मुनाफावसूली करने से भी बाजार में गिरावट बढ़ी. एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्केई और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़कर बंद हुए. चीन का शंघाई कंपोजिट मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ. यूरोप के बाजार दोपहर के सत्र में बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे. अमेरिकी बाजार बृहस्पतिवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे. शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बृहस्पतिवार को 8,250.53 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे. वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.50 प्रतिशत गिरकर 66.24 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया.

मारुति सुजुकी का शुद्ध लाभ मार्च तिमाही में एक प्रतिशत घटकर 3,911 करोड़ रुपये पर

नयी दिल्ली: अग्रणी वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया का एकीकृत शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में खर्च बढ़ने के कारण एक प्रतिशत घटकर 3,911 करोड़ रुपये रह गया. देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी का शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 3,952 करोड़ रुपये रहा था. मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि बीती तिमाही में उसकी कुल आमदनी बढ़कर 40,920 करोड़ रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में 38,471 करोड़ रुपये रही थी. समूचे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 7.5 प्रतिशत बढ़कर 14,500 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 13,488 करोड़ रुपये था. पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की आमदनी बढ़कर 1,52,913 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 1,41,858 करोड़ रुपये थी. कंपनी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष की मार्च तिमाही के दौरान उसका कुल खर्च 8.5 प्रतिशत बढ़कर 37,585 करोड़ रुपये हो गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में 34,624 करोड़ रुपये था. कंपनी ने कहा कि मार्च तिमाही में एकल आधार पर उसका शुद्ध लाभ घटकर 3,711 करोड़ रुपये रह गया, जबकि एक साल पहले समान तिमाही में यह 3,878 करोड़ रुपये था. एमएसआई ने कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी शुद्ध बिक्री बढ़कर 38,849 करोड़ रुपये हो गई, जबकि 2023-24 की इसी अवधि में यह 36,697 करोड़ रुपये थी. कंपनी ने कहा कि जनवरी-मार्च की अवधि में उसने 6,04,635 इकाइयों की बिक्री की, जो किसी भी तिमाही में अब तक की सर्वाधिक बिक्री है. मारुति सुजुकी ने कहा कि उसकी घरेलू बिक्री में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि निर्यात में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई. इस तरह कुल वृद्धि 3.5 प्रतिशत रही. प्रमुख वाहन कंपनी ने कहा कि चौथी तिमाही में घरेलू बिक्री 5,19,546 इकाई और निर्यात 85,089 इकाई रही. कंपनी ने कहा कि एकल आधार पर शुद्ध लाभ वित्त वर्ष 2024-25 में छह प्रतिशत बढ़कर 13,955 करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर रहा, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 13,209 करोड़ रुपये था. एमएसआई की शुद्ध बिक्री पिछले वित्त वर्ष में 7.5 प्रतिशत बढ़कर 1,45,115 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 में 1,34,938 करोड़ रुपये थी. कार विनिर्माता ने कहा कि उसने वित्त वर्ष के दौरान कुल 22,34,266 वाहन बेचे, जिसमें घरेलू बाजार में 19,01,681 इकाइयां बिकीं और 3,32,585 गाड़ियों का निर्यात किया गया.

सरकार ने जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरणों के लिए नियम अधिसूचित किए

नयी दिल्ली: सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियमों को अधिसूचित कर दिया है जिसमें आवेदनों की अनिवार्य ई-फाइलिंग और मिलेजुले ढंग से सुनवाई का प्रावधान किया गया है. नियमों में यह भी प्रावधान है कि अगर आवेदक दोपहर 12 बजे से पहले कोई अत्यावश्यक मामला दायर करता है और यदि आवेदन सभी मामलों में पूर्ण है, तो उसे अगले कार्य दिवस को ही अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा. कुछ अपवादों में अपीलीय न्यायाधिकरण या अध्यक्ष की विशेष अनुमति से दोपहर 12 बजे के बाद लेकिन दोपहर तीन बजे से पहले किए गए आवेदन को अगले दिन सूचीबद्ध किया जा सकता है. जीएसटी से संबंधित विवादों को सुलझाने के लिए एक महत्वपूर्ण निकाय जीएसटीएटी की पीठें सुबह 10:30 बजे से दोपहर 01:30 बजे तक और दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक बैठेंगी. ये कार्य अवधि अध्यक्ष के किसी भी आदेश के अधीन होंगी. माल और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (प्रक्रिया) नियम, 2025 के अनुसार अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रशासनिक कार्यालय सभी कार्य दिवसों में सुबह 9:30 बजे से शाम छह बजे तक खुले रहेंगे.

सुपरकिंग्स पर सनराइजर्स की पांच विकेट की जीत में चमके हर्षल पटेल

चेन्नई : हर्षल पटेल की तूफानी गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन से सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग में शुक्रवार को यहां अंक तालिका की दो सबसे निचली टीमों की जंग में चेन्नई सुपरकिंग्स को पांच विकेट से हराकर प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीद बरकरार रखी. इस हार के बाद सुपरकिंग्स की प्ले ऑफ में जगह बनाने की उम्मीद लगभग खत्म हो गई है. सनराइजर्स की टीम नौ मैच में छह अंक से आठवें जबकि सुपरकिंग्स की टीम इतने ही मैच में चार अंक से 10वें और अंतिम स्थान पर है. सुपरकिंग्स के 155 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सनराइजर्स ने इशान किशन (44), कामिंदु मेंडिस (नाबाद 32) और नितीश कुमार रेड्डी (नाबाद 19) की पारियों से 18.4 ओवर में पांच विकेट पर 155 रन बनाकर जीत दर्ज की. मेंडिस और नितीश ने छठे विकेट के लिए 49 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया. सनराइजर्स की सुपरकिंग्स के खिलाफ चेन्नई में यह पहली जीत है. सुपरकिंग्स ने मौजूदा सत्र में अपने घरेलू मैदान पर अब तक चारों मैच गंवाए हैं. हर्षल (28 रन पर चार विकेट), कप्तान पैट कमिंस (21 रन पर दो विकेट) और जयदेव उनादकट (21 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने सुपरकिंग्स ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और टीम 19.5 ओवर में 154 रन पर सिमट गई. सुपरकिंग्स की ओर से डेवाल्ड ब्रेविस ने 25 गेंद में चार छक्कों और एक चौके से सर्वाधिक 42 रन बनाए. युवा सलामी बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने 19 गेंद में छह चौकों से 30 रन की पारी खेली. इन दोनों के अलावा दीपक हुड्डा (22) और रविंद्र जडेजा (21) ही 20 रन के आंकड़े को पार कर पाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरे सनराइजर्स ने पारी की दूसरी ही गेंद पर अभिषेक शर्मा (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने खलील अहमद की गेंद पर आयुष को कैच थमाया. ट्रेविस हेड (19) ने खलील पर चौके से खाता खोला और फिर अंशुल कंबोज पर दो चौके मारे. इशान किशन ने कंबोज पर चौका जड़ने के बाद खलील पर लगातार दो चौके मारे. अंशुल ने हेड को बोल्ड करके सनराइजर्स को दूसरा झटका दिया. टीम ने पावर प्ले में दो विकेट पर 37 रन बनाए. किशन ने सैम कुरेन पर चौके के साथ आठवें ओवर में टीम के रनों का अर्धशतक पूरा किया लेकिन जडेजा ने अगले ओवर में हेनरिक क्लासेन (07) को हुड्डा के हाथों कैच करा दिया.

अनिकेत वर्मा ने धीमी शुरुआत के बाद कुरेन पर छक्का जड़ा और फिर जडेजा की गेंद को भी दर्शकों के बीच पहुंचाया. किशन ने अगले ओवर में नूर अहमद पर छक्का मारा लेकिन अगली ही गेंद पर कुरेन के हाथों लपके गए. उन्होंने 34 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और एक छक्का मारा. सनराइजर्स के रनों का शतक 14वें ओवर में पूरा हुआ लेकिन नूर ने इसी ओवर में अनिकेत (19) को पवेलियन भेज दिया. सनराइजर्स को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 41 रन की दरकार थी. मेंडिस ने नूर पर एक जबकि नितीश कुमार रेड्डी ने मथीसा पथिराना पर दो चौके जड़कर गेंद और रन के बीच के अंतर को कम किया. सनराइजर्स को अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 13 रन की जरूरत थी जो उसने आसानी से बना लिए.

इससे पहले कमिंस के टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद सुपरकिंग्स ने मैच की पहली ही गेंद पर शेख रशीद (00) का विकेट गंवा दिया जिन्होंने मोहम्मद शमी (28 रन पर एक विकेट) की गेंद पर स्लिप में अभिषेक को कैच थमा दिया. आयुष एक बार फिर लय में नजर आए. उन्होंने शमी पर चौके से खाता खोलने के बाद कमिंस पर भी दो चौके मारे. आयुष ने उनादकट का स्वागत भी लगातार दो चौकों के साथ किया. हर्षल ने सैम कुरेन (09) को अनिकेत वर्मा के हाथों कैच कराके सुपरकिंग्स को दूसरा झटका दिया. आयुष भी अगले ओवर में कमिंस की गेंद को सीधे इशान किशन के हाथों में खेल गए जिससे सुपरकिंग्स ने पावर प्ले में तीन विकेट पर 50 रन बनाए. जीशान अंसारी की गेंद पर जडेजा भाग्यशाली रहे जब लॉन्ग ऑफ पर हर्षल ने उनका कैच टपका दिया. जडेजा ने जीशान पर छक्का जड़ा लेकिन अगले ओवर में कामिंदु मेंडिस की गेंद पर बोल्ड हो गए. शवम दुबे और ब्रेविस ने इसके बाद पारी को आगे बढ़ाया. दुबे ने शमी पर लगातार दो चौके मारे जबकि सुपरकिंग्स के लिए आईपीएल में पदार्पण कर रहे ब्रेविस ने 12वें ओवर में मेंडिस पर तीन छक्कों के साथ टीम के रनों का शतक पूरा किया. ब्रेविस ने अगले ओवर में हर्षल पर भी छक्का जड़ा लेकिन अगली गेंद पर लॉन्ग ऑफ पर मेंडिस को कैच दे बैठे.

पंजाब की मोर्चे से अगुवाई करने केकेआर के खिलाफ ईडन गार्डंस पर लौटे श्रेयस अय्यर

कोलकाता : एक सत्र पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को खिताब दिलाने वाले श्रेयस अय्यर अब प्लेआफ क्वालीफिकेशन की उसकी राह में सबसे बड़ी बाधा होंगे जब उनकी कप्तानी में पंजाब किंग्स आईपीएल के अहम मैच में शनिवार को ईडन गार्डंस पर मेजबान के खिलाफ उतरेगी. बारह महीने पहले अय्यर की कप्तानी में केकेआर ने एक दशक में पहला आईपीएल खिताब जीता था. शनिवार को वह विरोधी टीम की जर्सी पहनेंगे और आत्मविश्वास से ओतप्रोत पंजाब को प्लेआफ में पहुंचाने की दिशा में अगला कदम बढाने के इरादे से उतरेंगे. केकेआर ने उन्हें रिलीज करके सभी को हैरत में डाल दिया था लेकिन पंजाब किंग्स की कप्तानी अय्यर को रास आ रही है. दिल्ली कैपिटल्स के अपने मेंटोर रिकी पोंटिंग के साथ मिलकर अय्यर ने पंजाब को आठ में से पांच मैच जिताकर अंकतालिका में पांचवें स्थान पर पहुंचा दिया. इस साझेदारी ने अय्यर को आत्मविश्वास के साथ कप्तानी की छूट भी दी जिसके दम पर वह अब तक तीन अर्धशतक समेत 263 रन बना चुके हैं. अब उनका इरादा शतक जड़ने का होगा. अब उनके पास अपने बल्ले से जवाब देने का सुनहरा मौका है जैसे नाबाद अर्धशतक जमाकर केएल राहुल ने अपनी पूर्व

टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स को जीत दिलाकर किया था.

केकेआर आठ में से पांच मैच हार चुका है और एक और हार से प्लेआफ की उसकी राह असंभव हो जायेगी. उसका शीर्षक्रम चल नहीं पा रहा और मध्यक्रम जिम्मेदारी से नहीं खेला. स्पिन आक्रमण अपने गढ ईडन गार्डंस पर नाकाम साबित हुआ है. उसे अगले छह में से पांच मैच हर हालत में जीतने होंगे. केकेआर के मध्यक्रम के बल्लेबाज आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह और रमनदीप फिनिशिंग टच नहीं दे पाये जिससे टीम में बदलाव करना पड़ सकता है. केकेआर अब कैरेबियाई हरफनमौला रोवमैन पॉवेल को उतार सकती है. अंगकृष रघुवंशी को अर्शदीप सिंह और युजवेंद्र चहल जैसे गेंदबाजों की चुनौती का बखूबी सामना करना होगा.

कप्तान अजिंक्य रहाणे को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा जो तेज खेलकर टीम को जीत तक ले जाने में नाकाम रहे हैं . उन्हें चहल से बचकर रहना होगा जिसने पिछले सप्ताह खतरनाक स्पैल डालकर रहाणे, रघुवंशी, रिंकू और रमनदीप के विकेट चटकाये थे. केकेआर की गेंदबाज हर्षित राणा और पंजाब के सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य की टक्कर भी देखने लायक होगी. केकेआर ने इस बार अपने मैदान में चार में से एक ही मैच जीता है . पिच को लेकर क्यूरेटर सुजन मुखर्जी से गैर जरूरी विवाद भी सुर्खियों में रहा है.

न्यूज कॉर्नर

सुपर कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए पंजाब एफसी का सामना एफसी गोवा से

भुवनेश्वर: पिछले मैच में शानदार जीत से आत्मविश्वास से लबरेज पंजाब एफसी की टीम शनिवार को यहां सुपर कप क्वार्टरफाइनल में मजबूत एफसी गोवा को हराकर इसी लय को जारी रखने की उम्मीद करेगी. पंजाब ने ओडिशा एफसी को 3-0 से जबकि एफसी गोवा ने आई लीग टीम गोकुलम केरला एफसी को इसी अंतर से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई थी. पंजाब एफसी के मुख्य कोच पनागियोटिस डिलम्पेरिस ने विज्ञप्ति में कहा, हमने ओडिशा के खिलाफ मैच में जोखिम लिया और उन्हें गोल में तब्दील किया. ओडिशा ने भी कई मौके बनाये और वे हमें दबाव में रखना चाहते थे. हम गोवा के खिलाफ कल के मैच में हम इसका दोहराव नहीं होने देंगे. इंडियन सुपर लीग सत्र में एफसी गोवा ने पंजाब एफसी को गोवा में 2-1 से और नयी दिल्ली में 1-0 से मात दी थी. पंजाब की टीम इस रिकॉर्ड को तोड़ना चाहेगी और अपनी प्रतिद्वंद्वी को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाना चाहेगी.

पाकिस्तान को 2023 दौरे के लिए भुगतान न करने के कारण अजलान शाह कप के लिए आमंत्रित नहीं किया गया

कराची: मलेशिया हॉकी महासंघ ने जोहर हॉकी संघ को 10,349 अमेरिकी डॉलर के बकाये का भुगतान नहीं करने के कारण पाकिस्तान को वार्षिक अजलान शाह कप के लिए आमंत्रित नहीं किया है. पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) के एक सूत्र ने कहा कि जोहर संघ ने पीएचएफ को आधिकारिक पत्र भेजा है जिसमें अक्टूबर 2023 में टीम के साथ मलेशिया गए पीएचएफ अधिकारियों और उनके परिवारों के आवास, यात्रा और अन्य खर्चों के लिए भुगतान की जाने वाली राशि के बारे में सख्त लहजे में बताया गया है. पाकिस्तान की टीम जोहर हॉकी कप खेलने के लिए मलेशिया गई थी और पीएचएफ के कुछ अधिकारी और उनके परिवार भी टीम के साथ गए थे. एक सूत्र ने बताया, टीम के ठहरने और अन्य खर्चों का वहन आयोजकों ने उठाया था, लेकिन पीएचएफ के अधिकारियों को बता दिया गया था कि उन्हें अपने सभी खर्च खुद ही उठाने होंगे. ये अधिकारी भी उसी आलीशान होटल में रुके थे जहां टीमें ठहरी हुई थीं. इसमें पीएचएफ के पूर्व अध्यक्ष भी शामिल थे. जोहर संघ ने पहले ही इस मुद्दे को मलेशिया महासंघ के समक्ष उठाया है और धमकी दी है कि अगर बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया तो वे इस मामले को एफआईएच (अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ) के समक्ष ले जाएंगे. सूत्र ने कहा, पीएचएफ के मौजूदा अध्यक्ष और उनकी टीम इस मामले को लेकर परेशानी में है, क्योंकि महासंघ पहले से ही आर्थिक तंगी से जूझ रहा है और उन्हें पीएचएफ के पूर्व अधिकारियों द्वारा किए गए इन खर्चों के बारे में जानकारी नहीं थी. सुल्तान अजलान शाह कप का आयोजन 22 से 29 नवंबर तक इपोह में होना है.

उलटफेर का शिकार होने से बची स्वियातेक, गाफ

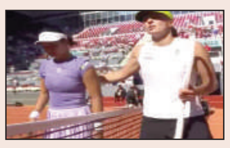

मैड्रिड: पिछले महीने मियामी में फिलीपीन की अलेक्जेंड्रा इयाला के हाथों क्वार्टर फाइनल हारने वाली दुसरी रैंकिंग वाली इगा स्वियातेक एक बार फिर उलटफेर का शिकार होने से बची और इसे 19 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी को 4-6, 6-4, 6-2 से हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस के दूसरे दौर में पहुंच गई . गत चैम्पियन स्वियातेक की नजरें इस सत्र में पहले फाइनल में पहुंचने पर लगी हैं . रफेल नडाल अकादमी की फ्रांसिस्का इयाला ने मियामी में स्वियातेक को सीधे सेटों में हराया था. वहीं कोको गाफ ने खराब शुरूआत से उबरते हुए डायना यस्त्रेम्स्का को 0-6, 6-2, 7- 5 से हराया. अब उनका सामना अमेरिका की ही अन ली से होगा जिन्होंने लैला फर्नांडिस को 6-4, 3-6, 6-4 से मात दी. सातवीं रैंकिंग वाली मिर्रा आंद्रीवा ने मैरी बूजकोवा को 6-3, 6-4 से हराया जबकि ब्राजील की बिया हडाड मेइया ने बर्नार्ड पेरा को 2-6, 6-3, 6-1 से मात दी. पुरूष वर्ग में दुनिया के पूर्व नंबर चार खिलाड़ी केइ निशिकोरि ने अलेक्जेंडर बुकिच को 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर दूर पर 450वीं जीत दर्ज की. अब वह डेनिस शापोवालोव से खेलेंगे.

खुशी, टीकम एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंचे

अम्मान (जॉर्डन): खुशी चंद और टीकम सिंह यहां एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में जगह पक्की करने वाले भारतीय मुक्केबाजों में शामिल है. अबू धाबी में 2024 एशियाई स्कूल लड़कों और लड़कियों की मुक्केबाजी चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता खुशी (46 किग्रा) ने क्वार्टर फाइनल के एकतरफा मुकाबले में वियतनाम की गुयेन थी होंग येन को शिकस्त दी. टीकम (52 किग्रा) ने अपने अंतिम-आठ मुकाबले में फिलिस्तीन के ओथमान डायब को हराया. पुरुषों के वर्ग में अंबेकर मेताई (48 किग्रा), उदम सिंह (54 किग्रा) और राहुल गारिया (57 किग्रा) ने अपने-अपने वजन वर्ग में 5-0 की प्रभावशाली जीत दर्ज की. अमन देव (50 किग्रा) ने जॉर्डन के ओसामा अल-खालदी को करीबी मुकाबले में 3-2 से मात दी. जिया (48 किग्रा) ने वियतनाम की थी रू ना दिन्ह को 5-0 जबकि जन्नत ने यूक्रेन की अनहेलिना रुमियांत्सेवा को 4-1 से हराया.

भारतीय-अमेरिकी गोल्फर थिगाला और राय की जोड़ी ज्यूरिख क्लासिक में संयुक्त 13वें स्थान पर

अवोनडेल (अमेरिका): भारतीय-अमेरिकी गोल्फर साहित थिगाला और आरोन रॉय की जोड़ी ने यहां ज्यूरिख क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट के पहले दिन नौ अंडर के कार्ड खेले जिससे दोनों संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर बने हुए हैं. यह जोड़ी इसाइया सालिंडा और केविन वेलो से पांच शॉट से पीछे थे जिन्होंने कुल 14 अंडर का कार्ड खेला. मास्टर्स चैंपियन रोरी मैकलरॉय 'ग्रीन जैकेट' जीतने के बाद पहली बार खेल रहे हैं, उन्होंने शेन लॉरी के साथ जोड़ी बनाकर आठ अंडर 64 का कार्ड बनाया. अक्षय भाटिया और कार्सन यंग की एक अन्य भारतीय-अमेरिकी जोड़ी कुल आठ अंडर के कार्ड से संयुक्त 18वें स्थान पर बनी हुई है.

एनसी क्लासिक में नदीम को न्योता देने से नफरत और अपमान झेल रहा हूं : नीरज

नई दिल्ली: भारत के भालाफेंक चैम्पियन नीरज चोपड़ा ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान के भालाफेंक खिलाड़ी अरशद नदीम को बेंगलुरू में अगले महीने होने वाले नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेने का न्योता देने पर उन्हें नफरत और अपमान झेलना पड़ रहा है हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद ओलंपिक चैम्पियन नदीम का यहां खेलने के सवाल ही पैदा नहीं होता. तोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण और पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले चोपड़ा ने कहा कि वह यह देखकर दुखी है कि सोशल मीडिया पोस्ट में उनकी ईमानदारी पर सवाल उठाये जा रहे हैं और उनके परिवार को भी अपशब्द कहे जा रहे हैं . चोपड़ा ने नदीम को 24 मई को बेंगलुरू में होने वाले पहले नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेने के लिये बुलाया था . नदीम ने पेरिस ओलंपिक में चोपड़ा को हराकर स्वर्ण पदक जीता था . नदीम ने मसरूफियत का हवाला देकर न्योता ठुकरा दिया था . चोपड़ा ने सोशल मीडिया पर लंबी पोस्ट में लिखा , नीरज चोपड़ा क्लासिक में भाग लेने के लिये अरशद नदीम को मेरे निमंत्रण पर काफी बातें हो रही है और ज्यादातर घृणा और अपमानजनक है.

उन्होंने मेरे परिवार को भी नहीं छोड़ा. उन्होंने लिखा, मैं आम तौर पर ज्यादा बोलता नहीं हूं लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि मैं गलत के खिलाफ नहीं बोलूंगा. वह भी तब जब हमारे देश के लिये मेरे प्यार पर सवाल उठाये जा रहे हैं और मेरे परिवार के सम्मान का सवाल है.

चोपड़ा ने कहा कि निमंत्रण पहलगाम पर आतंकवादी हमले से दो दिन पहले सोमवार को भेजा गया. पहलगाम हमले में 26 लोगों की मौत हो गई जिसमें अधिकांश पर्यटक थे. चोपड़ा ने कहा , मैंने अरशद को जो न्योता भेजा, वह एक खिलाड़ी से दूसरे खिलाड़ी को था. इससे ज्यादा या कम कुछ नहीं. नीरज चोपड़ा क्लासिक का मकसद भारत से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को सामने लाना और हमारे देश में विश्व स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन करना है. उन्होंने लिखा, सभी खिलाड़ियों को पहलगाम में आतंकवादी हमले से दो दिन पहले सोमवार को न्योते भेजे गए . उन्होंने लिखा कि पिछले दो दिन में जो कुछ हुआ, उसके बाद नदीम के खेलने का सवाल ही नहीं था. उन्होंने लिखा, पिछले 48 घंटे में जो हुआ, उसके बाद एनसी क्लासिक में अरशद के खेलने का सवाल ही नहीं था . मेरे देश और उसके हित हमेशा सर्वोपरि है . मेरी संवेदनायें और प्रार्थनायें उन लोगों के साथ है जिन्होंने अपनों को खोया है . पूरे देश के साथ मैं भी दुखी और खफा हूं. उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि हमारे देश का जवाब एक राष्ट्र के रूप में हमारी शक्ति दिखा देगा और इंसाफ होगा.

सेना से जुड़े चोपड़ा ने कहा, मैं इतने साल से गर्व से अपने देश का प्रतिनिधित्व कर रहा हूं और मेरी ईमानदारी पर सवाल उठने से मैं दुखी हूं. मुझे दुख है कि मुझे उन लोगों के सामने सफाई देनी पड़ रही है जो मुझे और मेरे परिवार को अकारण निशाना बना रहे हैं. उन्होंने कहा, हम सीधे सादे लोग हैं . हमें और कुछ मत बनाइये. मेरे बारे में मीडिया में मनगढंत बातें कही जा रही है . सिर्फ इसलिये कि मैं बोलता नहीं हूं, इसके यह मायने नहीं है कि यह सच है. चोपड़ा ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीतने के बाद नदीम को अपना ही बच्चा बताने वाली उनकी मां के बयान को लेकर कैसे लोगों के मत बदल गए. उन्होंने कहा, मुझे समझ में नहीं आ रहा कि लोगों के सुर कैसे बदल जाते हैं . जब मेरी सीधी सादी मां ने एक साल पहले एक मासूम सा बयान दिया तो हर जगह तारीफ हो रही थी. आज लोग उसी बयान को लेकर उन्हें निशाना बना रहे हैं. उन्होंने लिखा, मैं और भी मेहनत करूंगा ताकि दुनिया भारत को याद रखे और इसे सम्मान के भाव से देखे.

हेजलवुड डब्ल्यूटीसी फाइनल की टीम में जगह के लिए बोलैंड से अधिक दावेदार :रवि शास्त्री

दुबई : भारत के पूर्व क्रिकेटर और कोच रवि शास्त्री ने कहा कि जून में लॉर्ड्स मैदान पर खेले जाने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया को स्कॉट बोलैंड की जगह अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को चुनना चाहिए क्योंकि दिग्गज ग्लेन मैकग्रा की तरह गेंदबाजी करने वाला यह लंबे कद का खिलाड़ी इंग्लैंड की परिस्थितियों का बेहतर तरीके से उपयोग कर पाएगा. टीम में तेज गेंदबाजी विभाग में कप्तान पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की जगह लगभग पक्की है. ये दोनों अगर फिट रहे तो तीसरे तेज गेंदबाज के नाम के लिए चर्चा हो सकती है. गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के सामने 11 से 15 जून तक लॉर्ड्स में खेले जाने वाले डब्ल्यूटीसी फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की चुनौती होगी. इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के तीन तेज गेंदबाजों और नाथन लियोन के रूप में एक स्पिनर के साथ उतरने की संभावना है. ऑस्ट्रेलिया के पास हरफनमौला बीयू वेबस्टर को एकादश में शामिल करने का विकल्प भी है, तीसरे तेज गेंदबाज के लिए हेजलवुड और बोलैंड के बीच चयन होने की संभावना है. शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू पर कहा, यह बहुत कठिन विकल्प होगा, अगर हेजलवुड फिट होते हैं, तो उन्हें बोलैंड के मुकाबले तरजीह मिलनी चाहिए.

हेजलवुड अपने करियर में कई बार

चोटिल होने के कारण टीम से बाहर रहे है. वह चोट के कारण भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेली गयी बॉर्डर गावस्कर श्रृंखला के पांच मैचों में से तीन में नहीं खेल पाये थे. ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला को 3-1 से जीता था. वह इसके बाद श्रीलंका दौरे और चैंपियंस ट्रॉफी में भी टीम का हिस्सा नहीं थे. इस 34 साल के खिलाड़ी ने इंडियन प्रीमियर लीग में वापसी की और शानदार लय में है. उन्होंने बृहस्पतिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ चार विकेट झटक कर टीम को यादगार जीत दिलाई.

शास्त्री ने कहा, हेजलवुड अगर पूरी तरह से फिट है तो दो वजहों से उन्हें टीम में जगह मिलनी चाहिये. पहला इंग्लैंड की परिस्थितियां उन्हें रास आयेंगी और दूसरा उनके पास मैकग्रा की तरह गेंदबाजी (एक ही लाइन लेंथ की गेंद से बल्लेबाजों को परेशान करना) करने की क्षमता है. उन्होंने कहा, लॉर्ड्स की पिच पर एक तरफ से ढलान है और कमेंट्री बॉक्स वाले छोर से गेंदबाजी करते समय में हमें मैक्ग्रा का रिकॉर्ड देखना चाहिये.

जबलपुर लायंस का नाम जबलपुर रॉयल लायंस किया गया

जबलपुर: मध्य प्रदेश लीग (एमपीएल) टी20 की मौजूदा चैंपियन जबलपुर लायंस आगामी सत्र नयी पहचान और नये विजन (तेवर) के साथ मैदान में उतरने को तैयार है. फ्रेंचाइजी का मालिकाना हक 'इकोनेक्सिस स्पोर्ट्स' के पास आने के बाद इसका नया नाम जबलपुर रॉयल लायंस कर दिया गया है. इकोनेक्सिस के प्रवक्ता ने शुक्रवार को यहां जारी विज्ञप्ति में कहा,फ्रेंचाइजी के प्रबंधन और नाम में बदलाव हुआ है लेकिन हमारा मिशन वही है एक बार फिर एमपीएल टी20 लीग का चैंपियन बनना.

पाकिस्तान की पूर्व कप्तान निदा ने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण राष्ट्रीय चयन से नाम वापस लिया

कराची: पाकिस्तान की महिला टीम की अनुभवी खिलाड़ी निदा डार ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण राष्ट्रीय चयन से नाम वापस ले लिया. पाकिस्तान क्रिकेट में अपनी तरह की इस पहली घटना में राष्ट्रीय महिला टीम की पूर्व कप्तान 39 वर्षीय

निदा ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने क्रिकेट से ब्रेक लिया है. निदा ने लिखा, पिछले कुछ महीनों में मेरे आसपास व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से बहुत कुछ हुआ है, जिसने मेरे मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाला है. मैंने ऐसे में खुद पर ध्यान देने के लिए क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला किया है. मैं सभी से इस दौरान मेरी निजता का सम्मान करने की अनुरोध करती हूं. हरफनमौला निदा पाकिस्तान महिला क्रिकेट में सबसे पहचाने जाने वाले चेहरों में से एक है. निदा ने कहा कि उन्होंने अपनी स्थिति के बारे में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को बता दिया है. निदा ने पाकिस्तान के लिए 270 अंतरराष्ट्रीय (वनडे और टी20) मैच खेले है.

आस्ट्रेलिया दौरे से खुद का आकलन करने में मदद मिलेगी : महिला हॉकी कोच हरेंद्र

पर्थ : भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को कहा कि शनिवार से शुरू हो रहे आस्ट्रेलिया दौरे से टीम को खुद का आकलन करने में मदद मिलेगी और इस दौरे पर भविष्य को ध्यान में रखकर विभिन्न संयोजन आजमाये जायेंगे. सलीमा टेटे की कप्तानी वाली भारतीय टीम 26 और 27 अप्रैल को यहां आस्ट्रेलिया ए से और एक , तीन तथा चार मई को आस्ट्रेलिया की सीनियर टीम से खेलेगी. भारत और आस्ट्रेलिया के बीच अब तक खेले गए 16 मैचों में

से दस आस्ट्रेलिया ने जीते जबकि तीन ड्रॉ रहे हैं. पेरिस ओलंपिक के लिये भारतीय महिला टीम के क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बाद यानेके शॉपमैन की जगह कोच बने हरेंद्र ने कहा, टीम ने बेंगलुरू में कड़ा अभ्यास किया है और इस दौरे से पता चलेगा कि हम कहां ठहरते हैं. हरेंद्र ने कहा, हमारा फोकस खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने का एक्सपोजर देने , टीम की गहराई बढाने और नये संयोजन आजमाने पर है . आस्ट्रेलिया ए और सीनियर आस्ट्रेलिया टीम के खिलाफ उनके मैदान पर खेलने से काफी कुछ सीखने को मिलेगा और हम भविष्य के टूर्नामेंटों के लिये खुद को तैयार कर सकेंगे. भारत ने हाल ही में प्रो लीग में दो जीत दर्ज की और शूटआउट में नीदरलैंड को हराया.

कोरिया में एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भारत की 59 सदस्यीय टीम

नई दिल्ली: भारत ने दक्षिण कोरिया में होने वाली आगामी एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए शुक्रवार को 59 सदस्यीय टीम की घोषणा की. स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा उम्मीद के मुताबिक इस प्रतियोगिता में शामिल नहीं होंगे जबकि कोच्चि में हाल ही में संपन्न फेडरेशन कप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले लगभग सभी खिलाड़ियों को टीम में जगह मिली है. दोहरे ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा का इस प्रतियोगिता में शामिल नहीं होना उम्मीद के मुताबिक ही है क्योंकि इस सत्र में उनका ध्यान डायमंड लीग प्रतियोगिताओं और सितंबर में होने वाली विश्व चैंपियनशिप पर होगा. इसके अलावा एनसी क्लासिक पर भी उनकी नजरें रहेंगी जिसकी मेजबानी वह 24 मई को बेंगलुरु में कर रहे हैं. चोपड़ा ने भुवनेश्वर में 2017 टूर्नामेंट के बाद से इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है जहां उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था. तब से इस दिग्गज भारतीय की नजरें डाइमंड लीग प्रतियोगिताओं, विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक पर रही हैं.

महाद्वीपीय चैंपियनशिप के पिछले सत्र में स्वर्ण पदक जीतने वाले राष्ट्रीय रिकॉर्डधारक गोला फेंक खिलाड़ी तेजिंदरपाल सिंह तूर को फेडरेशन कप में निराशाजनक दूसरे स्थान पर रहने के बाद टीम में जगह नहीं मिली है. पोल वॉल्ट खिलाड़ी देव कुमार मीणा अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार करने के बावजूद टीम में जगह नहीं बना पाए क्योंकि उनका प्रयास भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) द्वारा निर्धारित एशियाई चैंपियनशिप पात्रता स्तर से कम था.

अविनाश साबले (पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज), पारुल चौधरी (महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज) और गुलवीर सिंह (5000 मीटर और 10000 मीटर) जैसे शीर्ष खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया गया है. इन्होंने फेडरेशन कप में हिस्सा नहीं लिया था क्योंकि वे एएफआई की अनुमति लेने के बाद विदेश में प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धा कर रहे थे. गुमी में 27-31 मई तक होने वाली एशियाई चैंपियनशिप के लिए टीम में

धावक अनिमेष कुजूर भी शामिल हैं जिन्होंने 200 मीटर में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया. त्रिकूद खिलाड़ी प्रवीण चित्रावेल को भी टीम में जगह मिली है जिन्होंने फेडरेशन कप के दौरान अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड की बराबरी की थी.

महिलाओं की भाला फेंक स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अन्नू रानी ने मार्च में मुंबई में इंडियन ओपन थ्रो प्रतियोगिता के दौरान 58.82 मीटर के प्रयास के आधार पर टीम में जगह बनाई. यह 32 वर्षीय खिलाड़ी फेडरेशन कप के दौरान एशियाई चैंपियनशिप के 58 मीटर के क्वालीफाइंग स्तर को पार नहीं कर पाई. हालांकि उन्होंने 56.66 मीटर के प्रयास के साथ स्वर्ण पदक जीता. वह पिछले कुछ समय से 60 मीटर के स्तर तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रही हैं. फेडरेशन कप (21-24 अप्रैल) एशियाई चैंपियनशिप के लिए अंतिम चयन प्रतियोगिता थी और एएफआई ने महाद्वीपीय चैंपियनशिप में चयन के लिए छूट हासिल करने वाले खिलाड़ियों को छोड़कर सभी एथलीटों के लिए इस प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा करना अनिवार्य कर दिया था. बैंकॉक में पिछले टूर्नामेंट में भारत छह स्वर्ण, 12 रजत और नौ कांस्य के साथ 27 पदक जीतकर जापान और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रहा था.

भारतीय टीम:

पुरुष: अनिमेष कुजूर (200 मीटर), अनु कुमार और कृष्ण कुमार (800 मीटर), यूनुस शाह (1500 मीटर), अविनाश साबले (3000 मीटर स्टीपलचेज), गुलवीर सिंह और अभिषेक पाल (5000 मीटर), गुलवीर सिंह और सावन बरवाल (10,000 मीटर), प्रवीण चित्रावेल और अबदुल्ला अबुबाकर (त्रिकूद), सर्वेश कुशारे (ऊंची कूद), सचिन यादव और यसवीर सिंह (भाला फेंक थ्रो), समरदीप सिंह (गोला फेंक), तेजस्विन शंकर (डेकाथलन), सर्विन सबेस्टियन और अमित (20 किमी पैदल चाल).

चार गुणा 100 मीटर रिले: प्रणव प्रमोद गुरव, अनिमेष कुजूर, मणिकांत होबलीदार, अमलान बोरगोहेन, तमिलरासु एस, रागुल कुमार जी, गुरविंदरवीर सिंह.

चार गुणा 400 मीटर रिले: विशाल टीके, जय कुमार, मनु टीएस, रिंस जोसेफ, तुषार मन्ना, संतोष कुमार, धर्मवीर चौधरी, मोहित कुमार.

महिलाएं: नित्या गांधे (200 मीटर), रूपल चौधरी और विथ्या रामराज (400 मीटर), ट्विंकल चौधरी और पूजा (800 मीटर), लिली दास और पूजा (1500 मीटर), पारुल चौधरी और अंकिता (3000 मीटर स्टीपलचेज), संजीवनी जाधव और पारुल चौधरी (5000 मीटर), संजीवनी जाधव और सीमा (10,000 मीटर), ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़), आर विथ्या रामराज और अन्नू आर (400 मीटर), शैली सिंह और ऐंसी सोजन (लंबी कूद), पूजा (ऊंची कूद), सीमा (चक्का फेंक), अन्नू रानी (भाला फेंक), अगसारा नंदिनी (हेप्टाथलन).

चार गुणा 100 मीटर रिले: नित्या गांधे, अबिनया राजराजन, स्नेहा एसएस, श्रावणी नंदा, दानेश्वरी एटी, वी सुदीक्षा.

चार गुणा 400 मीटर रिले: रूपल चौधरी, स्नेहा के, सुभा वेंकटेशन, जिस्ना मैथ्यू, कुंजा रजिथा, सरंद्रमोल साबू.

न्यूज कॉर्नर

बहू को पहली बार घर ला रहे परिवार पर टूटा मौत का कहर, मां-बेटे और बहू की मौत, पिता गंभीर घायल

सिरोही: जिले के आबूरोड क्षेत्र में बुधवार रात सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गया. हादसा तब हुआ जब परिवार अपने छोटे बेटे की नवविवाहित पत्नी को पहली बार घर ला रहा था. यह हृदयविदारक दुर्घटना सियावा और सुरपगला गांव के बीच आबूरोड-अंबाजी स्टेट हाईवे स्थित नागतोड़ा घाटी में हुई.तेज गति से आ रही एक कार ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक पर सवार सभी चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए.आबूरोड रीको थाना अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि हादसे का शिकार हुआ परिवार सिरोही जिले के पिंडवाड़ा क्षेत्र स्थित वासा गांव का निवासी है. मृतक भीमाराम जोगी (50) अपनी पत्नी लहरी देवी (47), बड़े बेटे हीरा (27) और छोटे बेटे किरण की नवविवाहिता पत्नी पूजा (22) को गुजरात के अंबाजी से घर लाने गए थे.पूजा और किरण की शादी महज दस दिन पहले ही हुई थी. गुरुवार को पूरा परिवार पूजा को अंबाजी से घर लाने गया था और चारों लोग एक ही बाइक पर लौट रहे थे, तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी.हादसा इतना भीषण था कि लहरी देवी की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं हीरा, भीमाराम और पूजा को गंभीर हालत में सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उन्हें उदयपुर रेफर किया गया. देर रात करीब एक बजे इलाज के दौरान हीरा और पूजा ने भी दम तोड़ दिया. घटना में भीमाराम की हालत नाजुक बनी हुई है और उनका इलाज उदयपुर में जारी है.जिस घर में नई नवेली बहू के स्वागत की तैयारियां हो रही थीं, वहां अब तीन अर्थियां एक साथ उठने की तैयारी हो रही है. हादसे ने पूरे गांव को स्तब्ध कर दिया है. ग्रामीणों ने बताया कि भीमाराम और उनका परिवार मजदूरी करता है और बेहद साधारण जीवन जीता है.पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे की जांच शुरू कर दी है.थाना अधिकारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि कार चालक की पहचान की जा रही है और वाहन को जब्त कर लिया गया है.

नाबालिग की हत्या व दुष्कर्म मामले में युवक को डबल फांसी की सजा

आणंद: खंभात सेशन्स कोर्ट ने दुष्कर्म-हत्या के मामले में शुक्रवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए आरोपित को डबल फांसी की सजा सुनाई है. कोर्ट का यह फैसला न्याय के क्षेत्र में ऐतिहासिक आदेश माना जा रहा है, जो कि पीड़िता और उसके परिवार को न्याय दिलाने के साथ समाज में ऐसे जघन्य अपराध के विरुद्ध सख्त संदेश देता है.कोर्ट ने 7 वर्ष की नाबालिग के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या मामले में आरोपित अर्जुन उर्फ दडो अंबालाल गोहिल को डबल फांसी की सजा सुनाई है. कोर्ट ने आरोपित अर्जुन गोहिल को पोक्सो एक्ट व हत्या के अपराध में दोषी ठहराते हुए यह सजा सुनाई. कोर्ट में दलील दी गई कि इस तरह के केस में फांसी की सजा ही एकलौता विकल्प है. सरकारी वकील रघुवीर पंडया ने कहा कि सेशन जज परवीन कुमार ने आरोपित अर्जुन उर्फ दडो अंबालाल गोहिल को फांसी की सजा सुनाई है. दूसरी ओर मामले में राज्य सरकार के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी का भी बयान आया है. उन्होंने इस केस में पीड़िता और उसके परिवार को न्याय दिलाने में बहुमूल्य भूमिका निभाने वाले पुलिस कर्मचारियों-अधिकारियों को बधाई दी है. इसके साथ ही उन्होंने न्याय तंत्र का भी आभार माना है, जिन्होंने इस गंभीर अपराध में न्याय की तेज और निष्पक्ष प्रक्रिया से फैसला सुनाया.दरअसल, वर्ष 2019 में दिवाली के एक दिन बाद अर्जुन उर्फ दडो अंबालाल गोहिल नाबालिग को पटाखा दिलाने का प्रलोभन देकर अपने साथ ले गया था. इसके बाद आरोपित ने दुष्कर्म के बाद नाबालिग का गला दबाकर हत्या कर दिया था. बाद में नाबालिग का शव खंभात के कामनाथ महादेव मंदिर के पीछे नाले में अर्धनग्न अवस्था में बरामद हुआ था. इस मामले में खंभात ग्रामीण पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई गई थी. इसके बाद 30 अक्टूबर, 2019 को पुलिस ने आरोपित अर्जुन को गिरफ्तार कर लिया था.

आतंकी हमला : बढ़ रहा आक्रोश, रैली निकाली

जोधपुर: पहलगाम में आतंकी हमले में मारे गए सैलानियों को तीसरे दिन शुक्रवार को भी शहरवासियों ने श्रद्धांजलि दी. शहर के विभिन्न संगठनों, संस्थाओं, कर्मचारी यूनियन आदि ने मृतकों को श्रद्धांजलि दी. इसके साथ ही इस हमले के खिलाफ आक्रोश जताते हुए रैली निकाली. पहलगाम में आतंकी घटना से देशभर में आक्रोश है. इसको लेकर आज राजस्थान उच्च न्यायालय की ओर से दो मिनट का मौन रखा गया. इसमें राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीश, वकील, स्टाफ के सदस्य और न्यायालय उपस्थित अन्य सभी व्यक्तियों ने खड़े होकर दो मिनट का मौन रखकर मृतात्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की. वहीं अनंत श्री सुखराम ट्रस्ट द्वारा आतंकी हमले को लेकर आक्रोश रैली निकाली गई. आक्रोश रैली पावटा सी रोड से निकाली गई जो कलेक्ट्रेट पहुंची. यहां आतंक के खिलाफ प्रदर्शन किया गया.वहीं भारत सेवा संस्थान में भी मृत सैलानियों को श्रद्धांजलि दी गई. भारत सेवा फाउण्डेशन के प्रभारी नरपत सिंह कच्छवाहा ने बताया कि कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में हुए आतंकवादियों द्वारा निहत्थे भ्रमणशील परिवार के सामने नाम व जाति पूछकर जो जघन्य अपराध किया, उसके लिए संस्थान प्रांगण में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं संस्थान परिवार ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की.स्वाध्याय केंद्र के विद्यार्थियों सहित संस्थान के धीरेन्द्र टाक, दीपक सोलंकी, सोहन पटेल, रामजन्म महतो, कमलेश टाक, पृथ्वीराज उपस्थित थे. इसी तरह आतंकवाद के विरोध में आज जालोरी गेट ईदगाह में दोपहर प्रदर्शन कर मृत सैलानियों को श्रद्धांजलि दी गई. उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले जैसी घटनाएं घोर निंदा के लायक है. दोषियों को सख्त से सख्त सजा दी जाएं.1

मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने दिया धरना

सिरसा: जिला के गांव माखोसरानी के किसानों ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पहुंच कर धरना दिया और उपायुक्त से आगजनी के कारण फसलों को हुए नुकसान की भरपाई के लिए मुआवजे की मांग की. किसानों ने उपायुक्त को बताया कि खेतों में लगी आग के कारण एक किसान बुरी तरह से झुलस गया, जिसका सिरसा नागरिक अस्पताल में उपचार चल रहा है. इस आगजनी में किसान का ट्रैक्टर भी जलकर राख हो गया. गांव माखोसरानी निवासी किसान सुभाष व भरत सिंह ने बताया कि 24 अप्रैल को उनके खेतों में अचानक आग लग गई थी. आग फैलकर किसान रणधीर सिंह के खेत तक पहुंच गई , जिससे भरत सिंह की चार एकड़ फसल व भूसा जलकर राख हो गया. किसान रणधीर ने खेत में लगी आग को बुझाने की कोशिश की तो उसका ट्रैक्टर आग की चपेट में आ गया और वह भी आग से बुरी तरह झुलस गया. रणधीर ने बड़ी मुश्किल से भागकर अपनी जान बचाई. उसका ट्रैक्टर पूरी तरह जलकर गया. आगजनी की इस घटना से रणधीर सिंह को भी बहुत नुकसान उठाना पड़ा है. उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है. किसानों ने उपायुक्त से गुहार लगाई कि उन्हें हुए नुकसान की भरपाई की जाए ताकि वे अपना काम दोबारा से शुरू कर सकें.उपायुक्त शांतनु शर्मा ने पीड़ित किसानों को आश्वासन दिया कि जल्द ही अधिकारियों की एक टीम माखोसरानी जाएगी और नुकसान का आंकलन कर पीड़ित किसानों को मुआवजा दिया जाएगा.

नक्सलियों ने छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर चल रहे अभियान को तत्काल रोकने को जारी किया पर्चा

बीजापुर: नक्सलियों ने छत्तीसगढ़ के बीजापुर-तेलंगाना सीमा पर चल रहे बड़े नक्सली विरोधी अभियान को तत्काल रोकने की मांग की है. नक्सल संगठन की उत्तर-पश्चिम बस्तर डिविजन के प्रभारी रूपेश ने प्रेस नोट जारी कर यह अपील की है. नक्सलियों के जारी इस पर्चे में कहा गया है कि सरकार के इस ऑपरेशन से आदिवासी क्षेत्रों में भय और अशांति का माहौल है. नक्सलियों ने अपने बयान में सरकार से शांति वार्ता के लिए आगे आने की बात भी कही है. उन्होंने कहा कि यदि सरकार गंभीरता दिखाए और बातचीत की पहल करे, तो वे भी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाने को तैयार हैं. नक्सलियों के जारी प्रेस नोट में कहा गया है कि हम सरकार से अनुरोध कर रहे हैं कि वार्ता के जरिए समस्या के समाधान का रास्ता अपनायें, अनुकूल माहौल बनाएं ताकि सकारात्मक नतीजा निकले. उन्होंने कहा कि बंदूक के बल पर समस्या के समाधान के लिए सरकार के कगार सैनिक अभियान को एक महीने के लिए स्थगित किया जाए. इस अपील के जरिए हम सरकार की सकारात्मक प्रतिक्रिया की उम्मीद और प्रतीक्षा कर रहे हैं. बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर पिछले चार दिनों से सुरक्षा बलों का बड़ा अभियान जारी है, जिसमें नक्सलियों की तलाश और दबाव बढ़ाने की कोशिशें की जा रही हैं, इसी के विरोध में यह बयान सामने आया है.

हमें बुराई को खत्म करने के लिए दिखानी होगी ताकत : भागवत

मुंबई: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद देशवासी गुस्से में हैं. नफरत और दुश्मनी हमारा स्वभाव नहीं है, लेकिन लड़ाई धर्म और अधर्म के बीच है. हमें बुराई को ख़त्म करने के लिए ताकत दिखानी होगी. ताकत होने और उसकी जरूरत पड़ने पर इसका इस्तेमाल भी जरूरी है. उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है यह दिखाने का कि हमारा देश कितना शक्तिशाली है. हम सबके दिलों में दर्द है. सभी भारतीय जाग चुके हैं. ऐसे हमलों को रोकने के लिए समाज में एकता जरूरी है.

डॉ. भागवत विलेपार्ले के दीनानाथ थिएटर में गुरुवार रात को आयोजित चौथे लता दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि रावण भगवान शिव का भक्त था लेकिन उसके आसपास कुछ ऐसी चीजें थीं जिन्हें समझाया और सुलझाया नहीं जा सका. इसीलिए भगवान राम को उसका वध करना पड़ा. कुछ लोग ऐसे हैं जिन्हें समझाने से कोई समस्या हल नहीं होगी. उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए.

सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कहा कि अगर हम एकजुट हो जाएं तो कोई भी हमारी तरफ बुरी नजर से देखने की हिम्मत नहीं कर सकेगा. किसी से नफरत

या शत्रुता रखना हमारे स्वभाव में नहीं है, लेकिन चुपचाप नुकसान सहना भी हमारे स्वभाव में नहीं है. उन्होंने कहा कि उन्हें केंद्र सरकार से मजबूत प्रतिक्रिया की उम्मीद है और उन्हें विश्वास है कि यह उम्मीद पूरी होगी. डॉ. भागवत ने कहा कि धर्म की जड़ हमारे हृदय में है. दुनिया में केवल एक ही धर्म है- मानवता का धर्म, जिसे आजकल हिंदू धर्म कहा जाता है. संप्रदाय के अनुशासन का पालन सभी को करना पड़ता है और इसमें थोड़ी कट्टरता भी होती है. उन्होंने कहा कि संविधान धर्मनिरपेक्ष है, संविधान के निर्माता धर्मनिरपेक्ष थे क्योंकि हमारी 5,000 साल पुरानी संस्कृति हमें यही सिखाती है.

कार्यक्रम में एम. राजन को संगीत सेवा के लिए मास्टर दीनानाथ मंगेशकर पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इसके साथ ही नाटक 'आसेन मी नासेन मी' को मोहन वाघ पुरस्कार, आरंभ सोसायटी फॉर स्पास्टिक एंड स्लो लर्नर्स की अंबिका तकलकर को आनंदमयी पुरस्कार और श्रीपम सबनीस को साहित्यिक सेवा के लिए वाग्विलासिनी पुरस्कार से सम्मानित किया गया. इसके अलावा अभिनेता शरद पोंक्षे, अभिनेत्री सोनाली कुलकर्णी और रीवा राठौड़ को रंगमंच और फिल्म के लिए मंगेशकर पुरस्कार प्रदान किए गए.

इस्लाम को आतंकवाद से बचाना है तो धर्म में आध्यात्मिकता लायें : बाबा रामदेव

नयी दिल्ली: पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को क्रूरता की पराकाष्ठा बताते हुए योग गुरू बाबा रामदेव ने शुक्रवार को कहा कि वह पूरी दुनिया, खासकर मुस्लिमों से आह्वान करना चाहते हैं कि धर्म को आतंकवाद से मुक्त करना है तो उसमें आध्यात्म का समावेश करें .दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर मंगलवार को आतंकवादियों के हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे.यहां दूसरी एशियाई योगासन चैम्पियनशिप के उद्घाटन के मौके पर विश्व योगासन के अध्यक्ष रामदेव ने कहा,'' एक बहुत दुखद घटना हुई जो क्रूरता की पराकाष्ठा थी वह भी एक धर्म को, एक देश को, एक संस्कृति को निशाना बनाकर.' उन्होंने कहा ,'' मैं आज पूरे

विश्व से यह भी आह्वान करना चाहता हूं, खासकर मुसलमान भाइयों से कहना चाहता हूं कि अगर इस्लाम को, मुसलमान और कुरान को आतंक और आतंकवाद से मुक्त करना चाहते हैं तो धर्म में आध्यात्मिकता को लायें. धर्म में आध्यात्म का सेतु बनेगा तो कहां कोई हिंसा रहेगी.''उन्होंने कहा,'' दुनिया भर में युद्ध, क्रूरता और हिंसा की घटनायें बढ़ रहीं हैं और इन सभी का हल योग और आध्यात्म ही है.'' उन्होंने कहा,'' योग हमारी प्रकृति है और हमारी संस्कृति भी. इससे शरीर में ही लचीलापन नहीं आता बल्कि मन में भी विनम्रता और जीवन में सहनशीलता आती है. व्यक्तित्व विराट हो जाता है.''यहां दूसरी एशियाई योगासन खेल चैंपियनशिप 25 से 27 अप्रैल तक इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित की जा रही है. इसका आयोजन योगासन भारत द्वारा खेल मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के सहयोग से किया जा रहा है जिसमें 17 एशियाई देशों के कुल 170 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं .

दिल्ली अदालत ने उपराज्यपाल मानहानि मामले में मेधा पाटकर की सजा निलंबित की

नयी दिल्ली: सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर को राहत देते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा दायर मानहानि के मामले में उनकी सजा निलंबित कर दी. इस मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया था और दिन में सत्र न्यायालय में पेश किया गया था.सक्सेना ने 23 साल पहले यह मामला दायर किया था, जब वह गुजरात में एक गैर सरकारी संगठन के प्रमुख थे. सत्र न्यायालय ने दो अप्रैल को मानहानि के मामले में पाटकर की दोषसिद्धि को बरकरार रखा, लेकिन उनकी जेल की सजा को निलंबित कर दिया और उन्हें 'अच्छे

आचरण की परिवीक्षा' पर रिहा कर दिया.न्यायालय ने उन्हें आठ अप्रैल को 25,000 रुपये का परिवीक्षा मुचलका भरने का निर्देश दिया और एक लाख रुपये के जुर्माने की पूर्व शर्त लगाई.परिवीक्षा अपराधियों के साथ गैर-संस्थागत व्यवहार और सजा के सशर्त निलंबन की एक विधि है, जिसमें दोषी ठहराए जाने के बाद अपराधी को जेल भेजने के बजाय अच्छे आचरण के मुचके पर रिहा कर दिया जाता है.

हालांकि, निर्धारित तिथि पर परिवीक्षा की शर्तों का सम्मान करने में विफल रहने के बाद उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था. शुक्रवार को पाटकर को गिरफ्तार कर सत्र न्यायालय में पेश किया गया, जिसके बाद न्यायाधीश ने मौखिक रूप से मुचलका जमा करने की शर्त पर उन्हें रिहा करने का आदेश दिया.हालांकि, उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति शालिन्दर कौर ने सजा को निलंबित कर दिया और 25,000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी.

अदालत ने मामले में उनकी सजा के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई 20 मई को तय की है.पाटकर ने दिन में अपनी सजा को चुनौती देने वाली याचिका वापस ले ली और नयी याचिका दायर की.नर्मदा बचाओ आंदोलन की 70 वर्षीय नेता ने सत्र न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा गया था. मजिस्ट्रेट अदालत ने एक जुलाई, 2024 को उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 500 (मानहानि) के तहत दोषी पाते हुए पांच महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई और 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया.

अमेरिका ने रूस को दी चेतावनी, ट्रंप ने कहा-यूक्रेन से शांति समझौता न करने पर करना पड़ेगा प्रतिबंधों का सामना

वाशिंगटन: अमेरिका ने रूस को यूक्रेन पर किए गए ताजा हमलों के बाद कड़ी चेतावनी दी है. राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अगर यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं हुआ तो रूस को प्रतिबंधों का सामना करना पड़ सकता है. हालांकि ट्रंप ने बाद में संवाददाताओं से कहा कि उनका मानना है कि रूस, यूक्रेन पर हमले रोकने की उनकी अपील को गंभीरता से लेगा. एबीसी न्यूज के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका लगातार रूस पर यूक्रेन पर हमले रोकने के लिए दबाव डाल रहा है. ट्रंप ने दावा किया, आपको पता नहीं है कि हम रूस पर कितना दबाव डाल रहे हैं. ट्रंप से पूछा गया कि यूक्रेन के साथ शांति योजना पर पहुंचने के लिए रूसी सरकार ने क्या रियायतें दी हैं? उन्होंने इसका स्पष्ट जवाब नहीं दिया.ट्रंप ने कहा कि वह गुरुवार को द अटलांटिक अखबार के प्रधान संपादक जेफरी गोल्डबर्ग से मिलने जा रहे हैं, जिन्हें अनजाने में सिग्नल चैट में शामिल कर लिया गया था. इस चैट में रक्षा सचिव पीट हेगसेथ सहित अमेरिकी रक्षा अधिकारियों ने यमन में हूथी विद्रोहियों पर हमले की योजनाओं पर चर्चा की थी.

स्वदेश लौटने के लिए अटारी बॉर्डर पर पाकिस्तानी नागरिकों का हंगामा

पाकिस्तान में ब्याही भारतीय मूल की महिलाओं की वापसी में आई दिक्कत

चंडीगढ़: पाकिस्तानी नागरिकों को देश से बाहर किए जाने के आदेश के बाद शुक्रवार को दूसरे दिन अटारी बॉर्डर पर दिनभर गहमा-गहमी का माहौल बना रहा. यहां पाकिस्तानी नागरिकों ने अपने देश में वापस जाने के लिए काफी हंगामा किया. जांच के दौरान पता चला कि कईयों की वीजा अवधि भी समाप्त हो चुकी थी, लेकिन इसके बावजूद वह भारत में रूके हुए थे. ऐसे पाकिस्तानी नागरिक शुक्रवार को जब अटारी बॉर्डर पर पहुंचे तो बीएसएफ

व कस्टम अधिकारियों ने इनको रोक लिया. अटारी बॉर्डर पर आज करीब एक दर्जन ऐसी महिलाएं पहुंची, जिनका मायका भारत में है और शादी पाकिस्तान में हुई है, लेकिन उन्हें पाकिस्तान की नागरिकता नहीं मिली है. आदेश हैं कि भारतीय पासपोर्ट वालों को पाकिस्तान ना जाने दिया जाए. राजस्थान के जोधपुर की रहने वाली अफसीन जहांगीर की शादी कराची में हुई थी.

बच्चे पाकिस्तानी नागरिक हैं, इसलिए उन्हें तो बॉर्डर पार कर जाने दिया गया, लेकिन अफसीन को रोक दिया गया.दिल्ली की अरूदा की शादी बीस साल पहले पाकिस्तान में हुई थी. उनके दो बच्चे हैं, जो पाकिस्तानी नागरिक हैं. अरूदा के पति उनको लेने के लिए आज लाहौर से बाघा बॉर्डर आए थे. उन्होंने बताया कि उनकी बीवी एक महीने के लिए अपने मां-बाप से मिलने भारत आई थी. 27 तारीख की वापसी का टिकट था, लेकिन हालात देखकर चार दिन पहले ही निकलने की कोशिश की, लेकिन आज बॉर्डर पर रोक दिया गया.शनिजा की शादी 15 साल पहले कराची में हुई थी. वे दिल्ली में अपने माता-पिता से मिलने आई थीं, लेकिन अब जब वे वापस पाकिस्तान लौटना चाह रही हैं, तो आज उन्हें अटारी बार्डर पर रोक लिया गया. शनिजा के अनुसार उनके शौहर वाघा बॉर्डर के उस पार इंतजार कर रहे हैं और वह गुरुवार रात से अटारी बॉर्डर पर बैठी हैं.

पंडोह बांध के पास कार गिरी, पांच की मौत

मंडी: मंडी जिला मुख्यालय से लगभग 20 किलोमीटर दूर पंडोह बांध के पास बाखली मंदिर मार्ग पर शुक्रवार दोपहर बाद सवा चार बजे के करीब एक कार 31 सी-1189 के गिर जाने से पांच लोगों की मौत हो गई जिसमें एक दंपति व उनकी 3 महीने की बच्ची भी शामिल है. चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक तीन महीने की बालिका जो बुरी तरह से घायल हो गई थी अस्पताल में ले जाते हुए दम तोड़ गई. मिली जानकारी के अनुसार कार में सवार लोग बाखली मंदिर के उपर एक गांव में शादी समारोह में गए थे तथा वहां से खुशी खुशी वापस लौट रहे थे. जैसे ही यह कार पंडोह बांध के नजदीक थी तो बेकाबू होकर ढांक से लुढ़कते हुए बांध के जलस्तर से कुछ जो गिरी. कार कई पलटे खाकर उलटे होकर पूरी तरह से चकनाचूर हो गई. जैसे ही इसकी सूचना पंडोह पुलिस चौकी मंडी सदर थाना की टीम को लगी तो तुरंत एसडीआरएफ की टीम के साथ मौके पर पहुंचे तथा स्थानीय लोगों की मदद से कार में में फंसे लोगों को निकाला गया. इनमें से चार की मौके पर ही मौत हो चुकी थी जबकि तीन महीने की एक बच्ची की अस्पताल ले जाते हुए मौत हो गई.मरने वाले सभी दूल्हे के घर के लोग ही बताए गए हैं. इनमें दूल्हे का भाई भी मौत का शिकार हुआ है.

पाकिस्तान की सीनेट ने प्रस्ताव पारित कर पहलगाम आतंकी हमले पर भारत के आरोपों को खारिज किया

इस्लामाबाद: भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उपजी स्थितियों पर आज पाकिस्तान संसद के उच्च सदन सीनेट (आइवान-ए बाला) में चर्चा हुई. सीनेट ने सर्वसम्मत से प्रस्ताव पारित कर हमले में पाकिस्तान का हाथ होने के भारत के आरोपों को खारिज कर दिया. सीनेट ने आरोपों को निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया.

जियो न्यूज की खबर के अनुसार, सीनेट में पारित किए गए प्रस्ताव में सभी तरह के आतंकवाद की निंदा की गई है. इसमें इस बात पर जोर दिया गया कि निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना पाकिस्तान के मूल मूल्यों के खिलाफ है. हमले के बाद भारत के सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा से जले-भुने पाकिस्तान के नेताओं ने सीनेट में इसकी निंदा की. प्रस्ताव में चेतावनी दी गई कि पाकिस्तान किसी भी आक्रमण का जवाब देने में सक्षम है. इस दौरान पुराना राग अलापते हुए कश्मीरी लोगों के आत्मनिर्णय के अधिकार के लिए अटूट समर्थन को दोहराया गया.

उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने सीनेट को बताया कि भारत ने हालांकि सीधे तौर पर पाकिस्तान का नाम लेने से परहेज

किया है, लेकिन बिना किसी सबूत के इस ओर इशारा किया है. साथ ही डार ने सदन को राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक के निर्णयों की जानकारी दी. इसकी जानकारी कल 26 देशों को दी गई. बाकी को आज दी जाएगी. उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के विदेश मंत्री ने शाम सात बजे बातचीत का समय निर्धारित करने का अनुरोध किया है. डार ने धमकी के अंदाज में कहा कि पाकिस्तान के सशस्त्र बल पूरी तरह से तैयार हैं. सीनेट में विपक्ष के नेता शिबली फराज ने कहा कि यह प्रस्ताव विरोधियों को एकीकृत संदेश भेजता है. उन्होंने आरोप लगाया कि भारत लगातार आतंकवाद के बहाने पाकिस्तान को बदनाम करता है. पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) की सीनेटर शेरी रहमान ने भी सत्ता प्रतिष्ठान के नेताओं की हां में हां मिलाया. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने आतंकवाद के मसले पर भारत से बातचीत करने की कोशिश की थी, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी. इस दौरान अवामी नेशनल पार्टी (एएनपी) के अध्यक्ष ऐमल वली ने कहा कि युद्ध से किसी को कोई लाभ नहीं होता.

उन्होंने कहा कि दोनों देशों में एक-दूसरे को पूरी तरह से नष्ट करने की पर्याप्त शक्ति है. उन्होंने भारत में उन लोगों से आह्वान किया जो शांति चाहते हैं, अहिंसा के सिद्धांतों का पालन करते हैं और आतंकवाद का विरोध करते हैं कि वे युद्ध के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं. उन्होंने कहा कि वह भारत के साथ होने वाली किसी भी वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार हैं. उन्होंने भारत, चीन, अफगानिस्तान और ईरान के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों की इच्छा दोहराई. उन्होंने कहा कि पाकिस्तान माहौल को बिगाड़ने की बचने की कोशिश करें, क्योंकि इससे अंततः मुल्क को ही नुकसान होगा. वाली ने पाकिस्तान के वाघा सीमा को बंद करने पर सवाल उठाया.

सीएम ने जम्मू-कश्मीर के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश भर में अपने कैबिनेट सहयोगियों को किया तैनात

श्रीनगर: हाल की घटनाओं के मद्देनजर और देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले जम्मू-कश्मीर के छात्रों और व्यापारियों के बीच सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आज भारत भर के प्रमुख शहरों में कैबिनेट मंत्रियों की तैनाती का निर्देश दिया.जम्मू और कश्मीर सरकार के इन वरिष्ठ प्रतिनिधियों को संबंधित राज्य सरकारों में अपने समकक्षों के साथ घनिष्ठ समन्वय स्थापित करने का काम सौंपा गया है. उनका कार्य जम्मू-कश्मीर के निवासियों की सुरक्षा, सम्मान और भलाई सुनिश्चित करना है, जो हाल की घटनाओं के मद्देनजर संकट, चिंता या असुरक्षा का सामना कर रहे हैं. जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक्स के माध्यम से कहा कि हमारे छात्रों और वर्तमान में अन्य राज्यों में रहने वाले व्यापारियों के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने के उद्देश्य से मैंने अपने कैबिनेट मंत्रियों को देश भर के विभिन्न शहरों में प्रतिनियुक्त किया है. इन यात्राओं का उद्देश्य संबंधित राज्य सरकारों के साथ प्रयासों का समन्वय करना और जम्मू-कश्मीर के निवासियों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करना है.

सुडोकू-09

1			6		5		9	7
		5			1	3	2	8
8			3	2	9		5	
			5	9			7	4
4	8			1	7			
	7		4	5	8			2
5	6	8	9			7		
9	2		1		6			3

9X9 के उपरोक्त खानों में एक से नौ तक के अंक ऐसे भरें ताकि हर कॉलम और उसके हर छोटे खाने में एक नंबर ही आयें.
उत्तर अगले अंक में

सूडोकू -08 का उत्तर

3	5	6	1	9	4	2	8	7
7	9	2	8	3	5	1	6	4
4	1	8	2	6	7	3	9	5
1	6	3	4	7	9	8	5	2
2	4	5	3	8	1	9	7	6
9	8	7	6	5	2	4	1	3
5	3	1	9	4	6	7	2	8
6	2	4	7	1	8	5	3	9
8	7	9	5	2	3	6	4	1

युवा शक्ति माथापच्ची- 17

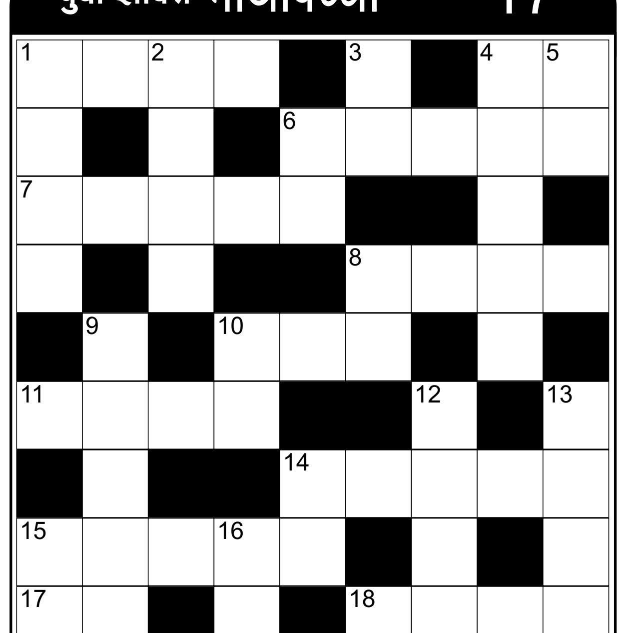

● **बाएं से दाएं**

1. कस्तूरी, 4. खमीर वाली मोटी, लम्बी तंदूरी रोटी, 6. महाबुद्ध, बड़ी लड़ाई, विश्वयुद्ध, 7. देश निकाला, निर्वासित, 8. अलंकृत करना, सजाना, क्रम से रखना, ठीक करना, 10. बुरा लड़का, नाकारा बेटा, 11. गायब, लुप्त, 14. निरन्तर, लगातार, 15. सभी जगह, 17. अनेक, विविध, एक रिश्ता, 18. हिस्सा देना, योगदान, सहायता

● **उपर से नीचे**

1. जिसने मौत को जीत लिया हो, शिवका एक मंत्र, 2. अंकुश रखनेवाला, हाथीवान, 3. बोला, सुना का उलटा, 4. नाम रखना, 5. एक प्रकार का दोहा, पुरुष, 6. चित्त, इच्छा, 8. साधु, संन्यासी, 9. वचन देना, 10. डील-डौल, ऊंचाई, हैसियत, 12. छुट्टी, 13. कागज/ कपड़े के छोटे टुकड़े, 14. हठ, जिद, कोना, 15. सघन, गहरा, 16. ले जाने वाला, हरण करनेवाला, भाजक.

उत्तर कल के अंक में

माथापच्ची- 16 का हल

च	म	क		भं		हि	ला	ना
		प	रि	व	ह	न		क
म	क	डा		र		हि		
ह	म		ना		क	ना	ग	त
क		प	ह	चा	न	ना		था
ना	ग	रि	क		क		बा	ग
		वा		ना		स	ज्ञा	त
मा		ह	ता	श	हो	ना		
मा	न	क		क		थ	का	न

पहलगाम नरसंहार के खिलाफ मुखर व्यवसायिक संगठन एवं सेवाभावी संस्थाएं

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता: कश्मीर के पर्यटन स्थल पहलगाम में हुई नृशंस हत्याकांड के खिलाफ देशभर में प्रतिवाद का आंदोलन जोरों पर है. सच्चा देशभक्त नागरिक चाहे वह किसी भी क्षेत्र से जुड़ा हो इसके प्रतिवाद में मुखर हो उठा है. धर्म पूछकर की गई इस हत्याकांड ने आम-ओ-खास सभी को झकझोर दिया है. कोलकाता की प्रतिष्ठित व्यवसायिक संस्था सीडब्ल्यूबीटीए एवं लायंस क्लब डिस्ट्रिक्ट 322 भी 1 ने आज धर्मतल्ला के डोरोना क्रासिंग पर हजारों लोगों की भीड़ के साथ अपना विरोध जताया. सभी का कहना था कि यह नृशंस हत्याकांड देश की अस्मिता को चुनौती है जिसका जवाब सीधे पाकिस्तान को नेस्तनाबूद करके दिया जाना चाहिए. सीडब्ल्यूबीटीए के अध्यक्ष सुशील पोद्दार ने कहा कि आम नागरिकों के साथ पश्चिम बंगाल की व्यवसायिक संस्थाएं भी देश की अस्मिता पर हुई इस हमले से मर्माहत है. देश सर्वोपरि है इसीलिए हम इसके साजिशकर्ताओं का खात्मा चाहते हैं. दिनेश

गंगवाल ने कहा कि भारत हमेशा से सत्य, अहिंसा शांति का पैरोकार रहा है. पाकिस्तान ने हमेशा की तरह कायराना हरकत की है तो इसका माकूल जवाब देना लाजिमी है. प्रदीप लुहारीवाला ने कहा कि भारत की एकता, संप्रभुता पर कोई भी आघात स्वीकार्य नहीं है. चाहे जैसे हो इसका बदला जरूरी है. लायंस क्लब की ओर से सुभाष मुरारका ने कहा कि जनता एकजुट है और सरकार से उम्मीद करती है कि वह आगे बढ़े. हम तन-मन-धन से सरकार को हरसंभव मदद को तैयार हैं. आज के जुलूस में सनत जैन, विनोद संचेती, ओम प्रकाश तोदी, सुनील पहाड़िया, प्रदीप नायर, फादर गौरव, पीएल खेतान, पवन डागा, पवन पाटोदिया, सतनाम सिंह अहलूवालिया, अशोक तुरकिया,महावीर जैन,ओम प्रकाश तोदी,पवन डागा,राजेश भाटिया, रवि गुप्ता, चंद्रेश मेघानी, मोहन बाजोरिया, एन जी खेतान, गगन सचदेव, राजेन्द्र खंडेलवाल, अजय बाकलीवाल, बबली भाई, आलोक सिंह, एमपी सरावगी, संजीव जौहरी, नरेन्द्र कपाड़िया, अशोक मिश्र, गोवर्धन बागड़ी, रवि जाजोदिया, मृदुल विश्वास, संजय पोद्दार, विष्णु अग्रवाल, शीतल दसानी, कनक दूगड़, अरविंद पांडेय, विनोद कुंडलिया, निर्मल सराफ, शब्बीर हज़रत, संजय सोन्थलिया, अरुण गोयनका, अभिषेक सेठी सहित 140 व्यवसायिक संस्थाओं के प्रतिनिधि शामिल थे.

सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के दिव्य सान्निध्य में अभ्युदय कार्यक्रम 27 अप्रैल को

युवा शक्ति न्यूज

कोलकाता : सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के दिव्य सान्निध्य में अद्वितीय, अदभुत और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन आगामी 27 अप्रैल को होने जा रहा है. आयोजन समिति के अध्यक्ष संजय मालू ने बताया कि इस कार्यक्रम में अष्ट सिद्धि एव नौ निधि के धारक श्री ब्रह्मर्षि गुरुवर, जो वैदिक विज्ञान के पूर्ण ज्ञाता है, कोलकाता की पावन धर्मधरा पर आशीर्वाद देने पधार रहें है. इस विशाल कार्यक्रम में देश विदेश से से भी अनेक गुरु भक्त शामिल होंगे. कार्यक्रम की व्यापक तैयारियां की जा रहीं है. राप्रोक्योर के निदेशक सिद्धार्थ मालू ने बताया कि जीवन के विविध क्षेत्रों में स्थायी सफलता के लिए सही नेतृत्व और आत्मिक जागरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हैं.ब्रह्मर्षि आश्रम के पश्चिम बंगाल के अध्यक्ष निर्मल कनोडिया ने बताया कि सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव वर्तमान युग के अवतरित महामानव है जिनके आभामण्डल में आने मात्र से ही शक्ति का संचारण हो जाता हैं. गुरु भक्त प्रदीप लोहारीवाला ने बताया कि कोलकाता में व्यवसायिक, सामाजिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुड़े संगठन और समाज के लोग इस कार्यक्रम में शामिल होंगे.सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त प्रेरणास्रोत हैं. उनकी शिक्षाएं सफलता को मूल्यों से जोड़ने की प्रेरणा देती है जिससे व्यक्ति को संतुलित, संतोषपूर्ण और जागरूकता से जीवन की राह मिलती हैं.गुरु भक्त सुशील चौधरी ने बताया कि सिद्धगुरु श्री सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुवर एक महान सिद्धगुरु है. जिन्होंने अपनी तपस्या, साधना से अनेक सिद्धियां प्राप्त की हुई है. राप्रोक्योर तथा ब्रह्मर्षि परिवार कोलकाता केन्द्र के संयुक्त निरीक्षण में आयोजित यह कार्यक्रम, एक सुनहरा अवसर होगा, जिसमे एक परमात्मीय अंश, एक युग पुरुष कोलकाता पधार रहें है.

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच कोलकाता मंडल ने पहलगाम के मृतकों को दी श्रद्धांजलि

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता: अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के कोलकाता मंडल के सदस्यों ने बृहस्पतिवार की शाम जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में मृतकों को श्रद्धांजलि देने हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया. इस श्रद्धांजलि सभा में कोलकाता की बड़तल्ला मर्चेंट एसोसिएशन, मनसा माता भक्त मंडल, ह्यूमन राइट काउंसिल ऑफ इंडिया, श्री श्याम मिलन संघ, अंतराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन, जनसेवा भक्त मंडल बांधाघाट, श्री नारायणी मंगल पाठ समिति आदि संस्थाओं ने भाग लिया. श्रद्धांजलि सभा में इस कायरतापूर्ण हमले की कड़े शब्दों में निंदा की गई. सदस्यों ने इसे मानवता के खिलाफ बताते हुए कहा कि आतंकवाद किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं है. सदस्यों ने मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की. मृतकों की आत्मा की शांति के लिए सदस्यों द्वारा दो मिनट का मौन धारण किया गया. सदस्यों ने कैंडल जलाकर शोक व्यक्त किया. साथ ही इसके लिए दोषी आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई. मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों ने केंद्र सरकार से पहलगाम में हुए हत्याकांड के आरोपियों पर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की. मारवाड़ी युवा मंच ने इस संवेदनशील वातावरण में सबसे एकजुट रहने का आव्हान भी किया.

कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के खिलाफ सीपीआईएम दक्षिण पूर्व हावड़ा एरिया कमेटी के तरफ से जूलूस आयोजित

युवा शक्ति न्यूज/हावड़ा : कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले की घटना के खिलाफ एक जूलूस सीपीआईएम दक्षिण पूर्व हावड़ा एरिया कमेटी के तरफ से आयोजित किया गया. सीपीआईएम हावड़ा जिला कमेटी सदस्य शैलेंद्र कुमार राय के नेतृत्व में यह प्रतिवाद जूलूस हावड़ा जूट मिल से शुरू होकर आलोका सिनेमा, शिवपुर ट्रामडिपो होते हुए काजीपाड़ा में जाकर समाप्त हुआ. इस मौके पर सीपीआईएम हावड़ा जिला कमेटी सदस्य शैलेंद्र कुमार राय, भूतपूर्व विधायक के के राय, असित घोष, कृष्णा चटर्जी, अंजना राय, प्रनव चटर्जी आदि नेतृत्व मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि दिये. इस मौके पर जिला नेता शैलेंद्र कुमार राय ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि इस आतंकी हमले के विरोध में हम सभी को एकजुट होकर आतंकवादियों का डटकर मुकाबला करना होगा.

मिलावटी दूध मामले में चुंचुरा विधायक के सहयोगी बिप्लब गिरफ्तार

राज कुमार प्रसाद

हुगली (युवा शक्ति न्यूज): नकली दूध मामले में 13 अप्रैल को पुलिस ने दूध में मिलावट के आरोप मिलने पर पोलबाड़ी के होसनाबाद स्थित एक होटल में छापेमारी की थी.उस घटना की जांच के दौरान पुलिस ने चुंचुरा विधायक असित के करीबी सहयोगी तृणमूल नेता बिप्लब सरकार को गिरफ्तार किया था.इस घटना से हुगली में राजनीतिक हंगामा मच गया है. तृणमूल विधायक असित ने कहा है कि अगर वह दोषी पाए गए तो पार्टी उनका साथ नहीं देगी. पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोप है कि पोलबार स्थित एक होटल में छापेमारी की गई और वहां दूध में रसायन मिलाकर बेचा जा रहा था. घटनास्थल पर तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया. बाद में पुलिस ने एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया. पोल्बा पुलिस स्टेशन में सात

लोगों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई गई. उस एफआईआर में क्रांतिकारी सरकार का नाम था. उस जांच के दौरान पुलिस ने गुरुवार को तृणमूल श्रमिक संगठन के नेता बिप्लब सरकार को गिरफ्तार कर लिया. हुगली ग्रामीण पुलिस डीएसपी डीएंडटी प्रियब्रत बख्शी ने कहा कि दूध मिलावटी बेचा जा रहा है. पोल्बा पुलिस स्टेशन को शिकायत प्राप्त हुई. मिलावटी दूध बनाने में प्रयुक्त रसायन भी बरामद किया गया. दूध को रासायनिक परीक्षण के लिए भेज दिया गया है. पुलिस जांच कर रही है, सज़ा होगी.

अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश करता है ब्रह्मलीन स्वामी विश्वदेवानंद महाराज का जीवन

युवा शक्ति न्यूज/कोलकाता : ब्रह्मलीन निर्वाण पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी विश्वदेवानंद महाराज का निर्वाण महोत्सव सत्संग भवन में शनिवार 26 अप्रैल को आस्था, भक्ति भाव से मनाया जायेगा. स्वामी विश्वदेवानंद महाराज का जीवन अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश करता है. उनके सिद्धांत वसुधैव कुटुम्बकम् सिद्धांत पर आधारित है, जिसका तात्पर्य है विश्व ईश्वर की संरचना, एक परिवार है. इस सत्य के प्रति संकल्पित भाव से उन्होंने विश्व कल्याण फाउंडेशन की स्थापना की. हरिद्वार में कनखल स्थित श्रीयंत्र मन्दिर, राजराजेश्वरी त्रिपुर सुंदरी देवी स्वर्णकाली की प्रतिष्ठा ब्रह्मलीन विश्वदेवानंद महाराज ने की.सत्संग भवन, कोलकाता में धर्म, अध्यात्म, सनातन वैदिक संस्कृति के प्रति स्वामी विश्वदेवानंद महाराज ने सदैव भक्तों का मार्गदर्शन किया. उनके बताए मार्ग का अनुसरण करना, सनातन वैदिक धर्म, संस्कृति को समझते हुए जीवन में पालन करना सच्ची श्रद्धांजलि होगी. सत्संग भवन के ट्रस्टी पण्डित लक्ष्मीकांत तिवारी, आचार्य श्रीकान्त शास्त्री, संतोष रूंगटा, श्यामसुंदर धानुका, दीपक मिश्रा, सत्यनारायण भट्टड़, मुकेश शर्मा, प्रदीप आसोपा, ओम प्रकाश भरतिया, पवन तोदी, भागवताचार्य आकाश शर्मा ने धर्मानुरागी सामाजिक कार्यकर्ताओं से श्रद्धांजलि सभा, धार्मिक कार्यक्रमों में उपस्थित रहने का निवेदन किया है .

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक सुधांशु शेखर द्वारा दी इंडियन एक्सप्रेस लिमिटेड, एक्सप्रेस हाउस, एन एच 6 मौजा–प्रशस्थ व अंकुरहाटी,पोस्ट– सलप, थाना–डोमजूर, जिला–हावड़ा–711409 से मुद्रित एवं 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007 से प्रकाशित. प्रधान संपादक : **सुधांशु शेखर,**
प्रबंध कार्यालय : 19, सर हरिराम गोयनका स्ट्रीट, कोलकाता–700 007, RNI No. WBHIN/2007/22434 फोन : 9831494084, टेलीफैक्स : 22743382 ई–मेल : yuvashakti@hotmail.com प्रकाशन संबंधी समस्त विवादों का निपटारा कोलकाता न्यायालय के अधीन